एचएलएल

समन्वया

अंक -17 दिसंबर 2013

एचएलएल को आठवीं बार इंदिरा गाँधी राजभाषा पुरस्कार

वैश्विक स्वास्थ्य सम्मेलन

राजभाषा से जुडी रंगारंग कार्यकलाप

कवर स्टोरी:

एचएलएल उपलब्धियों के सोपानों पर

अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक की कलम से

एचएलएल लाइफ़केयर लिमिटेड, पिछले दो दशकों से एक कंडोम कंपनी से एक स्वास्थ्यरक्षा उत्पाद एवं वितरण कंपनी की ओर के प्रयाण में देश की आम जनता तथा गरीब महिलाओं एवं बच्चों को गुणवत्तावाले उत्पाद और सेवायें किफायती मूल्य पर प्रदान करने में प्रमुखता देता है। 10000 करोड की कंपनी बन जाने के विशन 2020 की ओर फोकस करके एचएलएल ने विविध नवाचार उत्पाद एवं परियोजनायें - एमिली, हाइकेयर लिमो, हायकेयर सीएक्स, लाइफ़केयर केंद्र, एम आर आई स्कान केंद्र, अनुसंधान एवं विकास केंद्र, हिंद लैब्स आदि - प्रारंभ की है। यह भी नहीं विविध लोक स्वास्थ्य ललकारों का पता करने और भारत की वैक्सीन सुरक्षा को पूरा करने केलिए चेन्नै के पास चेंकलपेट्ट में एचएलएल की ड्रीम परियोजना - एचएलएल बायोटेक लिमिटेड भी संस्थापित किया गया आज की बडी समस्या है प्रदूषण, इसपर ध्यान देकर 'सर्व जन हिताय' के लिए तिरुवनंतपुरम के कवडियार में प्रारंभित "माई सिटी" कार्यक्रम एचएलएल की सामाजिक प्रतिबद्धता का द्योतक है। इस प्रकार अपने कॉर्पोरेट मूल्यों - विश्वास, पारदर्शिता, टीम वर्क - पर अतीव प्रमुखता देकर उन्नती की ओर अग्रसर एचएलएल उत्कृष्ठ निष्पादन पुरस्कार, प्रदूषण नियंत्रण पुरस्कार, राष्ट्रीय संरक्षा पुरस्कार जैसी उपलब्धियाँ प्राप्त करने में सफल बन गयी । साथ ही यह साबित कर दिया है कि राजभाषा हिंदी के प्रोन्नमन में भी कंपनी राष्ट्रीय स्तर पर अग्रणी स्थान पर है। इसका द्योतक है कंपनी को प्राप्त इंदिरा गांधी राजभाषा पुरस्कार (प्रथम स्थान) ।

संघ सरकार की राजभाषा नीति का अनुपालन करने और विपणन पर केंद्रित ग्राहकोन्मुख कंपनी होने के नाते अपने उत्पाद एवं सेवाओं की जानकारी साधारण लोगों तक पहूँचाने के लिए इस जन मन की भाषा हिंदी का प्रसार करना हमें अत्यंत ज़रूरी है। इस दृष्टि से राजभाषा कार्यान्वयन में उत्तरोत्तर बढावा लाने की ओर हम कंपनी में वैविद्यपूर्ण कार्यक्रम आयोजित कर रहे हैं - प्रत्येक स्तर के कर्मचारियों के लिए हिंदी कार्यशाला,वाक्-पटुता कार्यक्रम,हिंदी सेमिनार, हिंदी प्रतियोगितायें,बोलचाल हिंदी क्लास,स्मरण परीक्षा,हिंदी सिनेमा की सिडियों का वितरण,हिंदी फोरम व अनुभाग बैठक आदि। अपने कर्मचारियों की कलाभिरुचि बढाने तथा उन्हें उत्साहवर्धक बनाने के उद्देश्य से आयोजित हिंदी मेला और हिंदी म्यूसिक नाइट यहाँ एकदम उल्लेखनीय बात ही है। इस प्रकार बहिरूपी कार्यकलापों से राजभाषा कार्यान्वयन में उत्कृष्ठता बनाये रखने के परिणामस्वरूप पिछले 22 सालों से तिरुवनंतपुरम नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (टोलिक) के पुरस्कार और राजभाषा प्रदर्शनी में केरल हिंदी प्रचार सभा पुरस्कार केलिए भी एचएलएल हकदार बन गया है।

राजभाषा कार्यान्वयन के क्षेत्र में हमारा और एक कदम है - एचएलएल की राजभाषा पत्रिका समन्वया। जिससे हम कंपनी का यथार्थ चित्र प्रतिबिंबित करते हैं। अतः सही मायने में हमारी पत्रिका के सत्रहवाँ अंक आपके सामने प्रस्तुत करने में मैं संतोष एवं गर्व महसूस करता हूँ। आप से मेरी कामना है, इस पत्रिका को सारगर्भित एवं ज्ञानवर्धक बनाने केलिए आप अपने बहुमूल्य मत व्यक्त करें।

नव वर्ष की शुभकामनाओं सहित।

डॉ. एम. अय्यप्पन
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

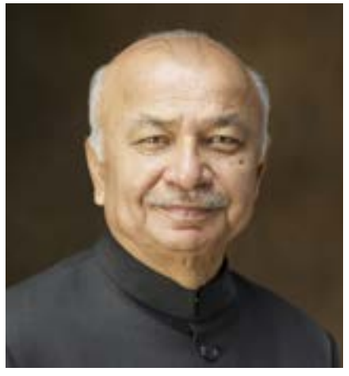

सुशीलकुमार शिंदे
SUSHILKUMAR SHINDE

गृह मंत्री, भारत
Home Minister, India

प्रिय देशवासियो,

हिंदी दिवस के अवसर पर मेरी हार्दिक शुभकामनाएँ !

भारत की सभ्यता और भाषायी संस्कृति की जडें गहरी हैं और ये विविध संस्कृतियों के सम्मिश्रण से गुजरकर सदियों से विकसित हुई हैं। भाषायी विविधता एवं बहुआयामी संस्कृति के बावजूद राजभाषा हिंदी ने देश के स्वतंत्रता आंदोलन से लेकर आज तक पूरे देश को एकता के सूत्र में पिरोकर अनेकता में एकता की धारणा को पुष्ट किया है। हिंदी हमारे देश की राष्ट्रीय एकता और अस्मिता का सबसे शक्तिशाली एवं प्रभावी माध्यम है।

विश्व के सभी प्रमुख विकसित एवं विकासशील देश अपनी-अपनी भाषाओं में ही अपना सरकारी कामकाज करके उन्नत हुए हैं। हिंदी हमारे देश की सबसे बडी संपर्क भाषा है। यह देश के अधिकांश लोगों द्वारा पारस्परिक व्यवहार में प्रयुक्त की जाती है। हिंदी के इसी महत्व को देखते हुए भारतीय संविधान में इसे संघ सरकार की राजभाषा का दर्जा दिया गया है। देश और समाज के व्यापक हित में राजभाषा हिंदी के प्रति जनता और सरकारी तंत्र दोनों को अधिक से अधिक संवेदनशील और सक्रिय बनाए जाने की आवश्यकता है।

हिंदी को संघ की राजभाषा के रूप में अपनाने के संवैधानिक उद्देश्यों को पूरा किया जाना सुनिश्चित करने के लिए यह आवश्यक है कि विभिन्न सरकारी कार्यालयों में हिंदी में टिप्पण तथा पत्राचार को पर्याप्त रूप से प्रोत्साहित किया जाए। वास्तविकता में हिंदी में काम करने के लिए यह सुनिश्चित करना महत्वपूर्ण होगा कि भाषा को सरल एवं सहज रूप में लिखा जाए ताकि हिंदी जानने वाले तथा हिंदी न जानने वाले कर्मचारियों द्वारा यह आसानी से समझी जा सके तथा अपनाई जा सके।

इस लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में विशेषज्ञों की एक उच्चाधिकार प्राप्त समिति का गठन किया गया है ताकि विभिन्न विभागों में कर्मचारियों द्वारा सुलभ संदर्भ के लिए प्रयोग में लाई जाने वाली प्रशासनिक शब्दावली को अभिव्यक्ति के सरल रूपों का प्रयोग करते हुए उन्नत किया जा सके। इस समिति का कार्य इस वर्ष के अंत तक पूरा होने की संभावना है। इस तरह की उन्नत शब्दावली प्रशिक्षण, अनुवाद तथा शीघ्रता से ग्राह्य रूप में भाषा की सुविज्ञता के उद्देश्य के लिए अत्यधिक महत्वपूर्ण होगी।

केंद्र सरकार के कार्यालयों में हिंदी का अधिकाधिक प्रयोग सुनिश्चित करने के लिए भारत सरकार के राजभाषा विभाग द्वारा उठाए गए कदमों से सकारात्मक परिणाम मिले हैं। राजभाषा विभाग द्वारा सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में किए गए प्रयासों से अब कंप्यूटरों पर हिंदी में कार्य करना अधिक सुविधाजनक एवं सरल हो गया है और इसके लिए समय-समय पर आवश्यक निर्देश जारी किए गए हैं। इसी क्रम में राजभाषा विभाग ने वेब आधारित सूचना प्रबंधन प्रणाली विकसित की है। यह सुनिश्चित किया जाना आवश्यक है कि सभी कंप्यूटर उपकरणों में हिंदी में काम करने की सुविधा हो। विभाग द्वारा अन्य उपायों के अलावा हिंदी में मूल पत्राचार को बढ़ावा देने के लिए कई पुरस्कार योजनाएँ भी चलाई जा रही हैं।

मैं सभी वरिष्ठ प्रशासकीय अधिकारियों एवं कार्यालय प्रमुखों से अनुरोध करता हूँ कि वे अपने कार्यालयों में राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय द्वारा जारी वार्षिक कार्यक्रम में निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए व्यक्तिगत रुचि लें और स्वयं हिंदी में कार्य करके अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत करें। संघ की राजभाषा नीति का आधार सद्भावना, प्रेरणा एवं प्रोत्साहन है किंतु संबंधित अनुदेशों का अनुपालन उसी प्रकार दृढतापूर्वक किया जाना चाहिए जिस प्रकार अन्य सरकारी अनुदेशों का अनुपालन किया जाता है।

आइए, हिंदी दिवस के शुभ अवसर पर हम यह संकल्प लें कि हम सभी उत्साहपूर्वक और गर्व के साथ अपना कार्य हिंदी में करेंगे और राजभाषा अधिनियम, नियम एवं वार्षिक कार्यक्रम में निर्धारित प्रावधानों का अनुपालन करेंगे। मुझे पूरा यकीन है कि हमारे सामूहिक प्रयासों से हम अपना लक्ष्य अवश्य प्राप्त करेंगे और देश में हिंदी के प्रयोग को अभूतपूर्व नए आयाम देंगे।

जय हिंद !

नई दिल्ली,
14 सितंबर, 2013

सुशीलकुमार शिंदे

गुलाम नबी आज़ाद

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री
भारत सरकार
निर्माण भवन, नई दिल्ली - 110011

Minister of Health & Family Welfare
Government of India
Nirman Bhavan, New Delhi-110011

हिंदी दिवस के सुअवसर पर आप सबको मेरी हार्दिक शुभकामनाएं ।

जैसा कि आप जानते हैं कि हमारे देश में प्रत्येक वर्ष 14 सितंबर हिंदी दिवस के रूप में मनाया जाता है । इसी दिन अर्थात 14 सितंबर, 1949 को भारतीय संविधान सभा ने देवनागरी लिपि में लिखित हिंदी को देश की राजभाषा बनाने का निर्णय लिया था । इसी ऐतिहासिक दिवस की स्मृतियों को मानस पटल पर बनाए रखने और हृदय से उसे अंगीकार करने के लिए हम प्रतिवर्ष हिंदी दिवस मनाते हैं ।

हमारे देश की प्रादेशिक भाषाएं अपने-अपने प्रदेशों/राज्यों के जीवन-मूल्यों, रहन-सहन, खान-पान, जीवन-शैली और साहित्य की सांस्कृतिक धरोहर हैं । इन प्रादेशिक भाषाओं ने अपने-अपने माध्यम से भारतीय कौम के सांस्कृतिक चरित्र और राष्ट्रीयता को धारण और मुखर किया है । ये सभी भाषाएं देश को एक सूत्र में जोड़ने के लिए राजभाषा हिंदी को अक्षय और असीम ऊर्जा प्रदान करती है । लेकिन जब प्रदेश के दायरों से बाहर निकलकर राष्ट्र के एकरूप होने और एक संपर्क भाषा के रूप में काम करने की बात आती है तो राष्ट्रीय स्तर पर एक भाषा अर्थात राजभाषा की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है । भारत की यह संपर्क भाषा और राजभाषा है-हिंदी । हिंदी न केवल राजभाषा बल्कि एक सामासिक संस्कृति की वाहिका के रूप में विकसित हुई है । वह जन-जन के हृदय में अपना स्थान बनाने में भी सफल हुई है ।

भारत के संविधान के अनुच्छेद 351 में राजभाषा हिंदी को सामासिक संस्कृति के सभी तत्वों को अभिव्यक्ति का माध्यम बनने की संकल्पना की गई है । आज राजभाषा हिंदी को अपने स्वरूप को सार्वदेशिक स्वरूप निर्मित करते हुए भारतीय संस्कृति के सभी तत्वों का समावेश अपने में करना होगा। इस स्वरूप से राजभाषा हिंदी में शब्द लालित्य और उसके अर्थसौष्ठव में वृद्धि होगी जिनसे विभूषित होकर हिंदी का स्वरूप और सुन्दर लगेगा । राजभाषा हिंदी को यदि सार्वदेशिक बनना है तो उसमें अखिल भारत मुखरित होना चाहिए तथा विश्व भाषा बनने के लिए उसमें विश्व प्रतिबिंबित होना चाहिए ।

हिंदी भारत की राष्ट्रीय चेतना की संवाहिका है । हिंदी आम आदमी की भाषा तो है ही, उसने उद्योगजगत और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में भी अपने कदम मज़बूती से आगे बढ़ाए हैं । आज पूरे विश्व को यह महसूस होने लगा है कि अगर भारत से जुड़ना है, भारत के लोगों से जुड़ना है तो पहले हिंदी से जुड़ना होगा । हमारी समृद्ध प्रादेशिक भाषाएं जहाँ हमारे प्रदेशों की पहचान हैं वहीं हिंदी विश्व में हमारे देश की पहचान है । इसलिए यह हम सबके लिए बहुत ज़रूरी हो जाता है कि सब अपने देश की पहचान और अपने देश की अस्मिता राजभाषा हिंदी के विकास, उत्थान और प्रयोग में अपना अधिक से अधिक योगदान दें तथा राजभाषा हिंदी को अधिकाधिक मज़बूत करें ।

इन्हीं प्रयासों को परंपरा के रूप में निर्वाह करते हुए हम भाषाई पर्व के रूप में हिंदी दिवस और हिंदी पखवाड़ा मनाते आए हैं । इसी सिलसिले में हमारे स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय में इस वर्ष 14 सितंबर से 30 सितंबर, 2013 तक हिंदी पखवाड़ा मनाया जा रहा है । मुझे आशा ही नहीं अपितु पूरा विश्वास है कि मंत्रालय एवं उसके अधीनस्थ सभी कार्यालयों के अधिकारी और कर्मचारीगण अपने-अपने स्तर पर राजभाषा हिंदी का अपने कामकाज में अधिक से अधिक प्रयोग करेंगे और राजभाषा के प्रति अपने नैतिक तथा संवैधानिक दायित्वों का निर्वहन करेंगे । हमने इस दिशा में पहले ही बहुत सारे प्रयोग करने शुरू कर दिए हैं और भविष्य में भी इन्हें जारी रखेंगे । हिंदी दिवस एक संकल्प दिवस है । मुझे विश्वास है कि हिंदी दिवस के इस पावन सुअवसर पर हम पूरी प्रतिबद्धता और समर्पण भावना से अपना समूचा सरकारी दैनिक कार्य राजभाषा हिंदी में निष्पादित करने का संकल्प लें और भविष्य में अपना अधिकाधिक कार्यालयीन काम राजभाषा हिंदी में करना सुनिश्चित करें । इससे हिंदी राजभाषा, राष्ट्रभाषा तथा सम्पर्क भाषा तीनों दायित्वों का निर्वहन कर, अपने गंतव्य को प्राप्त कर सकेगी ।

(गुलाम नबी आज़ाद)
14 सितंबर, 2013

संपादकीय

हिंदी सहज, सरल और विश्वव्यापी भाषा है और इसके प्रचार-प्रसार के लिए पहले हम इस भाषा को मन से अपनाए और आगे अपना कामकाज हिंदी में करके इसके विकास के लिए अक्षुण्ण कोशिश करें। अतः कंपनी के कर्मचारियों को हिंदी में काम करने के लिए रुचि एवं आत्मविश्वास उत्पन्न कराने तथा प्रेरित कराने की ओर हम वैविध्यपूर्ण कार्यकलाप - हिंदी कार्यशाला, बोलचाल हिंदी क्लास, राजभाषा सेमिनार, हिंदी प्रतियोगिताएँ, वाक्-पटुता कार्यक्रम - लगातार आयोजित करते हैं। इसके अलावा अपने कर्मचारियों को अन्य गैर संस्थाओं के हिंदी कार्यक्रमों में प्रतिनियुक्त करके उनको हमेशा प्रोत्साहित करने में भी हम अतीव प्रमुखता देते हैं। इस प्रकार राजभाषा कार्यान्वयन में विभिन्न उपलब्धियाँ हासिल किए कंपनी का और एक पहल है एचएलएल की राजभाषा पत्रिका 'समन्वया', जिससे कंपनी के बृहत् कैनवास का रंगीन चित्र मिलेगा। प्रचलित वर्ष के विवरणों से समाहरित समन्वया का सत्रहवाँ अंक मैं अतीव खुशी के साथ आपके समक्ष पेश करता हूँ। पाठकों से मेरी कामना है, समन्वया को अधिक ज्ञानवर्धक और आकर्षक बनाने के लिए आप अपनी बहुमूल्य सुझाओं से हमें अनुगृहीत करें।

नव वर्ष की शुभकामनाओं के साथ,

पी.श्रीकुमार
कंपनी सचिव एवं उपाध्यक्ष(वित्त)

पाठकों की ओर से

दूरभाष 0364 - 2705180

भारत सरकार
गृह मंत्रालय
महानिदेशालय असम राइफल्स
एवं नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति
शिलांग - 793 010

क/1-क/25/107/हिंदी/2013/277

समन्वया के 16 वें अंक की प्राप्ति

महोदय,

1. उपरोक्त विषय पर कृपया दिनांक 30 मई 2013 के अपने पत्र संख्या एचएलएल/3-17(हि.प.)/2013 का संदर्भ ग्रहण करें।

2. आपके कार्यालय द्वारा प्रकाशित उपरोक्त पत्रिका हमें प्राप्त हुई, धन्यवाद। पत्रिका के आवरण पृष्ठ पर प्रदर्शित दादा के कन्धे पर पोते की तस्वीर बहुत ही आकर्षक है। इससे बुजुर्गों एवं नई पीढी के बीच के मजबूत बंधन का एहसास होता है। पत्रिका में प्रकाशित स्वास्थ्य संबंधी विविध जानकारियों से परिपूर्ण लेख आज के परिप्रेक्ष्य में अत्यन्त उपयोगी एवं सार्थक है तथा एक स्वस्थ समाज के निर्माण में अग्रणी भूमिका निभाने की क्षमता रखते हैं। एचएलएल की नई घटनाओं की झांकियाँ अत्यन्त प्रेरणादायी एवं सजीवता लिए हुए हैं।

3. मैं संपादक मंडल के सभी सदस्यों को पत्रिका के सफल प्रकाशन केलिए बधाई देता हूँ।

भवदीय

नृपेन्द्र सिंह
मेजर
जीएसओ - 1 (शिक्षा) एवं
सदस्य सचिव, नराकास,
कृते अध्यक्ष नराकास, शिलांग

दि न्यू इन्डिया एश्योरन्स कं. लि.
THE NEW INDIA ASSURANCE CO. LTD.
(पूर्णतया भारत सरकार के स्वामित्व के अधीन कम्पनी)
(A Wholly owned by Government of India)

दि न्यू इन्डिया एश्योरन्स कं.लि.
जुलाई 15, 2013

डॉ.वी.के.जयश्री
उप महा प्रबंधक (हिंदी)
एचएलएल लाइफ़केयर लिमिटेड
पूजपुरा, तिरुवनंतपुरम

महोदय,
समन्वया - अंक 16

'समन्वया' के अंक 16 की प्रति प्राप्त हुई। पत्रिका आकर्षक भी है और उपयोगी भी। हर पृष्ठ ज्ञानवर्धक है। 'पिंक' के गठन के बारे में छपी रिपोर्ट दर्शाती है कि एचएलएल महिलाओं के उत्थान के प्रति समर्पित है। 'एचएलएल महिला कंडोम' रचना स्त्रियों में सुरक्षित यौन संबंध के प्रति जागरूकता फैलाने के बाबत एचएलएल की प्रतिबद्धता का परिचायक है और यह जानकर अति प्रसन्नता हुई कि एचएलएल ने ही पहली बार बाजार में महिला कंडोम उतारा है। कुल मिलाकर 'समन्वया' निः संदेह विषय-विशेष पर केन्द्रित पूर्ण पत्रिका कही जा सकती है। यह भी एक महत्वपूर्ण वजह होगी देश के सर्वोच्च राजभाषा पुरस्कार 'इंदिरा गांधी राजभाषा पुरस्कार' में चयनित होने की । हमारी बधाई स्वीकारें तथा कुशल संपादन की मिसाल के रूप में आगामी अंक यूं ही निकालती रहें। शुभकामनाएं।

डॉ. अमीरीश सिन्हा
संपादक
'प्रेरणा'

दिनांक: 4.7.2013

आदरणीया डॉ. वी.के. जयश्री जी,
नमस्कार।
समन्वया का 16 वाँ अंक प्राप्त हुआ। धन्यवाद। समन्वया के माध्यम से एचएलएल की विभिन्न गतिविधियों की जानकारी प्राप्त हुई। इंदिरा गाँधी राजभाषा शील्ड प्राप्ति का चित्र भी देखा। बधाई, उपलब्धि को सतत बनाए रखें।

भवदीय

डॉ.माणिक मृगेश
पूर्व वरिष्ठ प्रबंधक (प्रशासन एवं कल्याण)
आई .ओ.सी.एल(गुजरात रिफाइनरी)
पूर्व सदस्य सचिव
ागर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (उपक्रम),
वडोदरा
प्रधान संपादकः हिंदी प्रभा, पश्चिमांचल हिंदी प्रचार समिति

കേരള ഹിന്ദി പ്രചാര സഭ, തിരുവനന്തപുരം
केरल हिन्दी प्रचार सभा, तिरुवनन्तपुरम
KERALA HINDI PRACHAR SABHA, THIRUVANANTHAPURAM
പിൻ: पिन: PIN: 695 014

प्रिय महोदया,

एच एल एल लाइफकेयर लिमिटेड की प्रतिष्ठित राजभाषा पत्रिका समन्वया का सोलहवाँ अंक प्राप्त हुआ। धन्यवाद। विषय के वैविध्य तथा पत्रिका का साज-सज्जा तथा पठनीय लेखों की प्रस्तुति उल्लेखनीय है। कार्यकलापों का विस्तृत ब्यौरा अत्यन्त उपयोगी है।

हार्दिक शुभकामनाओं के साथ,

प्रो.एन. माधवनकुट्टि नायर
मंत्री

एचएलएल
समन्वया

एचएलएल को आठवीं बार इंदिरा गाँधी राजभाषा पुरस्कार............ 09
एचएलएल उपलब्धियों के सोपानों पर.. 10
वैश्विक स्वास्थ्य सम्मेलन... 20
संघ स्वास्थ्य सचिव केशव देशीराजु एचएलएल के प्रांगण में........... 22
राजभाषा से जुडी रंगारंग कार्यकलाप.. 24
एचएलएल को प्राप्त पुरस्कार.. 28
राजभाषा सेमिनार में प्रस्तुत लेख... 30
प्रापण प्रबंधन पर अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण.. 33
एचएलएल का उत्कृष्ट निष्पादन - प्रदत्त लाभांश रु. 387............. 34
अफ्रिका में एचएलएल का स्वास्थ्यरक्षा परिवर्तन......................... 35
महिला फोरम - पिंक सक्रिय पथ पर 36
हार्दिक बधाइयाँ.. 37
एचएलएल का रिक्रियेशन क्लब हॉल -'सर्गम'........................... 38
एचएलएल- रिक्रियेशन क्लब.. 40
अखबारों में एक नज़र.. 42
पुरस्कार वितरण पर एक झलक.. 44
हिंदी कार्यशाला की झाँकियाँ... 46

समन्वया संपादक मंडल
संरक्षक डॉ.एम. अय्यप्पन, अध्यक्ष एवं प्रबंधक निदेशक, **संपादक** श्री पी. श्रीकुमार, कंपनी सचिव एवं उपाध्यक्ष (वित्ता) , **सहायक** श्री राजेश.टी.दिवाकरन, उप महा प्रबंधक (कॉर्पोरेट संचार), डॉ.वी.के.जयश्री, उप महा प्रबंधक (हिंदी), डॉ. सुरेष कुमार. आर , हिंदी अधिकारी **डिजाइनिंग** साईकिल वर्क्स, तिरुवनंतपुरम, **संपादकीय सहायक** आशा.एम, शालिनी.एस.एस, मीना.एम.वी, लीना.एल **मुद्रक** फाइव स्टार ऑफसेट प्रिटेर्स, कोचिन।
समन्वया में प्रकाशित लेखों में निहित विचार लेखकों के अपने है, इससे एचएलएल लाइफ़केयर का कोई संबंध नहीं है।
एचएलएल लाइफकेयर लिमिटेड, निगमित एवं पंजीकृत कार्यालय, पूजप्पुरा, तिरुवनंतपुरम - 695 012, केरल,
दूरभाषः 2354949 वेब : www.lifecarehll.com फैक्सः 0471-2358890
अंक - 17 दिसंबर 2013
संपादित एवं प्रकाशितः एचएलएल पब्लिकेशन, एचएलएल लाइफ़केयर लिमिटेड (केवल मुफ्त परिचालनार्थ)

एचएलएल को आठवीं बार
इंदिरा गाँधी राजभाषा पुरस्कार

एचएलएल लाइफ़केयर लिमिटेड राजभाषा के सर्वोत्तम पुरस्कार – 'इंदिरा गाँधी राजभाषा एवार्ड' के लिए आठवीं बार हकदार बन गयी। 'ग' क्षेत्र में स्थित केंद्र सरकारी सार्वजनिक उपक्रमों के राजभाषा कार्यान्वयन के सर्वोत्कृष्ट निष्पादन के सिलसिले में कंपनी को राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा लगाए गए प्रथम पुरस्कार के लिए चुन लिए गए। पहला स्थान एचएलएल को दूसरी बार मिलता है। कंपनी के हिंदी कार्यान्वयन के क्षेत्र में यह एक मील पत्थर है। 14 सितंबर, 2013 को नई दिल्ली के विज्ञान भवन के प्लेनरी हॉल में संपन्न हिंदी दिवस समारोह के दौरान भारत के सम्माननीय राष्ट्रपति श्री प्रणाब मुखर्जी ने इंदिरा गाँधी राजभाषा शील्ड एचएलएल के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक डॉ.एम.अय्यप्पन को प्रदान किया। इस अवसर पर गृह राज्य मंत्री श्री मुल्लप्पल्ली रामचंद्रन, गृह राज्य मंत्री श्री आर.पी.एन.सिंह, राजभाषा विभाग के सचिव श्री अरुण कुमार जैन आई पी एस और संयुक्त सचिव सुश्री पूनम जुनेजा भी उपस्थिति थे।

हिंदी कार्यान्वयन में अतीव प्रमुखता देने के परिणाम स्वरूप कंपनी हर साल इंदिरा गाँधी राजभाषा पुरस्कार स्वायत्त करती है। राजभाषा नीति के सख्त अनुपालन करने के साथ-साथ हम कंपनी के कर्मचारियों और उनके परिवारवालों के मन में हिंदी का परिवेश लाने को लक्ष्य कर बहिरंगी कार्यक्रम लगातार आयोजित किए जा रहे हैं। इन में "रोज़ एक शब्द पढिए" स्मरण परीक्षा, बोल-चाल हिंदी क्लास, हिंदी सिनेमा सीडियों का वितरण, डेस्क ट्रेनिंग आदि प्रमुख हैं। इसके अलावा राजभाषा सेमिनार, पदनामवार प्रशिक्षण कार्यक्रम, हिंदी प्रतियोगिताएँ, अनुभागवार बैठक, हिंदी फोरम बैठक आदि भी आयोजित करते हैं। आगे अपने कर्मचारियों एवं उनके बच्चों की कलाभिरुचि को बढ़ावा देने को लक्ष्य कर हिंदी म्यूज़िक नाइट, हिंदी मेला जैसे रंगीला कार्यक्रम चलाए जाते हैं। इन सभी कार्यक्रमों का प्रतिबिंब हमारी राजभाषा पत्रिका 'समन्वया', गृह पत्रिका 'दि फैमिली', कॉर्पोरेट न्यूज़ फोटो, न्यूज़ लेटर मोमेंट्स, मातृज्योति, अनमोल-ए एफ टी बुल्लेटिन से हम दूसरों तक प्रेषित करते हैं। इस प्रकार के वैविध्यपूर्ण कार्यकलापों का परिणाम है कंपनी को प्राप्त ऐसी उपलब्धियाँ।

कवर स्टोरी

एचएलएल उपलब्धियों के सोपानों पर

एचएलएल के दौत्य में नवजात शिशु संरक्षण भी

“नवजात शिशुओं की स्वास्थ्य रक्षा सुनिश्चित करने और नवजात शिशु मृत्यु दर कम करने की ओर केरल के अस्पतालों में विशेष नवजात रक्षा यूनिट प्रारंभ करने की एक योजना तैयार करना इसका लक्ष्य है।”

देश केनवजातशिशुओंकी स्वास्थ्यरक्षा को प्रमुखता देकर एचएलएल द्वारा तिरुवनंतपुरम में तैकाड के महिलाओं एवं बच्चों के अस्पताल में प्रारंभित नवजात शिशु संरक्षण यूनिट का उद्घाटन 26 अप्रैल 2013 को केरल के स्वास्थ्य - देवस्वम मंत्री श्री वी.एस. शिवकुमार ने किया। राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन (एनआरएचएम) केलिए एचएलएल ने इस दौत्य को लागू किया।

देश के 50 प्रतिशत से अधिक प्रसव अब भी घरों के दयनीय वातावरण में ही होता है। अधिकांश महिलाओं को आवश्यक प्रसव रक्षा भी नहीं मिलता है। स्तनपान आदि प्रचार कार्यकलापों को आदर सम्मान करके विश्व स्वास्थ्य संगठन और बच्चों की संयुक्त राष्ट्र निधि द्वारा हाल में केरल को विश्व का पहला शिशु मैत्रीपूर्ण राज्य के रूप में चुन लिया गया। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर हमारा राज्य इस क्षेत्र में उपलब्धियाँ हासिल करने पर भी केरल की शिशु मृत्यु दर 12 प्रतिशत और नवजात शिशु मृत्यु दर 7 प्रतिशत है।

इस समस्या का सामना करने केलिए और शिशु दर 12 से 9 की ओर कम करने केलिए नवजात शिशुओं की रक्षा केलिए प्रत्येक आधारभूत सुविधायें विकसित करनी है। इस अवसर पर नवजात शिशुओं की स्वास्थ्य रक्षा सुनिश्चित करने और नवजात शिशु मृत्यु दर कम करने की ओर केरल के अस्पतालों में विशेष नवजात रक्षा यूनिट प्रारंभ करने की एक योजना राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य परिषद् (एन आर एच एम) ने तैयार की है।

अस्पताल के प्रसव कक्षा के पास सज्जित नवजात रक्षा यूनिट एक विशेष नवजात रक्षा यूनिट (एसएनसीवी) है। वेंटिलेटर की सुविधा या बडी शल्यक्रिया को छोडकर अन्य आपातकालीन आवश्यकतायें माँगनेवाले नवजात शिशुओं की रक्षा और चिकित्सा इसका लक्ष्य है। जन्म समय और प्रसवानंतर शिशुओं केलिए आवश्यक सभी प्रकार की सेवाएं और रक्षा एसएनसीयु प्रदान करता है। बीमारी से जन्म लेने वाले शिशु उच्च जोखिम की संभावना से हुए प्रसव के शिशु प्रतिरोध चिकित्सा सुविधायें भी एसएनसीयु सुनिश्चित करता है।

नवजात शिशु मृत्यु दर का 25-30 प्रतिशत भारत मे हैं। इन में अधिकांश मृत्यु जन्म के 28 दिनों के अंतर होती हैं। सामाजिक प्रतिबद्धता रखनेवाली एक संस्था के रूप में नवजात शिशु मृत्यु दर कम करने के प्रयास में भाग लेने के एचएलएल के निर्णय के अनुसार राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन (एनआरएचएम) की अनुमति से केरल के विविध अस्पतालों में एचएलएल टीम ने अध्ययन किया। बाद नें केरल के 12 अस्पतालों में अत्याधुनिक सुविधाओं वाली विशेष नवजात रक्षा यूनिटों के निर्माण करने का कार्य भी एनआरएचएम ने एचएलएल को सौंप दिया।

120 दिनों के अंतर सिविल, इलैक्ट्रिकल, मेकानिकल कार्य सहित सभी कार्य पूरा करके तिरुवनंतपुरम, तैकाड के महिलाएं एवं शिशु अस्पताल में पहला केंद्र प्रारंभित किया गया। शेष 11 केंद्र मई महीने के अंत में पूरे होंगे। युनिसेफ (बच्चों की संयुक्त राष्ट्र निधि) और इण्ड्यन सार्वजनिक स्वास्थ्य मानक के मानदंडों का पालन करके इन केंद्रों का निर्माण किया गया है।

पृथ्वी में जन्म लेनेवाले हरेक शिशु को बढने और स्वास्थ रूप में जीने का अधिकार है। स्वास्थ्य बच्चे ही हरेक पीढी को संपुष्ट करते हैं। इस कारण से विकसित राष्ट्र नवजात शिशु जन्म दर कम कराने के कार्य अतीव तत्परता से लागू करते हैं। एचएलएल के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक डॉ.एम.अय्यप्पन की राय में एचएलएल का लक्ष्य भी यही है। तिरुवनंतपुरम श्री अविटम तिरुनाल अस्पताल, कोल्लम विक्टोरिया अस्पताल, कोट्टयम जिला अस्पताल, कोट्टयम मेडिकल कॉलेज अस्पताल , वंडानम मेडिकल कॉलेज, एर्णाकुलम जनरल अस्पताल, तृश्शूर जिला अस्पताल, कालिकट, पालकाड, आलप्पुषा जिले के महिलाओं एवं शिशु अस्पताल, मंजेरी जनरल अस्पताल आदि में अन्य विशेष नवजात रक्षा केंद्र जल्दी ही प्रारंभ होंगे।

एचएलएल और फार्मानोवा के बीच साझेदारी

श्री धनंजय त्रिपाठी, मुख्य कार्यपालक फार्मानोवा कहते हैं “ हमें अफ्रीका को बेहतर स्वास्थ्य सेवा लाने केलिए एक नेक काम केलिए एचएलएल के साथ साझेदार होने पर हमें गर्व है। एच एल एल घाना के विभिन्न भागों में एचएलएल के उत्पादों के वितरण करने केलिए दिसंबर 2012 से फार्मानोवा के साथ टाय-अप किया था।

फार्मानोवा लिमिटेड, घाना, अफ्रीका की एक कंपनी है, अत्यधिक प्रभावी और यथोचित मूल्य के दवा के विकास के माध्यम से विश्व श्रेणी फार्मस्यूटिकल उत्पादों के निर्माण और वितरण पर ध्यान देता है, जो मानव आजीविका में प्रभावी वृद्धि करने में मदद करता है।

फार्मानोवा, समय के साथ फार्मस्यूटिकल विनिर्माण और वितरण में घाना में आगे बन गया है। उनको गुणवत्तावाले फार्मस्यूटिकल डोसेज फॉम के विनिर्माण करने और विकसित करने केलिए अनुभव, प्रौद्योगिकी और विशेषज्ञता है। मुख्य कार्यपालक श्री धनंजय त्रिपाठी, पेशे से फार्मासिस्ट और नाम से उद्यमी है। नवान्वेष और परिणामोन्मुखी होने के नाते अच्छे पहल और प्राथमिकता की भावना के साथ वह एक प्रतिभाशाली टीम लीडर है। भारत और घाना में विभिन्न फार्मस्यूटिकल प्रतिष्ठानों में नैतिक उत्पादों के उत्पादन में मुख्य रूप से काम करके श्री त्रिपाठी को फार्मस्यूटिकल उत्पादों के निर्माण में अपार अनुभव है। वर्षांत में, घाना बाज़ार में कंपनी के मार्कट शेयर की स्थिर वृद्धि पर है। फार्मानोवा घाना बाज़ार तक ही सीमित नहीं है।

2011 से वे पश्चिम अफ्रीका के उप क्षेत्र में अपने रास्ता बढाया है । एक कंपनी के रूप में फार्मानोवा के दूरदर्शिता व्यावसायिक नैतिकता और ग्राहक सेवा में उच्चतम मानकों को निर्धारित करके, घाना में और उप क्षेत्रों में सबसे महत्वपूर्ण फार्मस्यूटिकल प्रतिष्ठान बन जाना कंपनी का मुख्य उद्देश्य रहा है पश्चिम अफ्रीका के उप क्षेत्र में घानियन और व्यक्तियों को सस्ती, जीवन रक्षक दवाओं के सफल वितरण करना ।

सहेली गोली

एचएलएल लाइफ़केयर लिमिटेड ने भारत में स्वावलंबी महिलाओं केलिए श्रद्धांजलि के रूप में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर ई वाणिज्य पोर्टल में दुनिया का पहला नॉन-स्टिरोइडल मौखिक गर्भनिरोधक गोली सहेली लॉच किया। इस प्रकार भारतीय महिलाओं को इंडियाट ईम्स, होमशॉप 18, हेल्थशॉप, इंडयाप्लासा, ईबे, हेल्थकार्ट, हेल्थजीनी और सिलोरी जैसे पोर्टलों पर प्रतिवर्ती गर्भनिरोधक केलिए देश की आश्चर्य गोली अब आसानी से उपयोग कर सकते हैं। एचएलएल के अध्यक्ष एवं प्रबंधक निदेशक डॉ. एम. अय्यप्पन ने कहा “ यह महिलाओं की स्वतंत्रता की निशान है । वे घर या कार्यस्थलों में सुरक्षित या प्रतिवर्ती गर्भनिरोधन केलिए अपनी सुविधा के अनुसार सही विकल्प बना सकती हैं।”

सहेली दुष्प्रभाव नॉन-स्टिरोइडल गोली, जो हफ्ते में एक गोली की खुराक से गर्भनिरोध का सबसे आसान और सुरक्षित मोड के रूप में माना जाता है। यह गर्भनिरोधक कैंसर के खतरे को कम करता है, माताओं के स्वास्थ्य सुधारता है और क्रैम्प कम करने में प्रभाावी है। एचएलएल भारत में महिला इंटरनेट उपयोगकर्ताओं की बडी संख्या को लक्षित किया जाएगा। नवीनतम आंकडों के अनुसार, कुल 112 मिल्यन इंटरनेट उपयोगकर्ताओं के 40 % 25 वर्ष की आयु की कामकाजी और गैर कामकाजी महिलाएं हैं। “सहेली महिलाओं की आज़ादी मानी जाती है, जो गर्भधारण की दूरी चुनते हैं और अपने बच्चों केलिए सबसे अच्छा सुनिश्चित करते हैं। यह असुरक्षित गर्भपात की पीडा से युव महिलाओं को बचाती है।" अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक ने जोडा। 1991 में एचएलएल लाइफ़केयर लिमिटेड द्वारा लॉच की गयी सहेली, पहली स्वदेशी अणु (सेन्टक्रोमैन) के रूप में केन्द्रीय औषध अनुसंधान संस्थान द्वारा विकसित किया गया था। यह महिलाओं के स्वास्थ्य और समानता केलिए विकसित है। कंपनी वर्षों से देश भर की महिलाओं केलिए उपलब्ध जन्म नियंत्रण बनाने में सबसे आगे हैं। सहेली अनचाहे गर्भावस्था, किशोर के बीच जन्म दर, गर्भपात दर और गर्भपात की जरूरत पर नियंत्रण करेगी । महिलाएं यह जन्म नियंत्रण उपाय अपनाने से उच्च शिक्षा, कैरियर और परिवार हासिल कर सकती हैं।

नया सर्जिकल स्यूचर संयंत्र

स्वास्थ्यरक्षा क्षेत्र में अग्रसर बन जाने के उद्देश्य से एचएलएल लाइफ़केयर लिमिटेड ने वर्ष 2000 को तिरुवनंतपुरम की आक्कुलम फैक्टरी में 1.25 लाख दर्जनों की संस्थापित क्षमता वाले एक सर्जिकल स्यूचर संयंत्र कमीशन किया । सर्जिकल स्यूचर बाज़ार में प्रमुख स्थान तथा संस्था बन जाने के दृढ निश्चय के साथ एचएलएल ने 6.00 लाख दर्जनों की संस्थापित क्षमता के साथ अत्याधुनिक सर्जिकल स्यूचर संयंत्र स्थापित किया । श्री केशव देशीराजु, सचिव, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा 12 अगस्त, 2013 को इस सुविधा के उद्घाटन किये गये ।

इस नये संयंत्र से अवशोष्य तथा सिंथेटिक स्यूचरों के विविध रूप भेदों का उत्पादन किया जा सकता है । यहाँ क्लास 100 वर्कस्टेशन सहित 250 स्क्वयर मीटर का क्लास 10000 क्लीन रूम है । यह संयंत्र सापेक्षिक आर्द्रता के निरंतर कम स्तर अपेक्षित सर्जिकल स्यूचर उत्पादों को संभालने के लिए सज्जित किया गया है और इस आवश्यकता को पूरा करने के लिए एच वी ए सी प्रणाली को अभिकल्पित किया गया है । इस नये संयंत्र के कमीशनिंग से विविध चिकित्सा विशेषताओं के लिए आवश्यक सर्जिकल स्यूचेर्स प्रदान करने के लिए एचएलएल सक्षम है ।

हाइकेयर लिमो

स्वास्थ्य रक्षा सेवाओं की अपनी बढ़ती पोर्टफोलियो में एक महत्वपूर्ण उत्पाद जोडकर, एचएलएल लाइफ़केयर लिमिटेड (एचएलएल) ने हाइकेयर लिमो नामित एक नवीन ओर्थोपीडिक उपाय का लांच किया है। यह सस्ती उपाय पूर्व अस्पताल रक्षा के लिए घावग्रस्त रोगियों में घायल अंगों को अस्थायी रूप से स्थिर कर सकता है। निश्चित देखभाल देने तक यह सरल, डिस्पोसबिल और लागत प्रभावी उपाय, छः घण्टे तक मरीज के निचले अंगों को स्थिर करते हैं । प्रो.के.विजयराघवन, सचिव,बायो-तकनॉलजी विभाग, विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय और एचएलएल के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, डॉ.एम.अय्यप्पन की उपस्थिति में नई दिल्ली में जुलाई 29, 2013 को हाइकेयर लिमो का अनावरण किया गया। इस अवसर पर प्रो.आर.के. षेवगोनकर, निदेशक, आई आई टी-दिल्ली और डॉ.भान, पूर्व सचिव, बीबीटी भी उपस्थित थे।

कम लागत डिस्पोसबिल और पर्यावरण अनुकूल लिम्ब स्थिरीकरण उपाय को ऑल इंडिया इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल सयन्सस (एआईआईएमएस), नई दिल्ली में बायो-तकनॉलजी विभाग,भारत सरकार द्वारा प्रोन्नमित एक कंपनी, बायोटेक कन्सोर्टियम इंडिया लिमिटेड (बी सी आई एल) द्वारा विकसित किया गया है।

लिम्ब इम्मोबिलाइज़र, विविध स्थानों में हड्डियों को स्थिर करने की ओर विविध लेग गेर्त साइज़स, हिप समर्थन सेक्शन और मल्टिपिल बेल्ट्स के उत्तम कैप्सूलीकरण के लिए बहु क्रीसस के साथ कार्डबोर्ड से बनाया हुआ है। यह उत्तम रैपिंग प्रभाव के साथ दाएं/बाएं लिम्ब के लिए एकल फ्री-साइज़ उपाय है और उसके अनन्य स्ट्रापिंग मेकानिसम लिम्बों को छः घण्टे के लिए स्थिर करता है।

प्रो.के.विजयराघवन ने कहा 'यह संक्रमणकालीन विज्ञान का उदाहरण है जिसमें नवीन उत्पादों के विकास के लिए इंजीनियरिंग के साथ वैज्ञानिक ज्ञान शामिल है जो घावग्रस्त रोगियों के लिए लाभ होगा।

देश में सड़क दुर्घटनाओं के कारण प्रति घण्टे 14 मृत्यु आकलन कर रहे डब्लियु एच ओ के हाल ही के अध्ययन के अनुसार विश्व में भारत में सडक दुर्घटनाओं की संख्या सबसे ज्यादा है। सडक दुर्घटनाओं से जुडे अधिकांश सामान्य चोट, डिस्लोकेशन, फ्राक्चेर्स, ब्लन्ट के कारण स्प्रेइन, तीव्र या क्रश प्रकार के चोट हैं। डॉ.एम.अय्यप्पन ने सूचित किया, ' प्रमुख जटिलताओं को रोकने की ओर, चिकित्सा सेवा के लिए रोगी प्रतीक्षा करते समय, पूर्व-अस्पताल संरक्षा के प्रथम 4 से 6 घण्टे में सभी संधि, हड्डी और मांस-पेशियों की चोट के इलाज करना, सबसे महत्वपूर्ण कार्य है।'

एचएलएल के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक ने कहा, 'ऐसे परिदृश्य में इस उपाय को सडक दुर्घटनाओं में बहुत अधिक जीवन की रक्षा और विपत्तियों की संख्या को नियंत्रित करने की क्षमता है। यह घावग्रस्त रोगियों को नियत रक्षा प्राप्त करने के पहले उनके घायल निचले अंगों को अस्थायी रूप से स्थिर करने का एक बेहतर तरीका है।' उन्होंने जोडा कि यह उत्पाद लागत प्रभावी तरीके में आवश्यक भारतीय नैदानिक ज़रूरत की पता करने के लिए परिकल्पित किया जाता है।

सस्ती चिकित्सा उपचार केलिए ओडीषा में नया लैब

एचएलएल के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक डॉ. एम. अय्यप्पन ने 24 अगस्त 2013 को नई दिल्ली में आयोजित एक प्रेस सम्मेलन में बताया कि एचएलएल लाइफ़केयर लिमिटेड स्वास्थ्य रक्षा सेवा प्रभाग ओडीषा में भी अनिवार्य औषध, चिकित्सा उपाय और नैदानिक सेवाएं 60% तक छूट करके उपलब्ध कराने का कार्यकलाप बढाने का प्रयास कर रहा है।

एचएलएल ने हिंदलैब और लाइफ़केयर केंद्र प्रारंभ करने केलिए स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, उडीषा सरकार के साथ समझौता ज्ञापन में हस्ताक्षर किया, अनोखा पहल के फलस्वरूप खुले बाज़ार में भी कीमती में कमी हुई। समझौता ज्ञापन के अधीन, लाइफकेयर केंद्र(एलसीसी) एकीकृत मेडिकल रिटेल आउटलेट पहले से ही तीन मेडिकल कॉलेज आस्पतालों -श्रीरामचन्द्रा भनच मेडिकल कॉलेज, कटक, वीर सुरेंद्र साई मेडिकल कॉलेज, बुर्ला और महाराज कृष्ण चन्द्र गजपति मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल बेरहामपुर में कामकाज प्रारंभ किये गये। एचएलएल, अस्पतालों के आसपास के जिलों में रोगियों को आवश्यक सेवा प्रदान करने केलिए 1.5 टेस्ला एमआरआई स्कैन मशीनों के साथ दो हिंद लैब प्रारंभ करने की प्रक्रिया में है।

एचएलएल और ओडीषा सरकार ने आंतरिक जिलों में प्राइवेट ऑपरेटरों के द्वारा वंचित होने से बचाने केलिए सभी जिला मुख्यालयों में नैदानिक केंद्रों (हिंदलैब) प्रारंभ करने केलिए एक और समझौते पर हस्ताक्षर किया। दोनों पक्ष के लोगों को टीमअप करके सस्ती स्वास्थ्य रक्षा सुनिश्चित करने केलिए और एक पहल आचार्य हरिहर रीजनल कैंसर सेंटर (एएचआरसीसी), कटक में बिल्डिंग सहित लीनियर एक्सीलेटर प्रारंभ किया गया।

एचएलएल के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक डॉ. एम. अय्यप्पन ने कहा "हम हिंदलैब और लाइफकेयर केंद्रों के माध्यम से, विश्वसनीय, सस्ती और तीन गुणवत्ता स्वास्थ्यरक्षा आवश्यक लोगों को गुणवत्ता के समाधान देने केलिए प्रतिबद्ध हैं।" अध्यक्ष ने कहा "हमारे लाइफकेयर केंद्र में, हम सभी प्रकार के दवाओं, सर्जिकल, डिस्पोजेबल, इम्प्लान्टस, स्टेंट्स और पेसमेकर एमआरपी से 10%-60% छूट के साथ प्रदान कर रहे हैं। इस बहुत बडा डिस्कउंड के अलावा, इन केंद्रों में स्थानीय लोगों केलिए रोज़गार का अवसर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। हम जिल्लों में हिंदलैब केलिए रेडियोलॉजिस्ट, पैथोलॉजिस्ट, रेडियोग्राफर, लैब तकनीशियन और अन्य कुशल कर्मचारियों की भर्ती की प्रक्रिया भी कर रहे हैं।

एचएलएल पैक्स मूड्स वेरियंट में 1500 प्लेशर डॉट्स

अनोखा प्रकार के मूड्स कंडोम, मूड्स 1500 डॉट्स, अब बाजार में उत्तेजित और खुशी बढ़ाने केलिए विशेष रूप से डिजाइन डॉट्स के साथ है। मूड्स 1500 डॉट्स, सामान्य डॉटेड की तुलना में पाँच गुना अधिक डॉट्स के साथ है, जिसके परिणामस्वरूप घर्षण पांच गुना अधिक है।

इस विशेष प्रकार के मूड्स कंडोम चेन्नै, दिल्ली, कोलकत्ता, बेंगलुरू, लखनऊ, जयपूर, कोयंबत्तूर, भुवनेश्वर, अहमदाबाद, सूरत, इंदौर और भोपाल जैसे टियर 1 शहरों में और प्रमुख महानगरों क्रमशः आईएनआर 40 और 100 केलिए 3 और 12 के पैकों में उपलब्ध है।

एचएलएल द्वारा विनिर्मित मूड्स एक प्रेरक के रूप में रखा जाता है, वह संतोषजनक और मज़बूत रिश्तों को मदद करती है। मूड्स के सुखद संरक्षण अपने साथियों के साथ रोमांचक नकटता सुनिश्चित करके सफल और संतोषजनक सेक्स लाइफ केलिए अपने उपभोक्ताओं को सेक्स विश्वास वादा करता है।

मूड्स अपने उपभोक्ताओं को कनेक्ट करने केलिए हर (टच पोइन्ट स्पर्श बिंदु का उपयोग करता है। ब्रांड वेबसाइट www.mood-splanet.com नए उत्पादों और भविष्य लॉच के बारे में जानकारी का प्रसार करने केलिए कार्य करता है। कंडोम की खरीदी केलिए शर्मीली को वेबसाइट ऑनलाइन खरीदी प्रदान करती हैं।

हाईकेयर सी एक्स

जयपुर, राजस्थान में 23-25 नवंबर, 2012 तक आयोजित इण्डयन सोसाइटी ऑफ ट्रान्स्फ्यूशन मेडिसिन के प्रथम वार्षिक सम्मेलन में एच एल एल के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक डॉ.एम.अय्यप्पन ने स्वचालित रक्त घटक एक्सट्रैक्टर-हाईकेयर-सी एक्स और ल्यूकोसैट रिडक्शन फिल्टर बैग लॉच मशीन-हाईकेयर-सीएक्स और ल्यूकोसैट रिडक्शन फिल्ट किया। इस सम्मेलन में देश र बैगों की प्रशंसा की ओर इसको स्वीकार भी किया । इस भर के करीब 600 रक्ताधान सम्मेलन में उत्पाद प्रदर्शन के सिवाय इम्म्यूनोहेमाटोलजी प्रयासों वृत्तिकों ने भाग लिया । सम्मेलन में परिवर्तन, पूर्व आधान जाँच की मूल बातें, कॉम्पोनेन्ट थेरापी, के भागीदारों ने एचएलएल के स्वैच्छिक रक्तदान आदि विषयों पर आधारित वैज्ञानिक सत्र भी था ।

कंडोम विनिर्माण के लिए नया पहल

वास्तव में परिवर्तन अद्भुत है और एक कंपनी के लिए यह सब स्वाभाविक है, जो अपने प्रोफाइल में उर्ध्व ग्राफ खींच रही है। एचएलएल लाइफ़केयर लिमिटेड (एचएलएल) गर्भनिरोधक के अग्रणी विनिर्माता के रूप में अपने पहले की स्थिति से वैश्विक स्वास्थ्य रक्षा सुपुर्दगी कंपनी के रूप में स्वयं को परिवर्तित कर रहा है। कोई आश्चर्य नहीं, यह आज एक गर्भनिरोधक कंपनी से स्वास्थ्य रक्षा सुपुर्दगी कंपनी के रूप में परिवर्तित हुई है। एचएलएल के उत्पाद और स्वास्थ्य रक्षा सेवाओं की बढ़ती पोर्टफोलियो प्रभावशाली एवं बहु पहलू दोनों हैं। प्रक्रिया में इसने परिस्थिति की और पर्यावरण के लिए अपनी चिंता कभी नहीं खोई है। इसके प्रमाण के रूप में, कंपनी ने अपनी पेरूरकड़ा फैक्टरी, तिरुवनंतपुरम में एलएनजी भण्डारण और रि-गैसिफिकेशन सुविधा स्थापित करने के लिए पेट्रोनेट एलएनजी लिमिटेड के साथ समझौता की है। यह पाँच वर्ष एचएलएल को आठ टन लिक्विफाइड प्राकृतिक गैस (एलएनजी) की दैनिक आपूर्ति के रख-रखाव के लिए पेट्रोनेट प्रतिबद्ध है। एलएनजी पेरूरकड़ा फैक्ट री में स्टीम जेनरेशन के लिए उपयोग किया जाएगा, जो अब बॉइलर्स में प्रतिदिन करीब 10 एम टी फर्नस ऑयिल खपत करता है।

इस प्रभाव के लिए समझौता, 27 मई 2013 को एचएलएल के डॉ.एम.अय्यप्पन, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक और श्री ए.के.बल्याण, प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यपालक, पेट्रोनेट एलएनजी केरल के मुख्य मंत्री श्री उम्मन चांडी की उपस्थिति में हस्ताक्षरित किया गया। इस अवसर पर श्री ई.के. भरत भूषण, मुख्य सचिव और अन्य विशिष्ट व्यक्तियाँ भी उपस्थित थे।केरल में यह समझौता इस तरह का पहला है। राज्य में पेट्रोनेट एलएनजी के सीधा उपभोक्ता, एचएलएल है। यह प्राकृतिक गैस में प्राप्त, भण्डारण और बाष्पीकृत एलएनजी के लिए अपने परिसर में एक छोटे भंडारण टैंक और रि-गैसिफिकेशन सुविधा संस्थापित की जाएगी।

समझौता, जनवरी 2014 से एचएलएल फैक्टरी, पेरूरकड़ा, तिरुवनंतपुरम को पेट्रोनेट टर्मिनल, कोच्चि से रोड़ टैंकर्स द्वारा गैस की आपूर्ति के लिए है। पहल की सराहना करते हुए, मुख्यमंत्री ने कहा एचएलएल ने अपनी सुविधा में एलएनजी की ओर जाने के लिए एक और अग्रणी उदाहरण का संस्थापन किया है। उन्होंने बताया 'सरकार भी एलएनजी के उपयोग करने के लिए हमारे राज्य के सार्वजनिक उपक्रमों को सक्षम बनाने की ओर विकल्पों की तलाश करेंगे जो केरल के लिए बेहतर विकल्प होगा। ' कोच्चि में पेट्रोनेट एलएनजी टर्मिनल इस वर्ष में कमीशन किए जाने के लिए प्रस्ताव किया जाता है। समझौते को 'पथ तोडने'के रूप में परिभाषित करके डॉ.अय्यप्पन ने कहा, एलएनजी एक साफ एवं सुरक्षित इंधन है। उन्होंने नोट कर लिया' कि पेट्रोनेट के साथ समझौता ऊर्जा कमी को दूर करने के लिए एक और अभिनव तरीका है जो हमारे ऊर्जा प्रयासों के लिए एक बडा धक्का भी देंगे।'

एचएलएल ने एलएनजी खरीदने के लिए तत्परता व्यक्त करते हुए वर्ष 2011 में पेट्रोनेट के साथ एक प्रारंभिक समझौता हस्ताक्षरित किया था ।

डॉ. एम. अय्यप्पन, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, एचएलएल और श्री ए.के. बाल्यन, प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यपालक, पेट्रोनेट एलएनजी, केरल के मुख्य मंत्री श्री उम्मन चांडी की उपस्थिति में एलएनजी भंडारण और पुनः गैसीकरण सुविधा संस्थापित करने के समझौते में हस्ताक्षर करते हैं।

डॉ. एम. अय्यप्पन, अध्यक्ष - एचएलएल बायोटेक लिमिटेड और सुश्री महिमा दत्तला , प्रबंध निदेशक - बायोलॉजिकल ई लिमिटेड, श्री केशव देशीराजु, आई ए एस, सचिव (स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय), भारत सरकार की उपस्थिति में हेप्पटाइटिस बी वैक्सीन के प्रौद्योगिकी सहयोग केलिए हस्ताक्षरित समझौते का विनिमय करते हैं।

वैक्सिनों के विनिर्माण के लिए एच बी एल-बीई साझेदारी

एचएलएल लाइफ़केयर लिमिटेड (एचएलएल) के समनुषंगी एचएलएल बायोटेक लिमिटेड(एच बी एल) ने दो वैक्सीनों यानी लिक्विड पेंटावैलेंट (डी पी टी-हेपटैटिस बी - हिब) वैक्सीन और हेपटैटिस बी वैक्सीन के लिए बायोलेजिकल ई लिमिटेड (बी ई), हैदराबाद के साथ दीर्घकालीन समझौता में प्रवेश किया है। समझौता के अधीन, बी ई, हेपटैटिस बी वैक्सीन के लिए प्रौद्योगिकी के बडे पैमाने पर अंतरण आयोजित करेगा जो फास्ट-ट्रैक तरीके पर एकीकृत वैक्सीन कॉम्प्लेक्स (आई वी सी), चेंगलपेट्टु में वैक्सीन के विनिर्माण करने के लिए एच बी एल को मदद करेगा। सहयोग के अन्य क्षेत्र लिक्विड पेंटावैलेंट वैक्सीन के क्षेत्र में है। बी ई, एच बी एल को आई वी सी में पेंटावैलेंट वैक्सीन भरकर पैक करने के लिए बल्क रूप से आपूर्ति करेगी जिसके द्वारा एच बी एल निकट भविष्य में पेंटावैलेंट वैक्सीन के साथ मार्किट में प्रवेश करने के लिए सक्षम बन जाएगा।

श्री केशव देशीराजु, सम्माननीय सचिव, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार की उपस्थिति में निर्माण भवन, नई दिल्ली में डॉ. एम.अय्यप्पन, अध्यक्ष, एच बी एल और श्री नरेंदर देव मंतेना, वरिष्ठ उपाध्यक्ष, बी ई के बीच में समझौता का हस्ताक्षर किया गया।

डॉ.एम.अय्यप्पन, अध्यक्ष, एच बी एल ने कहा, " बी ई के साथ हमारा समझौता अपने राष्ट्र में लागत प्रभावी लिक्विड पेंटावैलेंट वैक्सीन उपलब्ध करेगा।यह पब्लिक-प्राइवेट साझेदारी भारत के प्रतिरक्षण कार्यक्रम को प्रमुखतः मज़बूत करेंगे।" डॉ.एम.अय्यप्पन ने जोडा, ' भारत सरकार ने अब प्रतिरक्षण कार्यक्रम में लिक्विड पेंटावैलेंट वैक्सीन (डी पी टी- हेपटैटिस बी - हिब) को पाइलेट स्केल अध्ययन के रूप में प्रारंभ किया है। इस वैक्सिनेशन के द्वारा बच्चे को एकल इंजेक्शन द्वारा पाँच बीमारियों अतएव डिफ्तीरिया, पेरटुस्सिस (काली-खाँसी), टेटनस, हेपटैटिस बी संक्रमण और हीमोफिलस इन्फ्लुवेन्सा टाइप बी द्वारा मेनिन्जैटिस से संरक्षण मिलेगा। इस तारीख तक, बी ई, लिक्विड पेंटावैलेंट संयोजन - लिक्विड (डी पी टी- हेपटैटिस बी - हिब) के विनिर्माण और आपूर्ति के लिए डब्लियु एच ओ द्वारा पूर्व योग्यता प्राप्त तीन लिक्विड पेंटावैलेंट वैक्सीन विनिर्माताओं में एक है।

आंटि-मीसेल्स टाई-अप : एच बी एल को क्रोयेष्या की सहायता

पाँच साल पहले, संत्रास की दशा से मुक्त क्रोयेष्या में अब यूरोपियन देश के भौगोलिक रूप से असंबंधित दो क्षेत्रों से मीसेल्स के बढ़ती मामले की रिपोर्ट आने लगी । शासन सिस्टम के यह वाइरल संक्रमण 2008 अप्रैल को सेनिक स्लावोन्किक ब्रोड और राष्ट्रीय राजधानी ज़ग्रेब में फैल गया । यह दो महीनों से काबू कर सका, पर क्रोयेष्यन स्वास्थ्य मंत्री ने इस भयानक बीमारी की पुनरावृत्ति की ओर अधिक सतर्क है, जो बुखार, खाँसी, जुकाम और लाल आँख के अलावा शरीर चकता के रूप में भी प्रकट होता है ।

आज, मेडिटेरेनियन-जलवायु देश ट्रोपिकल इंड्या की जनता को उचित उपचार प्रदान करता है । एचएलएल बायोटेक लिमिटेड (एच बी एल), एचएलएल लाइफ़केयर लिमिटेड की समनुषंगी कंपनी को मीसिल्स वैक्सिनों के विनिर्माण के लिए क्रोयेष्या से सहायता मिलेगा। भारत में मीसिल्स वैक्सिनों के विनिर्माण के लिए एचबीएल और इंस्टिट्यूट ऑफ इम्म्यूनोलजी, ज़ग्रेब (आई एम इज़ड) के साथ दीर्घकालीन आपूर्ति और तकनॉलजी लाइसन्स का समझौता हुआ।

यदि एच बी एल इस समझौते पर अधिक

आई एम इज़ड के साथ हुए यह सहयोग एक साफ दौत्य की शुरुआत है, जो भारत के प्रतिरक्षण कार्यक्रम को मज़बूत करने को लक्ष्य करता है। जिससे हमारा लक्ष्य है, भारत और अन्य विकसित हो रहे बाज़ारों के बच्चों को मीसिल्स से सुरक्षित रखना।

आश्वस्त है तो इसका उचित कारण भी है । एच बी एल सूचित करता है कि हाल में आई एम इज़ड के साथ हुए यह सहयोग एक साफ दौत्य की शुरुआत है, जो भारत के प्रतिरक्षण कार्यक्रम को मज़बूत करने को लक्ष्य करता है ।

डॉ.एम.अय्यप्पन, एच बी एल के अध्यक्ष की वाणी में, आई एम इज़ड के साथ हमारी समझौता, एच बी एल के वैक्सीन तकनॉलजी सहयोग का पहला प्रमुख परियोजना है, जिससे हमारा लक्ष्य है, भारत और अन्य विकसित हो रहे बाज़ारों के बच्चों को मीसिल्स से सुरक्षित रखना।

2011 के आंकडे के अनुसार, भारत के 6.7 दशलक्ष बच्चों को मीसिल्स का टीकाकरण अभी तक नहीं मिला है। विशेषज्ञों की राय में, देश में रिपोर्ट की गयी 29339 मीसिल्स घटनाओं से इस बीमारी के पुनरागमन की निशानी मिलती है।

आई एम इज़ड निदेशक, श्री डवोरिन गजनिक के साथ एम ओ यु में हस्ताक्षर करते समय डॉ.अय्यप्पन ने स्पष्ट किया, 'समझौते के अनुसार, आई एम इज़ड एच बी एल को थोक रूप से वैक्सीन की आपूर्ति करेगा । यह भारत में हमारी सुविधा की माँग को पूरा करेगा'। इस अवसर पर क्रोयेष्या के आर्थिक मंत्री श्री इवान वरडोलजाक भी उपस्थित थे ।

एचएलएल के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक ने सूचित किया, वास्तव में मीसिल्स भारत का मात्र चिंता का कारण नहीं, अपितु वैश्विक स्तर पर बच्चों की मृत्यु का प्रमुख कारक है । 1990 और 2015 के बीच पाँच वर्ष के कम आयुवाले बच्चों की मृत्यु दर कम करना, एम डी जी 4 (चौथा सहस्राब्धि विकास लक्ष्य) इस पर केंद्रित है।

आगे उन्होंने जोडा, मीसिल्स प्रतिरक्षण से पाँच साल से कम आयुवाले बच्चों की मृत्यु दर भी कम होती है, यह एम डी जी 4 की उपलब्धि होगी । इस प्रकार तकनॉलजी के आपसी हस्तांतरण से दो कंपनियों के बीच में दीर्घकालीन सहयोग का वातावरण पनपता है।

अब, भारत देशी बाज़ार के लिए 80 दशलक्ष डोसस आंटि-मीसिल्स वैक्सिनों का उत्पादन करता है। आशा है, देश-देश के बीच का यह आपसी सहयोग चैना के विपणन और उस क्षेत्र के आर्थिक विकास के लिए भी एकदम सहायक होगा ।

डॉ.एम.अय्यप्पन, अपनी भूमिका में स्पष्ट किया कि आई एम इज़ड के साथ तकनॉलजी सहयोग वास्तव में भारत के टीकाकरण कार्यक्रम के लिए एक मोड़ होगा । दोनों सरकारी संस्थायें टीकाकरण कार्यक्रम के लिए विविध वैक्सीन और अन्य नयी पीढ़ी के वैक्सिनों के विनिर्माण के लिए दीर्घकालीन सहयोग के लिए आगे देख रही हैं ।

आई एम इज़ड को विश्व भर मान्यता प्राप्त अपना उत्कृष्ट मीसिल्स वाइरस बीज है । मीसिल्स के लिए आई एम इज़ड के बीज और तकनॉलजी पहले ही भारत में पंजीकृत है, जिससे एचबीएल को मीसिल्स वैक्सीन के विकास करने के लिए समय और लागत बचा सकता है ।

भारत सरकार को प्रति वर्ष करीब 70-80 मिल्यन डोसस मीसिल्स वैक्सीन अपेक्षित है । इसलिए आई एम इज़ड के साथ सहयोग, एच बी एल को मीसिल्स वैक्सिनों के विनिर्माण करने और भारत सरकार को मीसिल्स वैक्सीन के अधिकांश मात्रा आपूर्ति करने में एकदम सहायक होगा ।

आई एम इज़ड, जो यूरोप के इम्म्यूनो-बयोलोजिकल का पुराना विनिर्माता एवं दुनिया के अधिकांश भागों में मीसिल्स वैक्सीन के प्रमुख प्रदायक है ।

एकीकृत ठोस कचरा प्रबंधन पर एचएलएल का नया पहल

तिरुवनंतपुरम में कचरा प्रबंधन एक बडी समस्या ही है और यह परियोजना, हरियाली पर्यावरण बनाने के हमारी कंपनी की प्रतिबद्धता को मदद करने के हमारे श्रम का परिणाम है ।

कहा जाता है, केरल ईश्वर का अपना देश है और स्वच्छता एवं हरियाली से संपन्न राज्य है । केरल के आज की बडी समस्या एवं ललकार है प्रदूषण । इनमें सबसे पहले हमारे सामने आता है कचरा प्रबंधन। इस समस्या को हल करने के विविध मार्गों को खोजने की वेला में भारत के मेट्रो रेल क्रांति के निर्माता एवं मेट्रो रेल निगम के भूतपूर्व प्रबंध निदेशक डॉ.ई.श्रीधरन ने कंपनी के कॉर्पोरेट सामाजिक जिम्मेदारी पहलों के अधीन तिरुवनंतपुरम के ठोस कचरा प्रबंधन को हल करने के लिए आवश्यक सलाह एवं मार्गनिर्देश प्रदान करेंगे ।

तिरुवनंतपुरम निगम और राष्ट्रीय मूल्यों के पुनरुद्धार संस्था (एफ आर एन यु), डॉ.श्रीधरन की अध्यक्षता का एक लाभ रहित संगठन, की सहभागिता से वे इस परियोजना को कार्यान्वित करेंगे । यह परियोजना कवडियार वार्ड में प्रारंभ करेगा, जहाँ तिरुवनंतपुरम में एचएलएल का मुख्य संयंत्र, पेरूरकड़ा फैक्टरी स्थित है । इस अभियान के प्रथम चरण में ठोस कचरा प्रबंधन प्रणाली के महत्व के प्रति लोगों के बीच में नागरिक भावना पैदा करने पर फोकस करेगा। 2.5 स्क्वयर किलोमीटर के क्षेत्रफल के कवडियार वार्ड में 5000 अपार्टमेंट सहित 2000 घर हैं और यहाँ की जनसंख्या करीब 10000 है । एचएलएल के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक डॉ.एम.अय्यप्पन ने सूचित किया इस परियोजना का मुख्य लक्ष्य है - "पूरे समुदाय की ओर से व्यवहार में सतत परिवर्तन के माध्यम से नागरिक भावना पैदा करना । शहर में विविध परियोजनाएं लागू हैं लेकिन ये पूर्णतः सफल नहीं हुई हैं । हम अपनी परियोजना में नई तकनॉलजी प्रारंभ नहीं करते हैं । इसके विपरीत, ठोस कचरा प्रबंधन की समस्या को निपटाने की ओर द्रुत एवं प्रभावी पद्धति के लिए विद्यमान प्रद्योगिकियों के उपयोग करते हैं ।"

वास्तव में, एचएलएल के ठोस अपशिष्ट प्रबंधन पहुँच गली, सड़क तथा घरों तक व्यापक है, जोकि आज सब कहीं अपशिष्ट प्रबंधन एक भारी समस्या ही है । एचएलएल की पेरूरकड़ा फैक्टरी में 25 अगस्त, 2013 को आयोजित बैठक में मुख्यातिथि डॉ.ई.श्रीधरन ने कहा कि एचएलएल द्वारा दिये गये यह कार्य एकदम सराहनीय है, यह उनकी सामाजिक प्रतिबद्धता व्यक्त करती है । बैठक का मुख्य उद्देश्य था- इस परियोजना के कार्यान्वयन के लिए एक मुख्य समिति बनाना ।

पद्मविभूषन डॉ.ई.श्रीधरन ने टीम से इस परियोजना को समय बद्धित तरीके से कार्यान्वित करने का आह्वान किया । साथ ही, जोडा कि कवडियार तिरुवनंतपुरम शहर के "उत्कृष्टता का द्वीप" बन जायेगा और यह कार्य दूसरों के लिए प्रेरणादायक एवं मोडल भी हो जायेगा ।

एचएलएल ने इस उद्देश्य के लिए एक कार्यदल को सज्जित किया है और वार्ड सदस्य, आवासीय समिति और इस क्षेत्र के विशेषज्ञ सहित सभी हितधारकों के सदस्यों की एक समिति संस्थापित की है।

बैठक में उपस्थित श्री के.मुरलीधरन, एम एल ए ने इस परियोजना के सफल कार्यान्वयन के लिए सरकार की तरफ से आवश्यक सभी तरह के समर्थन प्रदान करने की सहमति दी । मेयर अड्वेकेट के.चंद्रिका ने एचएलएल से यह परियोजना अन्य वार्डों में भी कार्यान्वित करने की सलाह दी। इस अवसर पर श्री दिलीप कुमार, निदेशक, शुचित्व मिशन ने भी भाषण दिया ।

'माई सिटी' कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए श्री के.मुरलीधरन, एमएलए और मेयर अड्वेकेट के.चद्रिका।
पास हैं - डॉ.ई.श्रीधरन,मेट्रो रेल निगम के भूतपूर्व प्रबंध निदेशक, डॉ.एम.अय्यप्पन,एचएलएल के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक।

परियोजना की प्रत्याशित लागत करीब रु. 1.09 करोड़ है । पर्यावरण के अनुकूल तरीके से पाइप कम्पोस्ट /बायोगैस संयंत्रों का उपयोग करते हुए घरों के स्त्रोत पर ठोस कचरा का उपचार इस परियोजना में से होता है । केरल के सबसे बडे तिरुवनंतपुरम निगम की जनसंख्या 957730 और 4454 प्रति स्क्वयर किलोमीटर का जनसंख्या घनत्व है । निगम के आकलन के अनुसार शहर के 100 वार्डों से प्रति दिन 300 टन कचरा उत्पन्न होते हैं । केवल कवडियार से प्रति दिन पाँच टन कचरा उत्पन्न होते हैं, जिसमें प्रतिदिन 3.5 टन प्राथमिक कचरा या बायो अवक्रमणीय कचरा, प्लास्टिक एवं कागज़ जैसे सेकेंडरी कचरा और ई-कचरा, ग्लास, हार्डवेयर मद एवं लकडी कचरा जैसे 0.5 टन तृतीय श्रेणी के कचरा शामिल हैं ।

डॉ.एम.अय्यप्पन ने कहा, हम सदा अतीव जागरूक हैं कि तिरुवनंतपुरम में कचरा प्रबंधन एक बडी समस्या ही है और यह परियोजना, हरियाली पर्यावरण बनाने के हमारी कंपनी की प्रतिबद्धता को मदद करने के हमारे श्रम का परिणाम है । इस परियोजना के लिए चुनी गयी विकेंद्रीकृत प्रणाली, समग्र रूप से समुदाय के लिए न्यूनतम स्वास्थ्य संबंधी मामलों का कारण होगी ।

हिंदुस्तान लैटेक्ल परिवार नियोजन प्रोन्नमन न्यास ठोस कचरा प्रबंधन पर जागरूकता अभियान, समुदाय के बीच में प्रशिक्षण कार्यक्रम और आत्मविश्वास जगाने के उपाय लागू करेगा । यह अभियान और प्रशिक्षण दूसरे वर्ष में भी जारी रहेगा और एचएलएल आशा करता है कि तीसरे वर्ष में यह परियोजना हितधारकों और निगम की सहायता से अपने आप चालू होगा ।

ठोस कचरा प्रबंधन परियोजना के समानांतर एक कचरा कार्यालय भी चल रहा है जिसमें वस्त्र/कागज़ बैग, हेल्प डेस्क, भुगतान सेवा और मॉनिटरिंग कार्मिकों के दल के उपयोग का प्रोन्नमन भी शामिल है । इस परियोजना को समर्थन करने के लिए स्वयंसेवकों को विद्यार्थी, सेवानिवृत्त लोग और गृहिणियों से चुन लिये जाएंगे ।

एचएलएल का लाइफ़केयर केंद्र

आम लोगों को किफायती मूल्य पर उच्चतम सेवायें प्रदान करने के एचएलएल के प्रयत्नों का परिणाम है - लाइफ़केयर केंद्र। यहाँ से दवाएँ, सर्जिकल डिस्पोसिबिल्स, स्टेन्ट्स और पेसमेकेर्स जैसे सर्जिकल उपकरण और अन्य मेडिकल उत्पादें रियायती दर पर मिलता है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य बीमा योजना (आर एस बी वाई) कार्डधारकों को नकद हीन सेवाएँ भी यहाँ उपलब्ध हैं।

लाइफ़केयर केंद्र, एचएलएल और केरल सरकार के एक अनुपम संयुक्त उद्यम, के और एक सेंटर का उदय 5 जुलाई, 2013 को कोयिलांडी तालूक अस्पताल में हुआ यह केरल का पाँचवाँ और मलबार का दूसरा केंद्र है। श्री के.दासन एम एल ए ने कोयिलांडी निगम के महापौर श्रीमती के.शांता की अध्यक्ष में इसका श्रीगणेश किया और इस दौरान स्वास्थ्य स्थाई समिति की अध्यक्षा श्रीमती के.वी.षीजा ने स्वागत की भूमिका निभायी। एचएलएल स्वास्थ्य रक्षा सेवाओं के वरिष्ठ उपाध्यक्ष, श्री गिरीश कुमार, कोयिलांडी निगम के शासी निकाय के सदस्य और एचएलएल के कर्मचारियों के सानिध्य से इस समारोह की गरिमा बढ़ गयी।

लाइफ़केयर केंद्र की सहभागिता से इस अस्पताल में स्कानिंग सेवाएँ रियायती दर पर प्रदान करने का प्रयास कर रहा है। उक्त लाइफकेयर केंद्र के अतिरिक्त आंध्रा प्रदेश के तिरुप्पति में श्री वेंकटेश्वरा इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइनसेंस (एस वी आई एम एस), रेफरल केंद्र में और एक केंद्र भी खोला गया। यह केंद्र, एस वी आई एम एस कैंपस में नया पद्मावती ऑपी ब्लॉक और आपातकालीन विभाग के पास स्थित है। इस केंद्र का उद्घाटन डॉ.बी.वेंगम्मा, अस्पताल के निदेशक द्वारा 19 जून, 2013 को किये गये।

केरल के कोयिलान्डी में एचएलएल के पाँचवाँ लाइफ़केयर केंद्र का उद्घाटन।

इस लाइफ़केयर केंद्र में दवाएँ, सर्जिकल डिस्पोसिबिल्स, स्टेन्ट्स और पेसमेकेर्स जैसे सर्जिकल उपकरण और अन्य मेडिकल उत्पादें 10 से 60 प्रतिशत रियायती दर पर प्रदान करता है और जरूरत केंद्रों को सब्सिडी सेवा के अतिरिक्त राष्ट्रीय स्वास्थ्य बीमा योजना (आर एस बी वाई) कार्डधारकों को नकद हीन सेवाएँ भी प्रदान करता है।

डॉ.एम.अय्यप्पन, एचएलएल के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक की राय में लाइफ़केयर केंद्रों के माध्यम से, स्वास्थ्य क्षेत्रों में एक अग्रगामी पहल तथा गरीबों को गुणवत्ता स्वास्थ्य रक्षा के लिए विश्वसनीय और किफायती उपाय का वितरण - हमारा लक्ष्य रहा है।

आगे मरीज़ों को शल्यक्रिया उपकरण और दवायें किफायती मूल्य पर उपलब्ध कराने को लक्ष्यकर पत्तनमतिट्टा के जनरल अस्पताल में प्रारंभित लाइफ़केयर केंद्र का उद्घाटन केरल के स्वास्थ्य परिवार कल्याण मंत्री श्री वी.एस. शिवकुमार द्वारा किया गया। यह एचएलएल लाइफ़केयर लिमिटेड और केरल सरकार का संयुक्त उद्यम है।

उद्घाटन भाषण में मंत्री महोदय ने कहा कि आम लोगों को उच्च गुणवत्तावाले शल्यक्रिया उपकरण, सर्जिकल इंप्लान्ट्स, संबंधित दवायें आदि किफायती मूल्य पर प्रदान करने के उद्देश्य से लाइफ़केयर केंद्र केरल के विविध इलाकों में सही तरीके से कार्य कर रहे हैं। उन्होंने जोडा कि पत्तनमतिट्टा के लाइफ़केयर केंद्र में चश्मा, लेन्सेस, फ्रेइम, दवायें सहित नेत्र चिकित्सा उत्पाद भी उपलब्ध कराने का निर्देश भी दिया है।

अड्वेकेट के. शिवदासन नायर एमएलए एवं श्री आन्टो आन्टणी सांसद ने क्रमशः अध्यक्ष एवं मुख्यातिथि की भूमिका निभायी। नगरपालिका के अध्यक्ष अड्वेकेट ए.सुरेशकुमार, एनआरएचएम मिशन निदेशक डॉ. एम. बीना, स्वास्थ्य सेवा निदेशक डॉ.पी.के.जमीला, नगरपालिका काउनसिलर श्रीमती सुगन्ध सुकुमारन, डीएम ओ डॉ.के.के. राजाराम, एचएलएल के उप महा प्रबंधक रेजु स्करिया, एनआरएचएम जिला कार्यक्रम प्रबंधक श्री पी.एन. विद्याधरन, जिला कलेक्टर श्री वी.एन. जितेन्द्रन आदि ने इस समारोह में भाग लिये।

किसी दुर्घटना से जांघ की अस्थि में होने वाले भंग के ऑपरेशन में उपयोग करने वाले इन्टरलोकिंग सेट की बाज़ार मूल्य 7000 रुपया है। लेकिन लाइफ़केयर केंद्र में इसका मूल्य 2200 रुपया है। बैप्पोलार ऑपरेशन में उपयोग करने वाले एएमपी इम्लांट की बाजार दाम 4000 है तो लाइफ़केयर केंद्र से यह 1700 रुपए में मिलेगा। इलाज के आनेवाले गरीब मरीज़ों को सहायता देने के अतिरिक्त आरएसबीवाई कार्डवालों को यहाँ से दाम रहित सेवायें भी मिलती हैं।

एचएलएल के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक डॉ. एम अय्यप्पन ने कहा कि आम लोगों को किफायती मूल्य पर उच्चतम सेवायें प्रदान करने के एचएलएल के प्रयत्नों का परिणाम है ये लाइफ़केयर केंद्र।

पत्तनमतिट्टा के अलावा केरल में तीन और उडीषा में एक लाइफ़केयर केंद्र कार्यरत हैं। 2011 अक्तूबर को तिरुवनंतपुरम मेडिकल कॉलेज में प्रारंभित लाइफ़केयर केंद्र है इस श्रेणी का पहला उद्यम। अन्य दो लाइफ़केयर केंद्र वटकरा जनरल अस्पताल और तिरुवनंतपुरम रीजियणल इन्स्टिट्यूट ऑफ ऑफ्तालमोलजी में हैं।

एचएलएल द्वारा जनरल अस्पताल, पत्तनंतिट्टा में संस्थापित लाइफ़केयर केंद्र का उद्घाटन करते हुए केरल राज्य के स्वास्थ्य मंत्री श्री वी. एस शिवकुमार ।

अफ्रोवेल्ड ग्रूप-एक उत्तम भागीदार

बोट्सवाना, दक्षिण अफ्रीका के एक भू भाग, आज आर्थिक स्थिरता, शिक्षा और स्वस्थ्यरक्षा के उच्च मानकों से संपन्न है । यहाँ के हमारे भागीदार अफ्रोवेल्ड ग्रूप मुख्यतः स्वास्थ्यरक्षा, शिक्षा और विज्ञान पर फोकस करके 'मानवता की सेवा' के आदर्शवाक्य के साथ गुणवत्ता उत्पाद एवं सेवायें प्रदान करने की जोखिम अपने लक्ष्य की ओर बढ रहा है । अफ्रोवेल्ड ग्रूप के हिस्से हैं-1991 और 1994 को संस्थापित अफ्रोवेल्ड इम्पेक्स पार्टी लिमिटेड और अफ्रो स्पेशियालिटीस पार्टी लिमिटेड । अफ्रोवेल्ड ग्रूप के कॉर्पोपेट में, एचएलएल लाइफ़केयर लिमिटेड के अतिरिक्त किमबेर्लि-क्लार्क, मिल्लिपोर, फिन्डेल एड्यूकेशन और पेर्री हिल इंटरनैशनल शामिल हैं । उनके ग्राहकों में स्वास्थ्य मंत्रालय, लाइफ स्वास्थ्यरक्षा गाबरोन प्राइवेट अस्पताल, लेनमेड हेल्थ बोकासो प्राइवेट अस्पताल, शिक्षा मंत्रालय, कृषि मंत्रालय, खनिज, ऊर्जा और जल संसाधन, फार्मसीस,रीटेल आउटलेट्स, प्राइवेट व्यवसायी और सार्वजनिक एवं प्राइवेट क्षेत्रों के अन्य ग्राहक आते हैं । यह ग्रूप उचित मूल्य पर गुणवत्ता उत्पादों की सामयिक आपूर्ति के साथ ग्राहक संतुष्टि पर ज़ोर देते हैं ।

इस ग्रूप के नेतृत्व कर रहे हैं - श्री सुमोद दामोदर (प्रबंध निदेशक), श्रीमती लक्ष्मी सुमोद (वित्त निदेशक), श्री पी.जी.गोपकुमार (फार्मसिस्ट-प्रबंधक), श्री चेनि न्याडी (लॉजिस्टिक्स), सुश्री केमिसो सिमान (कार्यालय प्रशासन), श्री केमेसी मोलोडी (स्टॉक नियंत्रक) और सुश्री सोफिया इस्तुपेलांग (कार्यालय सहायक) ।

अफ्रो स्पेशियालिटीस पार्टी लिमिटेड ने वर्ष 2002 को पूर्व हिंदुस्तान लैटेक्स के साथ सहयोग प्रारंभ किया । कंडोम के लिए प्रतिष्ठित बोट्सवाना सरकारी निविदा के प्रदान करने पर एचएलएल के साथ संबंध संस्थापित किया गया । तभी से, यह बोट्सवाना के प्रमुख भागीदार बन गया और दक्षिण अफ्रीकन क्षेत्र के लिए मूड्स और शेयर कंडोम, इन्ट्रा यूटेराइन उपाय और मौखिक गर्भनिरोधक गोलियों के लिए वितरण अधिकार भी प्राप्त किया है । एचएलएल के फ्लागशिप मूड्स कंडोम वर्ष 2004 को बोट्सवाना में लाँच किया गया ।

अफ्रोवेल्ड इम्पेक्स पार्टी लिमिटेड का अस्पताल उत्पाद प्रभाग देश के मुख्य क्लिनिक्स, फार्मसीस और अस्पतालों के लिए एचएलएल से दस्ताना, सर्जिकल स्यूचेर्स और अन्य मेडिकल उत्पादों का विपणन करता है ।

श्री दामोदर ने कहा कि करीब एक दशक के पहले एचएलएल लाइफ़केयर के साथ हमारी भागीदारी प्रयाण प्रारंभ हुआ था, लेकिन आपसी सफलता के लिए यह सदा परम विश्वास एवं साधारण लक्ष्य पर आधारित है । एचएलएल और अफ्रोवेल्ड दोनों आपस में जीतना चाहते हैं । पिछले कई वर्षों से एचएलएल प्रबंधन के साथ हमारा संबंध पारदर्शिता और लगातार व्यावसायिक शिष्टाचार को व्यक्त करता है । एचएलएल के प्रचालन और प्रबंधन शैली का लचीलापन विश्व के कई प्राइवेट उद्यमों के लिए एक मॉडल होगा और हम उनके साथ भागीदारी में बहुत गर्व एवं विशेषाधिकार महसूस करते हैं। एचएलएल लाइफ़केयर का आचरण किसी सरकारी उद्यम के मूर्त रूप से बहुत आगे हैं और यह दूरदर्शी नेतृत्व का परिणाम है । आज के आर्थिक परिस्थितियों के विसंगतियों के बीच में भी वैश्विक परिदृश्य में उनकी उपस्थिति उनके शासन संरचना का प्रमाण है ।

"एचएलएल के प्रचालन और प्रबंधन शैली का लचीलापन विश्व के कई प्राइवेट उद्यमों के लिए एक मॉडल होगा और हम उनके साथ भागीदारी में बहुत गर्व एवं विशेषाधिकार महसूस करते हैं।"

एचएलएल लाइफ़केयर लिमिटेड ने बोट्सवाना के समुदाय विकास के क्षेत्र में भी प्रमुख भूमिका निभायी है । बोट्सवाना क्रिकेट एसोसियेशन (बी सी ए) के लाँच और संस्थापन के लिए शिलान्यास करने की ओर इसने वर्ष 2007 को यु एस डी 15000 प्रदान किया है । यह बहुप्रशंसित कार्यक्रम आज 158 सरकारी प्राइमरी स्कूलों में राष्ट्रीय उपस्थिति व्यक्त करता है, जिससे 9449 छात्र एवं छात्रायें अपने मन पसंद खेलों में अभ्यास कर रहे हैं । इसके विकास कार्यक्रम के तहत वर्ष 2013 को बोट्सवाना राष्ट्रीय खेल परिषद् के अध्यक्ष श्री सोलि रेइक्लेट्सेंग को बी सी ए पर एक विशेष अध्यक्ष पुरस्कार से सम्मानित किया गया । यह एकदम उल्लेखनीय तथा अनुपम उपलब्धि है कि एक व्यक्ति तथा संस्था को पहली बार इस पुरस्कार से पुरस्कृत किया जाता है ।

वैश्विक स्वास्थ्य सम्मेलन

जनसंख्या नियंत्रण के प्राथमिक सुविधाओं केलिए आवश्यक सभी कार्य कंप्यूटरों के हार्डवेयरों के समान ही है। साफ्टवेयर देश के परिवर्तन का द्योतक है। यह इस परिवर्तन की आवश्यकता के प्रति लोगों को जागरूक करता है। अतः इसको विकसित करना हमारे लिए एक ललकार ही है। यह सामाजिक विपणन से संभव है।

वैश्विक स्वास्थ्य सम्मेलन का उद्घाटन करती हैं श्रीमती अनुराधा गुप्ता, अपर सचिव एवं राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन(एनआरएचएम) के निदेशक।

पूरे देश के आम जनता की स्वास्थ्य रक्षा को प्रमुखता देने केलिए प्रतिबद्ध एचएलएल लाइफ़केयर लिमिटेड, हिंदुस्तान लैटेक्स परिवार नियोजन प्रोन्नमन न्यास और केन्द्र स्वास्थ्य परिवार कल्याण मंत्रालय की संयुक्त सहभागिता से 2013 दिसंबर 2 से 5 तक केच्चि में सामाजिक विपणन और सामाजिक फ्रेंचाइजिंग पर एक वैश्विक स्वास्थ्य सम्मेलन आयोजित किया गया। यह सम्मेलन देश और बाहर की प्रमुख हितधारकों एवं विश्व प्रसिद्ध स्वास्थ्य संस्थाओं की उपस्थिति से गरिमामय बन गया। इण्ड्यन इन्स्टिट्यूट ऑफ कॉर्पोरेट कार्य (III सी ए) और राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन (एनएसीओ) के सहयोग से संपन्न इस सम्मेलन में लगभग 74 पेपर प्रस्तुत किये गये, यह इस क्षेत्र के श्रेष्ठ कार्यों को एकीकृत करने केलिए सहायक भी बन गया।

अपर सचिव एवं राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन (एनआरएचएम) के मिशन निदेशक श्रीमती अनुराधा गुप्ता ने इस सम्मेलन का उद्घाटन करते हुए कहा कि भारत ने स्वास्थ्य क्षेत्र के सामाजिक विपणन में बहुत पहले ही ध्यान केन्द्रित किया था, लेकिन यह ज्यादातर परिवार नियोजन और गर्भनिरोधकों के विपणन में मात्र सीमित हो गया। इसके दूसरे चरण में जाने केलिए हम कामयाब नहीं हो सके। उन्होंने जोडा कि गर्भस्थ शिशुओं तथा नवजात शिशुओं की मृत्यु एवं सांक्रमिक बीमारियाँ आज भारत के सामने एक ललकार ही हैं। अतः इन कार्यों में हमें अतीव ध्यान देना अत्यंत आवश्यक ही है।

सामाजिक विपणन के जाने माने वाले तथा **डी के टी** इंटरनाशनल के अध्यक्ष श्री फिलिप. डी.हार्वी ने सूचित किया कि ऐसे सामाजिक विपणन कार्यक्रम 67 राज्यों के 6.6 करोड दंपतियों केलिए एकदम सहायक बन गये हैं। उन्होंने जोडा कि विद्यमान सुविधाओं से हम यह सामाजिक विपणन ज्यादातर लोगों तक पहूँचा सकते हैं, यह इसकी एक हैसियत ही है। आगे, सामाजिक विपणन अत्यंत लाभप्रद एवं इससे हम गर्भनिरोधकों का वितरण नहीं विपणन करते हैं।

एचएलएल के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक ने अपने भाषण में कहा कि जनसंख्या नियंत्रण के प्राथमिक सुविधाओं केलिए आवश्यक सभी कार्य कंप्यूटरों के हार्डवेयरों के समान ही है। साफ्टवेयर देश के परिवर्तन का द्योतक है। यह इस परिवर्तन की आवश्यकता के प्रति लोगों को जागरूक करता है। अतः इसको विकसित करना हमारे लिए एक ललकार ही है। यह सामाजिक विपणन से संभव है।

इस वैश्विक सम्मेलन के उद्घाटन वेला में अंतर्राष्ट्रीय विकास स्वास्थ्य सिस्टम विकास के यु.एस एजन्सी का टीम लीडर श्रीमती षीना छब्रा, भूट्टान, यु.एन.एफ.पी का देशीय निदेशक एवं संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या फंड के भारत के प्रतिनिधि श्रीमती फ्रेडरिक्का मेयजर, बिल आंड मेलिंडा गेइट फाउंडेशन इंट्ग्रेटड वितरण के वरिष्ठ कार्यक्रम अफसर श्री गय स्टालवर्त्ती, अंतर्राष्ट्रीय विकास विभाग के देशीय प्रमुख श्री साम षार्पे, अंतर्राष्ट्रीय संयंत्र पेरेंटिंग संघ का मुख्य निदेशक श्री टेवोड्रोस मेलीसे आदि विशिष्ट व्यक्तियों ने भाग लिये।

वाशिंगटन विश्वविद्यालय के संकाय श्रीमती नान्सी ली और लेत्बीड्ज विश्वविद्यालय के सह प्रोफसर श्री समीर देशपांडे दोनों संयुक्त रूप से रचित " भारत में सामाजिक विपणन" नामक पुस्तक का लोकार्पण कार्य भी इस अवसर पर संपन्न हुआ।

बाद में, केन्द्र स्वास्थ्य मंत्रालय ने यह राय प्रकट की कि देश के सामान्य जन एवं सार्वजनिक संस्थाओं की सहभागिता से स्वास्थ्य रक्षा कार्यक्रम ग्रामीण इलाकों में भी पहूँचाने केलिए सार्वजनिक क्षेत्र के प्रारंभकर्ताओं को इन क्षेत्रों में भी कदम रखना चाहिए। सार्वजनिक क्षेत्रों के कार्यकर्ताओं को ग्रामों में कार्य करने केलिए कोई इच्छा नहीं है, बल्कि वे शहरों में अच्छे से अच्छे विपणन केन्द्रों को चुन लेते हैं। अधिकांश ग्रामीण क्षेत्रों में सार्वजनिक प्रारंभकर्ता नहीं है। यहाँ केवल सरकार ही सारे कार्य प्रदान करते हैं। इन इलाकों केलिए उचित योजनायें तैयार करने केलिए सार्वजनिक प्रारंभकर्ताओं को आगो आना चाहिए।

श्रीमती अनुराधा गुप्ता ने जोडा कि सरकार की 'आशा' पद्धति भविष्य में सार्वजनिक क्षेत्र केलिए भी उपलब्ध की जायेगी। अब नौ लाख आशा कामगार हैं। परिवार नियोजन उत्पादों के वितरण के परे विविध स्वास्थ्य रक्षा कार्यक्रमों का एकल केन्द्र के रूप में इसे सज्जित कराने का काम भी सही ढंग से चल रहा है ।

परिवार नियोजन विभाग के उप आयुक्त डॉ. एस.के.सिक्दार ने कहा कि गर्भनिरोधकों को मुफ्त रूप से घर-घर तक पहूँचाने की योजना अब 6.4 लाख ग्रमों में कार्यान्वित किया गया। यह कार्य 2011 जुलाई से 233 जिलों में प्रारंभ हुआ। 2012 दिसंबर से यह देशीय स्तर पर फैल गया। इन ग्रामों में केंद्रित कार्यकर्ता हैं आशा कामगार। ये काउनसिलिंग और अन्य स्वास्थ्यरक्षा कार्य करते हैं। सर्वेक्षण से यह मालूम होता है कि महिला उपभोक्ताओं में 95 प्रतिशत इन कार्यक्रमों से संतुष्ट हैं।

हम जानते हैं आज अस्पतालों के चिकित्सा खर्च दिन ब दिन बढता रहा है। अतः आम जनता केलिए यह खर्च कभी कभी अपने वश की बात नहीं होता है और ये लोग कर्जदार भी बन जाते हैं। इसके मद्देनज़र भारत सरकार ने स्वास्थ्य क्षेत्र के संस्थाओं की सहभागिता से प्रत्येक बीमारी के चिकित्सा खर्च का आकलन करने का कार्य प्रारंभ किया। वैश्विक सामाजिक सम्मेलन के समापन समारोह में केन्द्र स्वास्थ्य परिवार कल्याण मंत्रालय के अवर सचिव श्री सी.के मिश्रा ने यह मत प्रकट किया। राष्ट्रीय स्वास्थ्य सिस्टम्स संसाधन केंद्र के कार्यापालक निदेशक डॉ. टी सुन्दर राम ने इस अवसर पर बताया कि भारत में सार्वलौकिक स्वास्थ्यरक्षा का नूतन उपायों को कार्यान्वित करने केलिए सरकार 30 जिलों में इसका अध्ययन कर रहा है। इसके विवरण इस महीने में ही प्रकाशित किये जायेंगे। इस प्रकार की स्वास्थ्यरक्षा उपलब्ध कराने केलिए केंद्र फंड 1.2 लाख करोड तक बढाना भी अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने जोडा कि प्राथमिक चिकित्सा क्षेत्र में सार्वजनिक क्षेत्रों का सहयोग बहुत सीमित है और उनकी दृष्टि शहरी क्षेत्रों की ओर है। इस अभाव को पार करने केलिए सरकार की ओर से अधिक सक्रिय कार्य होना ही चाहिए।

इस सम्मेलन में सामाजिक विपणन और फ्रान्चेइसिंग को बढाने केलिए देशीय स्तर पर एक कर्मपद्धति तैयार करने और विश्व के उज्ज्वल कार्यों को एकत्रित करने केलिए दक्षिण - पूर्व एशियन राज्यों के विशाल एकता को रूपायित करने पर ज़ोर दी गयी।

एचएलएल के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक ने कहा कि अगले दो महीनों के अंतर सामाजिक विपणन और सामाजिक फ्रांचाइसिंग पर दक्षिण - पूर्व एशियन समिति को गठित किया जायेगा। बंग्लादेश, भूट्टान, कोरियन राष्ट्र, इंडोनेष्या, भारत, मालिद्वीप, म्यानमर, नेपाल, श्रीलंका, तायलंड, पूर्व तिमोर आदि राष्ट्र इस के सदस्य होंगे।

आगे, उन्होंने जोडा कि इस विशाल देशीय कर्मपद्धति से हमें समाज के निम्नस्तर के लोगों को भी सामाजिक विपणन और फ्रांचेइसिंग के ज़रिए एक सुस्थिर स्वास्थ्य परिरक्षा पक्का करना चाहिए। इसके लिए एक प्रशिक्षित दल को भी नियुक्त करेगा। सभी को स्वास्थ्य प्रदान करने के लक्ष्य से चिकित्सा तरीकों में भी सामाजिक विपणन उपलब्ध किया जायेगा। इस सम्मेलन में उठाये गये प्रमुख मुद्दा है, परिवार नियोजन और गर्भनिरोधक उपायों के प्रचार के परे अन्य स्वास्थ्य परिरक्षा क्षेत्रों में भी सामाजिक विपणन और फ्रांचाइसिंग को विस्तार फैलाना। इस सम्मेलन में 25 राज्यों से लगभग 500 प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

संघ स्वास्थ्य सचिव केशव देशीराजु एचएलएल के प्रांगण में

श्री केशव देशीराजु, सचिव (स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण), भारत सरकार ने अपने व्यस्त कार्यक्रम से समय निकालकर 12 जुलाई, 2013 को एचएलएल लाइफ़केयर लिमिटेड, तिरुवनंतपुरम का दौरा किया। उन्होंने एचएलएल के दो विनिर्माण सुविधाओं के कमीशनिंग किये । उनके ओजस्वी एवं प्रभावी भाषण एचएलएल के कर्मचारियों के मन में नयी स्फूर्ति प्रदान की तथा उनके मनोबल के उन्नमन करने में सहायक बन गया।

डॉ.एम.अय्यप्पन, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक ने एचएलएल के वरिष्ठ नेतृत्व दल के साथ कॉर्पोरेट मुख्यालय में संघ सचिव का हार्दिक स्वागत किया। एचएलएल के व्यावसायिक उन्नति, नए पहल और भविष्य योजनाओं से समावेशित एक प्रस्तुतीकरण सचिव के लिए रूपायित किए गए।

सर्वप्रथम श्री देशीराजु ने कंडोम केलिए एचएलएल के मदर यूनिट - पेरूरकड़ा फैक्टरी का संदर्शन किया। भारत सरकार और एचएलएल के फ्लागशिप कंडोम ब्रांड - निरोध और मूड्स के विनिर्माण का श्रेय इस फैक्टरी को है। उत्पादन प्रक्रियाओं - कॉम्पाउण्डिंग, मोल्डिंग से वलकानाइसिंग और पैकिंग तक को प्रतिपादित करने को लक्ष्यकर आयोजित दौरे के दौरान अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक ने कंडोम के विनिर्माण के लिए कंपनी में पालन किए जा रहे सख्त गुणवत्ता मानकों के बारे में व्यक्त किया। एचएलएल के प्राकृतिक लैटेक्स आधारित महिला कंडोम (एचएलएल -एफ सी) के विनिर्माण के लिए कॉर्पोरेट आर & डी दल द्वारा विकसित की गयी नयी विनिर्माण सुविधा का उद्घाटन कार्य भी पेरूरकड़ा फैक्टरी में संघ सचिव द्वारा किये गये ।

पेरूरकड़ा फैक्टरी के दर्शन करने के बाद कंपनी के कॉर्पोरेट सामाजिक जिम्मेदारी कार्यकलापों के अधीन एचएलएल द्वारा मानसिक मरीज़ों के लिए सरकारी मानसिक अस्पताल, पेरूरकड़ा के पकलवीडु, में बनाए एक पुनर्वास केंद्र का दर्शन किया। उसके आगे, श्री देशीराजु ने एचएलएल की आक्कुलम फैक्टरी, जहाँ ब्लड समाहरण बैंग, सर्जिकल स्यूचेर्स, इन्ट्रा-यूटेरिन उपकरण और ट्यूबल रिंग्स का विनिर्माण किए जाते हैं, का संदर्शन किया। सचिव ने प्रति वर्ष 6,00,000 दर्जन की उत्पादन क्षमता की संशोधित सर्जिकल स्यूचर विनिर्माण सुविधाओं का भी उद्घाटन किया।

एचएलएल की आक्कुलम फैक्टरी के निकटस्थ एचएलएल के कॉर्पोरेट आर & डी केंद्र (सी आर डी सी) के संदर्शन करते समय सचिव महोदय को यहाँ की अत्याधुनिक सुविधाओं - क्लास 10000 और क्लास 100 सुविधा का इन्कुबेशन केंद्र, सुसज्जित अनलिटिकल टेस्टिंग प्रयोगशाला, पशु प्रयोगात्मक सुविधा आदि - से खूब जानकारी मिली और वे इससे बहुत प्रभावित हो गए। उन्होंने सी आर डी सी में कार्यरत वैज्ञानिक कार्मिकों के साथ भी बातचीत की।

कॉर्पोरेट आर & डी केंद्र के सेमिनार हॉल में एचएलएल परिवार के सदस्यों को संबोधित करते हुए उन्होंने व्यक्त किया "एचएलएल ऊपर उभरने वाली एक वैश्विक स्वास्थ्य रक्षा कंपनी है। एचएलएल के संदर्शन में मैं बहुत संतुष्ट हूँ। मुझे कभी भी एचएलएल के इतने महत्व के बारे में कोई जानकारी नहीं थी। अपने प्रभावपूर्ण भाषण में, सचिव ने कंपनी के कार्यकलापों और अनुसंधान कार्यों की सराहना की। "एचएलएल ने सुविज्ञता के क्षेत्र में अपने आप को अग्रणी नेता के रूप में प्रतिष्ठापित किया है। यह कई क्षेत्रों में सफलतापूर्वक विविधीकृत हो गया है। आगे उन्होंने जोड़ा, "अब अपने लक्ष्य को पहचान करें और 2030 में आप कहाँ होंगे और 20 साल के बाद प्रत्येक व्यक्ति क्या होंगे, ऐसा महसूस करें।"

श्री देशीराजु ने सूचित किया कि देश के चिकित्सा उपाय और उपकरण क्षेत्र में विकास का रफ तार धीमि गति में है। हमें बडी संख्या में स्वास्थ्य रक्षा संस्थाएँ हैं और सबको आवर्ती आधार पर उच्चस्तरीय और निम्नस्तरीय उपाय की आवश्यकता है। "मेरा सुझाव है कि एचएलएल चिकित्सा उपाय के उस क्षेत्र में पूर्णतः सहयोग दें, जो प्राकृतिक प्रगित को प्रतिनिधित्व करता है। उस क्षेत्र में आप वास्तविक छलांग कर सकते हैं, दरअसल स्वास्थ्य उद्योग एवं आर & डी में भी आपकी स्थिति अत्यंत मज़बूत है।

एचएलएल ने मज़बूत कॉर्पोरेट नीतिशास्त्र का सृजन किया है। उन्होंने कहा, आपने दिखाया कि एक संस्था कैसी हो सकती है और कैसी होगी। संस्था के लक्ष्य और उद्देश्य सभी स्तरों पर पूर्ण रूप से समझना चाहिए। एक संस्था की प्रगति सौंपे गए कामों को पूरा करने के आत्मविश्वास पर अधिष्ठित है। "किसी भी नेता या प्रबंधक के लिए यथाविधि कार्य चलाना बडी मुश्किल है तो वह सभी कार्य से सदा समय व्याकुल रहेगा " ।

यह द्रष्टव्य है, सरकारी संस्था काम करने में कई नियंत्रण या दबाव है, क्योंकि वहाँ बडी प्रत्याशा और सीमित स्रोतों के बीच में असंतुलन है। उन्होंने दोहराया कि हम सरकारी सेवकों को राष्ट्र की सेवा करने में बहुत अवसर है। हमारे देश में बहुत चुनौतियाँ और कार्य हैं। यहाँ ऐसे लोग हैं, एक अविश्वसनीय योगदान देते हैं तो दूसरे काम भी नहीं करते । मेरा विश्वास है, भारत में रहने से किसी को भी काम न करने से ऐश- आराम नहीं है। उनके विचार में, आवश्यक गर्भनिरोधक उत्पादों के प्रमुख विनिर्माता के रूप में और सुरक्षित एवं विश्वस्त प्रोफाइलक्टिक उपकरणों को सुनिश्चित करने वाली संस्था के रूप में हरेक भारतीय की दृष्टि में आपके प्रत्येक काम बहुत महत्वपूर्ण है।

हम सब विशेषाधिकार प्राप्त लोगों की श्रेणी के हैं। हम सबने समुचित शिक्षा प्राप्त की है और स्वयं केलिए समुचित नौकरी भी स्वायत्त की । हमें अपना निर्णय लेने का अधिकार था। इससे बढकर, अपना अगला भोजन कहाँ से मिलने के बारे में हमें कोई चिंता नहीं है, पर भारत के 70 प्रतिशत लोग उनके अगले भोजन से चिंतित हैं। उन्होंने जोडा, यहाँ उपस्थित आप सब इस बात से अवगत है कि आप का प्रत्येक काम राष्ट्र निर्माण का कार्य है।

अध्यक्ष भाषण में, डॉ.एम.अय्यप्पन गणमान्य अतिथि की बखान की, वे उत्कृष्ट नौकरशाह, सृजनशील एवं बहुत अच्छे व्यक्ति है। आज वे अपने साथ हैं, यह हमारे लिए बेहद खूशी एवं गर्व की बात है। श्री देशीराजु भारत के दिवंगत दार्शनिक राष्ट्रपति डॉ.एस.राधाकृष्णन, जिसका जन्मदिन (5 सितंबर) भारत में अध्यापक दिवस के रूप में मनाता है, के पोता हैं। अपने भाषण में उन्होंने कहा कि, एचएलएल अन्य सार्वजनिक उद्यमों से भिन्न है। इसके सभी क्रियाकलाप मूल्यों पर आधारित हैं। एचएलएल का प्रमुख उद्देश्य है, हमेशा अपना अलग अस्तित्व बनाए रखना और समाज को कोई सार्थक कार्य प्रदान करना। एचएलएल के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक ने सचिव को विश्वास दिलाया कि कंपनी द्वारा ली गयी परियोजनाओं के लिए अपना जीवन देंगे।

बाद में, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक ने सचिव महोदय की उपस्थिति एवं दूसरों को उत्तेजित करने वाले भाषण दिए श्री केशव देशीराजु को पूरे एचएलएल परिवार की तरफ से धन्यवाद अदा किया। सचिव ने इस अवसर पर एचएलएल के इन-हाउस पत्रिका 'फैमिली' के नए अंक का विमोचन भी किया।

उनके नियमित कार्यक्रम के अनुसार श्री देशीराजु ने तिरुवनंतपुरम के मेडिकल कॉलेज के लाइफ़केयर केंद्र का भी संदर्शन किया। लाइफ़केयर केंद्र सर्जिकल उपकरण, सर्जिकल उपभोज्य, आवश्यक जीवन रक्षा औषध ऑफ्तात्मिक दवाएँ और लेंसेस एवं फ्रेइम्स जैसे उपकरण प्रदान करने वाले एक इंडग्रेटेड मेडिकल रीटेल आउटलेट है। यहाँ से दवाएँ एवं उपकरण बाज़ार मूल्य की 40% कटौती दर पर मिलते हैं। यह लाइफ़केयर केंद्र एचएलएल, मेडिकल कॉलेज अस्पताल और केरल सरकार के एक संयुक्त उद्यम है।

मेंटरिंग का दूसरा चरण

स्नेह और विश्वास पर अधिष्ठित एक नौकरी सभ्यता को रूपायित करने के उद्देश से एचएलएल के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक डॉ. एम. अय्यप्पन के मार्गनिर्देश से कंपनी में लागू किये मेंटरिंग कार्यक्रम के दूसरे चरण का श्रीगणेश मई 2009 को कॉर्पोरेट अनुसंधान एवं विकास केंद्र में हुआ । प्रथम चरण की सफलता के बाद शुरु किये इस कार्यक्रम में कंपनी के नये मेंटर और मेंटि दोनों भाग लिये गये। कंपनी के नये युवा अधिकारियों को मेंटि के रूप में चुन लिये जाते हैं और कंपनी के अनुभवी, नेतृत्व कुशल तथा समर्पण भावना से संपन्न अधिकारीगण मेंटर का काम संभालते हैं।

मेंटि, मेटरों में से किसी को अपने मेंटर के रूप में चुना जा सकता है। इससे मेंटरों के साथ बातचीत करके कंपनी या कंपनी के लक्ष्य के बारे में समझने का अवसर भी मेंटी को मिलता है। इसके अलावा वे औद्योगिक - अनौद्योगिक क्षेत्र के विभिन्न ललकारों का सामना करने तथा वैयक्तिक मामलों पर चर्चा करने केलिए भी मेंटरों के पास जा सकते हैं।

सुदृढ रिश्तों को बनाने, कंपनी में एकता और भी मज़बूत करने तथा समान मन और लक्ष्य से आगे बढाने केलिए यह नूतन कार्यक्रम सहायक होगा। यह समझकर अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक ने कंपनी में मेंटरिंग लागू करने केलिए प्रमुखता दी।

अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक ने मेंटरिंग के दूसरे चरण का उद्घाटन करते हुए कहा कि एडमण्ड हिलारी और टेनसिंग नोर्ग ने पचास वर्ष पहले इसी दिन में (मई 29) एवरेस्ट पर भारत का झंडा फहराया। अतः हमारा लक्ष्य है - "ऊँचाई पर जीत लेना"। इसके लिए हमें एकजुड होकर आगे बढना चाहिए। साथ ही विश्वास पर आधारित रिश्ता चाहिए। यहाँ आपसी विश्वास ही सर्वप्रमुख है।

उन्होंने जोडा कि एक नेता केलिए उसका स्वभाव और उसके मूल्य बहुत प्रमुख है। अतः नौकरी में समर्पण भाव होना और साथ ही दूसरों की रक्षा करना ये दोनों एक मेटर केलिए अति - आवश्यक है। ज्ञान पाने की लालसा , ऊँचाई तक पहूँचाने की तत्परता, विशाल मन ये सारे गुण एक मेंटी केलिए अत्यंत आवश्यक है। अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक ने इस अवसर पर मेटरों के नाम संकलित निर्देशिका की प्रति निदेशक (तकनीकी एवं प्रचालन) डॉ. के .आर. एस कृष्णन को देकर इसका प्रकाशन कार्य भी किया।

इस अवसर पर श्री.के.के.विनयकुमार, उपाध्यक्ष (मानव संसाधन) ने स्वागत का काम संभाला। डॉ. के.आर.एस कृष्णन, निदेशक (तकनीकी एवं प्रचालन) और श्री सतीश कुमार, वरिष्ठ उपाध्यक्ष (एसपी & सीक्युए) ने आशीर्वाद भाषण दिया। आगे श्रीमती सरस्वती देवी, सह उपाध्यक्ष (मानव संसाधन) ने कृतज्ञता भी अदा किया।

एचएलएल के हिंदी पखवाड़ा समारोह का उद्‌घाटन भद्रदीप प्रज्ज्वलित करते हुए कर रहे हैं केरल के सम्माननीय राज्यपाल श्री निखिल कुमार।

राजभाषा से जुडी रंगारंग कार्यकलाप

हिंदी पखवाड़ा समारोह

हमारी राष्ट्रभाषा हिंदी भाषायी विविधता से संपन्न भारत की राष्ट्रीयता का द्योतक है। संघ सरकार की राजभाषा के रूप में इसका प्रचार प्रसार करना हमारी संवेधानिक जिम्मेदारी भी बन गयी। इस दृष्टि से कंपनी के हिंदी कार्यान्वयन में प्रभावपूर्ण वृद्धि लाने के उद्देश्य से हम लगातार विभिन्न तरह के कार्यक्रम आयोजित रह रहे हैं। इनमें हिंदी दिवस/हिंदी पखवाड़ा समारोह को अतीव प्रमुखता देकर यह रंगीले तौर पर हर साल मनाया जाता है। विद्यमान वर्ष में भी कंपनी में हिंदी पखवाड़ा समारोह धूमधाम से मनाया गया। 8 अक्तूबर, 2013 को आयोजित हिंदी पखवाड़ा के उद्‌घाटन समारोह के मुख्यातिथि केरल के सम्माननीय राज्यपाल श्री निखिल कुमार जी थे। एचएलएल की पेरूरकड़ा फैक्टरी के 'सर्गम' ऑडिटोरिटम में आयोजित समारोह का श्रीगणेश श्री निखिल कुमार जी ने भद्रदीप प्रज्ज्वलित करके किया। आगे उन्होंने अपने उद्‌घाटन भाषण में कहा कि बोलचाल में सरल शब्दों का प्रयोग करना चाहिए। जिससे अहिंदी भाषियों के बीच में भी हिंदी को मान्यता मिलेगी। लेकिन हिंदी में बोलने के लिए किसी को भी मज़बूर न करना, नहीं तो यह हिंदी भाषा के विकास के लिए बाधा पड जाएगी। दैनिक कार्यों में हिंदी का प्रयोग न करने वालों को मज़बूर न करके इस भाषा की ओर आकृष्ट करने से मात्र ही सरकार के लक्ष्य के अनुसार प्रगति हिंदी भाषा के क्षेत्र में होगी।

1949 सितंबर, 14 को हिंदी भाषा को संघ सरकार की राजभाषा की पदवी मिल गयी लेकिन 64 वर्ष बीत जाने पर भी हम इस भाषा के प्रचार-प्रसार के कार्य में निरत हैं। हिंदी भाषा के प्रचार की गति में हुई कमी का कारण प्रयत्न का अभाव नहीं है। इसके विकास के लिए हमें कई तरीकायें अपनानी चाहिए। प्रादेशिक भाषाओं, अंग्रेज़, उर्दु जैसी भाषाओं के शब्दों को हिंदी के साथ जोडकर बोलना हिंदी भाषा की प्रगति तथा अहिंदी भाषीवालों के मन में इसके प्रति रुचि पैदा करने के लिए भी अत्यंत सहायक होगा। नैगलैंट के राज्यपाल होते समय मैंने कई लोगों का हिंदी भाषण सुना है। इसकी तुलना में केरलीयों का उच्चारण अत्यंत स्पष्ट सुवाच्य एवं अच्छा है। साथ ही उन्होंने स्वास्थ्य रक्षा के क्षेत्र में एचएलएल के योगदानों की खूब सराहना की।

इस अवसर पर एचएलएल के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक डॉ.एम.अय्यप्पन ने अध्यक्ष की भूमिका निभायी। उन्होंने राज्यपाल महोदयजी के आगमन पर अपनी खुशी प्रकट करते हुए राजभाषा हिंदी के प्रोन्नमन के लिए कंपनी में आयोजित किए जा रहे विविध कार्यक्रमों एवं इस क्षेत्र में कंपनी को प्राप्त उपलब्धियों को स्पष्ट किया।

श्री शंकराचार्य संस्कृत विश्वविद्यालय, तिरुवनंतपुरम प्रादेशिक केंद्र की हिंदी विभागाध्यक्षा प्रोफेसर डॉ.के.श्रीलता ने अपने आशीर्वाद भाषण में भारत जैसे विशाल देश में हिंदी भाषा की प्रमुखता तथा इसके प्रभावी कार्यान्वयन में अडे रहे एचएलएल द्वारा किए गए कार्यों की प्रशंसा की।

आगे केंद्र गृह मंत्री श्री सुशील कुमार शिंदे और केंद्र स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री श्री गुलाम नबी आज़ाद के हिंदी दिवस का संदेश क्रमशः डॉ. के.आर.एस.कृष्णन, निदेशक(तकनीकी एवं प्रचालन) और डॉ.बाबु तोमस, वरिष्ठ उपाध्यक्ष (मानव संसाधन एवं आई बी डी) ने पढ़ा। समारोह में श्री.के.के.सुरेश कुमार, निदेशक (विपणन) और श्री आर.पी.खण्डेलवाल ने स्वागत एवं कृतज्ञता का काम संभाला।

कंपनी में आयोजित विविध कार्यक्रमों के विजेताओं का पुरस्कार वितरण भी इस अवसर पर सम्माननीय राज्यपाल महोदय जी द्वारा किए गए।

रोलिंग शील्ड :

कंपनी के हरेक यूनिट के राजभाषा कार्यान्वयन में उत्तरोत्तर बढ़ावा लाने के लिए प्रोत्साहित करने की ओर राजभाषा के प्रोन्नमन में सर्वोत्कृष्ट यूनिट के लिए एचएलएल के निगमित मुख्यालय द्वारा एक रोलिंग शील्ड लगायी गयी है। यह, हर साल जनवरी से दिसंबर तक की अवधि में प्रत्येक यूनिट में किए राजभाषा कार्यान्वयन के आधार पर दिया जाता है। विद्यमान वर्ष में यह पुरस्कार राजभाषा के सर्वोत्कृष्टनिष्पादनार्थ पेरूरकड़ा फैक्टरी को प्राप्त हुआ। सम्माननीय श्री निखिल कुमार जी के करकमलों से यह पुरस्कार पेरूरकड़ा फैक्टरी के यूनिट प्रधान श्री बी.राजेंद्रन ने हासिल किया।

अग्रणी अनुभाग पुरस्कार :

पेरूरकड़ा फैक्टरी के अनुभागवार हिंदी कार्यान्वयन में वृद्धि लाने और कर्मचारियों को प्रोत्साहित करने के लिए वहाँ संस्थापित अग्रणी अनुभाग पुरस्कार - प्रथम स्थान के लिए लैब अनुभाग तथा दूसरे स्थान के लिए भंडार अनुभाग चुन लिए गए। ये पुरस्कार श्री निखिल कुमार जी ने श्री पी.विजयकुमार, उप महा प्रबंधक (लैब व भंडार) और श्रीमती एस.वी.बानु, वरिष्ठ प्रबंधक (लैब) को प्रदान किया।

उत्तम लेख पुरस्कार :

कंपनी के कर्मचारियों और उनके बच्चों के मन में हिंदी पढने और लिखने की रुचि जगाने तथा उन्हें प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से कंपनी में उत्तम लेख पुरस्कार लगाया गया है। इस पुरस्कार के लिए चुन ली गयी श्रीमती गीतादेवी, आक्कुलम फैक्टरी को सम्माननीय राज्यपाल जी ने यह पुरस्कार प्रदान किया।

प्रशस्ति पत्र :

हिंदी के गणमान्य विद्वान और लोकसभा एवं राज्यसभा के संसद सदस्य तथा संसदीय राजभाषा समिति के उपाध्यक्ष स्वर्गीय श्री शंकर दयाल सिंह के स्मरण में कंपनी में संस्थापित स्वर्गीय शंकर दयाल सिंह "स्मृति पुरस्कार योजना" के लिए एचएलएल की पेरूरकड़ा फैक्टरी की श्रीमती शैलजा, कनिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी हकदार बन गयी। यह पुरस्कार भी आदरणीय राज्यपाल श्री निखिल कुमार जी द्वारा प्रदान किए गए। यह "प्रशस्ति पत्र" भारी उद्योग एवं लोक उद्यम मंत्रालय, दिल्ली के निर्देशानुसार कंपनी में लागू किया गया। प्रत्येक वर्ष में कंपनी के सभी यूनिटों के बीच में राजभाषा में प्रशंसनीय कार्य करने वाले एक कर्मचारी को यह प्रशस्ति पत्र प्रदान करता है।

इसके अलावा हिंदी प्रशिक्षण संस्थान द्वारा आयोजित प्रबोध/ प्रवीण/प्राज्ञ परीक्षाओं में विजयी हुए कंपनी के कर्मचारियों तथा कंपनी में स्वास्थ्य संबंधी विषय पर आयोजित राजभाषा सेमिनार के विजेताओं - श्रीमती एस.वी.बानु, वरिष्ठ प्रबंधक, पी एफ टी, श्रीमती चुन्नु मूकांबिका, प्रबंध प्रशिक्षार्थी, आर & डी केंद्र, आक्कुलम, डॉ.हरींद्र शर्मा, सहायक निदेशक (राजभाषा) प्रभारी, दूरदर्शन केंद्र, श्रीमती रश्मि हरिहरन, हिंदी सहायक, आयुर्वेद मातृ शिशु स्वास्थ्य रक्षा अनुसंधान संस्थान, श्री पी.एस.अनिल कुमार, कार्यालय प्रधान, भारतीय भूसर्वेक्षण एवं डॉ.महेंद्र सावंत, सह प्रोफसर, एल एन सी पी ई को भी सम्माननीय राज्यपाल महोदयजी द्वारा पुरस्कार वितरित किए गए।

केरल के सम्माननीय राज्यपाल श्री निखिल कुमार से अग्रणी अनुभाग पुरस्कार हासिल करते हैं श्री बी.राजेंद्रन,यूनिट प्रधान,पेरूरकडा फैक्टरी।

हिंदी प्रतियोगिताएँ

कंपनी के कर्मचारियों और उनके बच्चों को हिंदी कार्यक्रमों में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करने को लक्ष्य कर हम ने हिंदी पखवाड़ा समारोह के दौरान कंपनी के यूनिटों में विविध प्रकार की प्रतियोगिताएँ आयोजित कीं। 27 अक्तूबर, 2013 प्रातः 10.00 बजे को पेरूरकड़ा फैक्टरी में कंपनी के कर्मचारियों के बच्चों के लिए आयोजित विविध प्रतियोगिताओं - श्रुत लेखन, वक्तृता, हिंदी निबंध लेखन, सुलेख, देशभक्ति गीत, हिंदी अनुवाद, फिल्मी गीत - में प्राइमरी, हाई स्कूल और कॉलेज स्तर के 28 बच्चों ने सक्रिय रूप से भाग लिया। दुपहर के बाद कर्मचारियों के लिए हिंदी वक्तृता, हिंदी फिल्मी गीत, हिंदी देशभक्ति गीत, हिंदी कविता पाठ आदि प्रतियोगिताएँ चलायी गयीं। इसके अलावा 31 अक्तूबर, 2013 को निगमित मुख्यालय और 1 नवंबर, 2013 को पेरूरकड़ा और आक्कुलम फैक्टरी के कर्मचारियों के लिए प्रशासनिक शब्दावली,टिप्पण व आलेख, हिंदी लघु कहानी, हिंदी निबंध लेखन, हिंदी अनुवाद जैसी यूनिटवार प्रतियोगिताएँ भी आयोजित की गयीं। आगे 29/10/2013 को उप महा प्रबंधक से सह उपाध्यक्ष स्तर तक के अधिकारियों तथा 5

नवंबर, 2013 को उपाध्यक्ष से वरिष्ठ उपाध्यक्ष स्तर तक के अधिकारियों के लिए भी हिंदी प्रतियोगिताएँ चलायी गयीं। इसके अलावा हमारे केंद्रीय विपणन कार्यालय, चेन्नै में 21 नवंबर, 2013 को आयोजित हिंदी प्रतियोगिताओं में 23 कर्मचारियाँ और एचएलएल बायोटेक लिमिटेड, चेन्नै में 22 नवंबर को आयोजित प्रतियोगिता में 19 कर्मचारियों ने भाग लिए।

हिंदी कार्यशाला :

संघ सरकार की राजभाषा नीति का पूरा कार्यान्वयन के लिए कर्मचारियों को समयबद्ध प्रशिक्षण देना अति- आवश्यक है। अतः कर्मचारियों तो हमेशा जागरूक बनाने के लिए तथा उन्हें हिंदी में भी काम करने के लिए सक्षम बनाने की ओर हम हर महीने और विशेषतः हिंदी पखवाड़ा समारोह के दौरान प्रत्येक श्रेणी के अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए हिंदी कार्यशाला आयोजित कर रहे हैं। इस साल में भी हमने विविध प्रशिक्षण कार्यक्रम - अधिकारी/कनिष्ठ अधिकारी/अधीक्षक/पर्यवेक्षकों के लिए राजभाषा नीति पर पुनश्चर्या कार्यक्रम, फैक्टरी स्टॉफ के लिए राजभाषा नीति पर जागरूकता कार्यक्रम, संघ नेताओं के लिए राजनीति पर जागरूकता कार्यक्रम, सहायक प्रबंधक से प्रबंधक स्तर के अधिकारियों के लिए राजभाषा पर पुनश्चर्या प्रशिक्षण कार्यक्रम, उप महा प्रबंधक से सह उपाध्यक्ष के स्तर के अधिकारियों के लिए राजभाषा नीति पर जागरूकता कार्यक्रम - आयोजित किए। इस प्रकार विद्यमान वर्ष में करीब 164 अधिकारी/कर्मचारियों को प्रशिक्षित किए गए। इसके अलावा एचएलएल की काक्कनाड़ फैक्टरी, कोच्चिन, कनगला फैक्टरी, बेलगाम में भी वहाँ के कर्मचारियों के लिए राजभाषा नीति पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया।

एल एम एस स्कूल में हिंदी प्रतियोगिताएँ : हिंदी पखवाड़ा समारोह के सिलसिले में कंपनी के कॉर्पोरेट सामाजिक जिम्मेदारी कार्यक्रमों के अधीन दत्त लिए स्कूलों को मिलाकर 5 नवंबर, 2013, अपराह्न 3.00 बजे को एल एम एस हायर सेकंडरी स्कूल, वट्टप्पारा में प्राइमरी, हाई स्कूल और हायर सेकंडरी स्तर के बच्चों के लिए सुलेख, हिंदी वक्तृता, हिंदी निबंध लेखन, हिंदी कविता पाठ, हिंदी वाचन जैसी प्रतियोगिताएँ आयोजित की गयी। एल एम एस हायर सेकंडरी स्कूल, वट्टप्पारा, एल एम एस हाई स्कूल वट्टप्पारा, सरकारी यु.पी.स्कूल, कषनाडु, सरकारी वोकेशनल हायर सेकंडरी स्कूल, करकुलम, सरकारी वोकेशनल हाई स्कूल, करकुलम और सकारी यु.पी.स्कूल, करकुलम से कुल 212 छात्र-छात्राओं ने इन प्रतियोगिताओं में भाग लिए।

वाक्-पटुता कार्यक्रम

अपने विचारों को हिंदी में व्यक्त करने और इस प्रकार हिंदी में बोलने के झिझक दूर करने तथा अपने कर्मचारियों के मन में इस भाषा के प्रति अभिरुचि जगाने एवं बढ़ाने को लक्ष्य कर के हम हर साल हिंदी पखवाड़ा समारोह के दौरान अपने कर्मचारियों के लिए कंपनी से जुडी विषय पर वाक्-पटुता कार्यक्रम आयोजित कर रहे हैं। 16 नवंबर, 2013 अपराह्न 3.00 बजे को निगमित मुख्यालय के अक्षया हॉल में आयोजित वाक्-पटुता कार्यक्रम का विषय था "विशन 2020"। इसमें कंपनी के 30 अधिकारियों/कर्मचारियों की भागीदारी हुई। जिन में सात अधिकारी इस प्रतियोगिता का हिस्सा बन गया। श्री वेणुगोपाल.एस., उप महा प्रबंधक, प्रभारी और श्रीमती एस.वी.बानु, वरिष्ठ प्रबंधक को प्रथम पुरस्कार, श्री राहुल ओझा, सहायक प्रबंधक एवं कुमारी स्मृति पंत, सहायक प्रबंधक को दूसरा पुरस्कार तथा श्री बिजु अगस्टिन, सहायक प्रबंधक, श्री ऋषिकेश कुमार, सहायक प्रबंधक एवं श्रीमती निर्मा.सी.नायर, सहायक प्रबंधक को तीसरा स्थान भी प्राप्त हुआ। इस कार्यक्रम में कंपनी के उपाध्यक्ष एवं कंपनी सचिव श्री पी.श्रीकुमार भी उपस्थित थे। श्रीमती विशालाक्षी, सेवानिवृत्त सहायक निदेशक एवं टोलिक के सदस्य सचिव और कंपनी के वरिष्ठ उपाध्यक्ष श्री सतीश कुमार ने निर्णायक की भूमिका निभायी।

हिंदुस्तान लैटेक्स रिक्रियेशन क्लब के वार्षिक सम्मेलन और हिंदी मेला में उद्घाटन भाषण दे रहे हैं एचएलएल के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक डॉ. एम. अय्यप्पन ।

हिंदी मेला :

एचएलएल के निगमित कार्यालय के रिक्रियेशन क्लब के सहयोग से 14 अगस्त, 2013 को मुख्यालय के पास के कैलास ऑडिटोरियम में हिंदी मेला आयोजित किया गया। हिंदी फिल्मी गीत, सिनेमाटिक डान्स, हिंदी स्किट, हिंदी में विज्ञापन जैसे रंगीले कार्यकलाप इस अवसर पर प्रदर्शित किए गए। इसमें हमारे विविध यूनिटों के कर्मचारियों की सक्रिय भागीदारी हुई। इससे हमारा लक्ष्य था हिंदी के प्रति एक अनुकूल वातावरण बनाना।

हिंदी स्मरण परीक्षा :

एक माहवार कार्यक्रम, जो कंप्यूटर के ज़रिए अपने कर्मचारियों को रोज़ भेज देनेवाले शब्दों के आधार पर चलाया जाता है। यह एचएलएल के मुख्यालय और अन्य यूनिटों में संपन्न होता है। हम प्रत्येक महीने का पहला कार्यदिवस हिंदी दिवस के रूप में मनाते हैं। अतः कुछ यूनिटों में इस दिवस पर 'स्मरण परीक्षा' चलायी जाती हैं। इससे हमारा उद्देश्य है कंपनी से संबंधित और राजभाषा प्रशासनिक शब्दों से अपने कर्मचारियों को परिचित कराना और इस प्रकार अपना कार्यालयीन काम हिंदी में करने के लिए उनको प्रेरित करना। स्मरण परीक्षा के विजेताओं को पुरस्कार भी प्रदान किए जाते हैं। मुख्यालय तथा प्रत्येक यूनिट में यह कार्यक्रम सही ढंग से चलाया जाता है। कुछ यूनिटों में यह महीने के प्रथम कार्यदिवस, कंपनी में यह हिंदी दिवस के रूप में मनाया जाता है, पर आयोजित कर रहा है।

गैर संस्थाओं के साथ भागीदारी :

राजभाषा हिंदी के प्रोन्नमन में प्रमुखता देकर हम कंपनी के मात्र नहीं अन्य गैर संस्थाओं के विविध हिंदी कार्यक्रमों में भाग लेते हैं। इस प्रकार हिंदी के बाहरी कार्यकलापों में अपने कर्मचारियों को प्रतिनियुक्त करके उनको अधिक प्रोत्साहन दे रहे हैं।

तिरुवनंतपुरम नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (टोलिक) के हरेक कार्यक्रम में भी हमारी सक्रिय भागीदारी होती है। 22 मई, 2013 को एचएलएल की पेरूरकड़ा फैक्टरी में आयोजित 'तिमाही प्रगति रिपोर्ट ऑनलाइन भेजने संबंधी प्रशिक्षण कार्यक्रम' का उद्घाटन मुख्य पोस्टमास्टर जनरल एवं टोलिक की अध्यक्षा श्रीमती शोभा कोशी ने किया। श्री केवल कृष्णन, वरिष्ठ तकनीकी निदेशक, गृह मंत्रालय ने उक्त विषय पर क्लास लिया। इस अवसर पर क्षेत्रीय कार्यान्वयन कार्यालय, कोच्चि के सहायक निदेशक (राजभाषा), श्री पी.विजयकुमार, एचएलएल के कंपनी सचिव श्री पी.श्रीकुमार और सहायक निदेशक (राजभाषा) एवं टोलिक का सदस्य सचिव श्री मोहन चौधरी ने भाषण दिया। इस कार्यक्रम में टोलिक के सदस्य कार्यालयों के कार्यालय प्रमुख एवं हिंदी कार्मिकों ने भाग लिया ।

केरल हिंदी प्रचार सभा के तत्वावधान में केरल राज्य के केंद्र सरकार के कार्यालयों, निगमों, उपक्रमों एवं राष्ट्रीयकृत बैंकों की सहभागिता से 13-28 सितंबर, 2013 तक आयोजित राज्यस्तरीय

तिरुवनंतपुरम नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति द्वारा आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम में क्लास लेते हैं श्री केवल कृष्णन,वरिष्ठ तकनीकी निदेशक,गृह मंत्रालय।

हिंदी पखवाड़ा समारोह के विविध कार्यक्रमों में कंपनी के कर्मचारियों की खूब भागीदारी हुई। 19.09.2013 को आयोजित राजभाषा प्रदर्शनी में कंपनी को प्रथम स्थान मिला। 26 सितंबर, 2013 को चलाए गए राजभाषा कार्यशाला में कंपनी के हिंदी अनुवादक श्रीमती लीना ने भाग लिया।

23 सितंबर, 2013 को आयोजित विविध हिंदी प्रतियोगिताओं में हिंदी निबंध - श्रीमती कविता.वाई.आर., पेरूरकड़ा फैक्टरी (तृतीय पुरस्कार), हिंदी अनुवाद - श्रीमती जे.गिरिजा मीनाटूर, मुख्यालय (तृतीय पुरस्कार), टिप्पण एवं आलेखन & तकनीकी शब्दावली - श्रीमती उषाकुमारी, पेरूरकड़ा फैक्टरी (तृतीय पुरस्कार), हिंदी कविता पाठ - श्रीमती शैलजा के.एस., पेरूरकड़ा फैक्टरी (दूसरा पुरस्कार), श्रीमती इंदिराम्मा, पेरूरकड़ा फैक्टरी (तृतीय पुरस्कार), हिंदी वक्तृता - श्रीमती एस.वी.बानु, पेरूरकड़ा फैक्टरी (दूसरा पुरस्कार), हिंदी फिल्मी गीत - श्रीमती जयमणी, पेरूरकड़ा फैक्टरी (प्रथम पुरस्कार), श्री नंदकुमार.एन., पेरूरकड़ा फैक्टरी (दूसरा पुरस्कार) आदि कंपनी के अधिकारी/कर्मचारियों ने भाग लेकर विजेता बन गए। प्रतियोगिताओं के आधार पर कंपनी को दूसरा पुरस्कार भी प्राप्त हुआ।

केरल हिंदी साहित्य अकादमी द्वारा 14 अगस्त, 2013 को तीर्थपाद मंडप, तिरुवनंतपुरम में "भारत नवोत्थान और कवींद्र रवींद्रनाथ ठाकूर" विषय पर आयोजित सम्मेलन में कंपनी के हिंदी अधिकारी डॉ. सुरेष कुमार.आर. ने भाग लिया।

हिंदी सेवी समन्वय वेदी के तत्वावधान में 27 अगस्त, 2013 को वी.जे.टी हॉल, तिरुवनंतपुरम में गठित किए विशाल हिंदी सम्मेलन में कंपनी के हिंदी अधिकारी की भागीदारी हुई।

स्मरण परीक्षा -स्कूलों में

राजभाषा हिंदी के प्रचार-प्रसार की दृष्टि से कंपनी के कॉर्पोरेट जिम्मेदारी कार्यक्रमों के अधीन दत्त लिये एल एम एस हाईस्कूल, वट्टप्पारा और सरकारी वोकेशनल हायर सेकंडरी स्कूल, करकुलम के विद्यार्थियों के लिए स्मरण परीक्षा चलायी गयी । प्रत्येक स्कूल के पच्चास से अधिक छात्र-छात्राओं ने इसमें भाग लिये । विजेताओं को स्कूल असेंब्ली के समय प्रधानाध्यापक द्वारा पुरस्कार प्रदान किये गये। इन स्कूलों में एचएलएल द्वारा दिये बोर्ड पर शब्द लिखे जाते हैं । इन शब्दों के आधार पर स्मरण परीक्षा चलायी जाती है ।

एचएलएल को प्राप्त पुरस्कार

टी एम ए नवाचार पुरस्कार

केरल राज्य के अपशिष्ट प्रबंधन के प्रशंसनीय पहलों के सिलसिले में तिरुवनंतपुरम प्रबंधन संस्था द्वारा आयोजित प्रथम " टी एम ए नवाचार पुरस्कार" के लिए एचएलएल लाइफ़केयर लिमिटेड और देशीय मूल्यों के पुनरुद्धार संस्था (एफ आर एन वी) हकदार बन गये। श्री शशि तरूर, मानव संसाधन संघ राज्य मंत्री ने 22 जुलाई, 2013 को एचएलएल के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक डॉ.एम.अय्यप्पन और श्री.के.के.सुरेश कुमार, निदेशक (विपणन) को यह पुरस्कार प्रदान किया। एचएलएल और एफ आर एन वी ने तिरुवनंतपुरम शहर के ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के सतत प्रबंधन के लिए नवाचार एवं कार्यान्वयन समाधान प्रस्तुत किया।

प्रदूषण एवार्ड

प्रदूषण नियंत्रण कार्यकलापों के तत्वावधान में बृहत् उद्योगों की श्रेणी में केरल राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा लगाए गए प्रदूषण पुरस्कार एचएलएल की पेरूरकड़ा फैक्टरी को प्राप्त हुआ। 5 जून, 2013 को तिरुवनंतपुरम के कनकक्कुन्नु पालस में आयोजित समारोह के अवसर पर केरल के सम्माननीय सहकारिता मंत्री श्री सी.एन. बालकृष्णन के करमकमलों से श्री बी.राजेंद्रन, यूनिट प्रधान और श्री तंपी तोमस, कार्यपालक निदेशक और ग्रूप प्रधान - कंडोम और एफ एम सी एस ने यह पुरस्कार हासिल किया। इस अवसर पर श्री के.मुरलीधरन, एम एल ए भी उपस्थित थे।

निष्पादन उत्कृष्टता पुरस्कार

एचएलएल लाइफकेयर लिमिटेड ने औद्योगिक इंजीनियरिंग संस्थान (आई आई आई ई) द्वारा गोल्ड श्रेणी में संस्थापित "निष्पादन उत्कृष्टता पुरस्कार - 2012" जीत लिया। आई आई आई ई द्वारा अमृतसर में 21 जून 2013 को आयोजित 17 वाँ सी ई ओ सम्मेलन में यह पुरस्कार एचएलएल के निदेशक (वित्त) श्री आर.पी.खण्डेलवाल ने स्वीकार किया।

कॉर्पोरेट अभिशासन पुरस्कार

कंपनी सामाजिक जिम्मेदारी कार्यक्रमों को अतीव प्रमुखता देकर इस क्षेत्र में विविध प्रकार के कार्यकलाप लगातार आयोजित कर रही है। इस प्रकार गत वर्ष में कॉर्पोरेट सामाजिक जिम्मेदारी को कंपनी द्वारा दिए गए योगदान के मद्देनज़र सार्वजनिक उद्यम संस्थान (आई पी ई) द्वारा लगाए गए आई पी ई सी एस आर कॉर्पोरेट अभिशासन पुरस्कार के लिए एचएलएल लाइफकेयर लिमिटेड को चुन लिया गया। 2012 को मुंबई के ताज़ लांड्स एंड में आयोजित समारोह के अवसर पर कंपनी के लिए श्रीमती वी. सरस्वती देवी, सह उपाध्यक्ष (मानव संसाधन) और श्री राजेष.आर, क्षेत्रीय प्रबंधक (डब्लियु एच डी) ने यह पुरस्कार हासिल किया।

राजभाषा प्रदर्शनी पुरस्कार

केरल हिंदी प्रचार सभा के राज्यस्तरीय हिंदी पखवाड़ा समारोह के दौरान 19 सितंबर, 2013 को आयोजित राजभाषा प्रदर्शनी में एचएलएल अपनी राजभाषा उपलब्धियों का भलीभांति निदर्शन किया और प्रथम स्थान प्राप्त करने को कामयाब बन गया। 28 सितंबर, 2013 को संपन्न हुए हिंदी पखवाड़ा के समापन समारोह के अवसर पर एचएलएल के अनुसंधान एवं विकास केंद्र के प्रधान डॉ.देवाशिश गुहा ने यह पुरस्कार एस बी टी के महा प्रबंधक (मानव संसाधन) श्री ए.एन. कृष्णन से हासिल किया।

राजभाषा सेमिनार में प्रस्तुत लेख

जनसंख्या नियंत्रण में एचएलएल का योगदान

दुनिया की जनसंख्या 6895 करोड़ है। पिछले बीस साल की वृद्धि 30 % है। दुनिया में जनसंख्या की दृष्टि से प्रथम स्थान चैना को है। उनकी वृद्धि 17.1 % है। भारत दूसरे स्थान पर है और पिछले बीस साल से यहाँ की वृद्धि 40 % है। तीसरा स्थान यूणैटेड स्टेट्स को है जिसकी वृद्धि 22.5 % है। 2011 के जनगणना के अनुसार भारत की जनसंख्या 121.019 करोड़ है। केरल में जनसंख्या 3.3 करोड़ है। केरल के विकास दर 4.6 प्रतिशत था। भारत में जनसंख्या की दृष्टि से प्रथम स्थान पर उत्तर प्रदेश (19.95 करोड़) और दूसरे स्थान पर महाराष्ट्रा (11.2 करोड़) है और उनकी वृद्धि क्रमशः 20.1 % और 16 % है।

जनसंख्या वृद्धि के कारण

भारतीय परंपराओं में बाल बच्चों से भरा पूरा घर ही सुख का सागर माना जाता है। इसलिए शादी करने और बच्चों को पैदा करने में भारतीय नागरिक सबसे आगे हैं। किशोरावस्था का अभाव ही इस समस्या का मुख्य आधार है। भारत में महिलाओं को सेक्स के समय या सेक्स के प्रकार या परिवार नियोजन में भी स्वतंत्रता नहीं है। पुरुष असुरक्षित यौन संबंध के परिणामों पर न सोचने से भी आकस्मिक गर्भावस्था का कारण बन जाता है। गर्भनिरोधक मूड्स आम जनता के पहूँच में नहीं है तथा लोग यह खरीदने के लिए शर्मीले भी होते हैं। ये सब जन्मदर की वृद्धि के कारण है।

जनसंख्या वृद्धि का प्रभाव

भारत की अनेक समस्याओं में जनसंख्या वृद्धि की दशा अत्यंत विकराल है। स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद केवल यही समस्या ही भारत में गरीबी, बेरोज़गारी आदि का कारण बन गया। सरकार पाँच साल की योजना और नीतियों से शासन करते हैं। लेकिन जनसंख्या वृद्धि के कारण नैतिकता का पतन होता है। जनसंख्या वृद्धि से भ्रष्टाचार, काला बाज़ारी, प्रदूषण, कुपोषण, भूखमारी, ग्लोबल वार्मिंग, अर्थ व्यवस्था का चौपट, गरीबी आदि विकास में बाधा डालते हैं। ताज़ा पानी और भोजन की बढती माँग से दुनिया में इसकी कमी होती है। कार्बण डै ओकसैड का स्तर बढ़ने से प्रदूषण भी होता है।

जनसंख्या को कम करने की तरीके

हरेक परिवार में **हम दो अपना एक** नीति को लागू करना। गर्भनिरोधक उपाधियों का इस्तेमाल करके आकस्मिक गर्भावस्था को रोकना। जन्म दर कम करने के लिए सरकार की नीतियों को लागू करना। किशोरों को सेक्स शिक्षा देनी चाहिए। नागरिकों की साक्षरता के लिए परिवार नियोजन पर जागरूकता कार्यक्रम और प्रजनन स्वास्थ्य कार्यक्रम आयोजित करना है। आगे गर्भनिरोधक उत्पाद नागरिकों को उपलब्ध किया जाना चाहिए क्योंकि अधिकांश लोग यह खरीदने को झिझकते हैं।

जनसंख्या नियंत्रण में एचएलएल का योगदान

गर्भनिरोध का अर्थ है संतान की उत्पत्ति को रोकना। चिकित्सा पद्धति के अनुसार विभिन्न साधनों के ज़रिए गर्भ निरोध किया जा सकता है, जो स्थाई या अस्थाई हो सकता है। अब गर्भनिरोध से मतलब गर्भधारण को रोकने के साथ-साथ संतान को कम करने के लिए भी होता है। संतान और माता दोनों की स्वास्थ्यरक्षा के लिए दो बच्चों के जन्म के बीच कम से कम पाँच वर्ष का अंतर होना आवश्यक है।

संतति निरोध के कई उपाय है। उनके एक ही उद्देश्य पुरुष के शुक्राणु को स्त्री के अंड से संयोग न होने देना जिससे गर्भिणी न बनना। इस प्रकार अनचाहे गर्भ को रोक सकते हैं। एचएलएल ने 1966 को भारत सरकार के स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के अधीन एक संस्था के रूप में अपना यात्रा शुरू किया। कंपनी ने 4 अप्रैल, 1969 को पेरूरकड़ा, तिरुवनंतपुरम में अपना वाणिज्यक प्रचालन प्रारंभ किया। एचएलएल संसार के एकमात्र कंपनी है जो जनसंख्या वृद्धि पर नियंत्रण लाने की दृष्टि से व्यापक प्रकार के गर्भनिरोधकों का विनिर्माण एवं विपणन करती है। इसका उपयोग करके लोग अनचाहे गर्भ पर रोक लगा सकते हैं। आज की युवा पीढ़ी जो शादी के पहले सेक्स करते हैं उनके लिए यह बहुत ही उपयोगी है।

हम जनसंख्या निवारण के लिए पुरुष कंडोम, स्त्री कंडोम, इंट्रायूटेरिन उपकरणों, मौखिक गर्भनिरोधक गोलियाँ, ट्यूबल रिंग्स, इंजेक्टबिल चक्र मोती आदि के उत्पादन और विपणन करते हैं। एचएलएल ने नागरिकों को गर्भनिरोधक उत्पादों की उपलब्धता के लिए कंडोम की दूकान शुरु की है और मूड्स खरीदने की झिझक को दूर करने तथा आत्मविश्वास पैदा करने के लिए विविध अभियान कार्यक्रम भी आयोजित किये है। कई तरह के गर्भ निरोधकों एवं उनके उपयोग के बारे में और अपने परिवार को सही ढंग में व्यवस्थित करने के संबंध में विविध जागरूकता कार्यक्रम किशोरों, विद्यार्थियों, अध्यापक और आम जनता के लिए भी आयोजित किये जाते हैं। एचएलएल, कॉर्पोरेट सामाजिक जिम्मेदारी कार्यक्रम से जनसंख्या जैसी बडी समस्या से राहत दिलाने के लिए अहम भूमिका निभाता है।

पुरुष कंडोम

मूड्स कंडोम को सूपर ब्रान्ड पदवी दूसरे साल में भी मिली है। सुरक्षित सेक्स के लिए नया मूड्स अभियान है - आपका समय अपनी जगह और आपके मूड्स। वह दुनिया भर के प्रमुख बाज़ारों में चल रहा है। अब मूड्स के उन्नीस रूपान्तर उपलब्ध है। दुनिया के 33 राज्यों में मूड्स उपलब्ध है।

तिरुवनंतपुरम की पेरूरकड़ा फैक्टरी, बेलगाम की कनगला फैक्टरी और गजवाल फैक्टरी में 1600 दशलक्ष अदद मूड्स के विनिर्माण करने की क्षमता है। यह विश्व उत्पादन क्षमता की 10 प्रतिशत की गणना करती है। कंडोम पैकिंग और भंडारण कार्यों के लिए बालरामपुरम में स्पिन्निंग मिल के पास चार मंजिलों में 51000 क्षेत्र फल में एक मकान का निर्माण किया गया है। अब कंडोम पैकिंग और भंडारण के लिए छः जगह है। नया मकान पैकिंग का एकीकृत केंद्र रहेगा। पेरूरकड़ा फैक्टरी की जगह की कमी के लिए यह नितांत हल होगा।

महिला कंडोम

कोच्चि में एक महिला कंडोम संयंत्र है। यहाँ की संस्थापित क्षमता 7 दशलक्ष अदद है। 'वेलवेट' नैट्राइल रबड़ से और 'कोनफिडोम' पोलियूरितेन से बनाया महिला कंडोम है। महिला कंडोम योनिभाग में प्रविष्ट करने पर यह गर्भाशय के बहिद्वार एवं ग्रीवा तक जाती है और गर्भाशय द्वार को पूर्णतया ढंक लेता है।

अंतरूनी गर्भाशय उपकरण

स्त्री की गर्भनिरोधक उपाधियों में इसको दूसरा स्थान है। कॉपर-टी एक अंतरूनी गर्भाशय उपकरण है। यह 'टी' आकार का है उसमें ताँबे के तार होते हैं।

एम केयर सी यू 375 में 375mm^2 कॉपर होती है।
एम केयर 250 में 250 mm^2 कॉपर होती है।

अब नया संस्करण 'वाई केयर' भी बाज़ार में आ गया है। यह लंबे समय तक की गर्भनिरोधक उपाधी है। यह गैर हॉर्मोनल गर्भनिरोधक डिवाइस है और इसे एक चिकित्सक द्वारा डाला जा सकता है। इसके निवेशन प्रक्रिया के लिए कम से कम 5 मिनट लगते हैं। सहेली पिछले 18 वर्षों से दुनिया की एकमात्र स्टिरॉइडल रहित गर्भनिरोधक गोली है। ये गोलियाँ लेने में आसान हैं। इस हफ्ते में एक बार की सहेली से दूषित प्रभाव जैसे मोटापा, उल्टियाँ और चक्कर बिलकुल नहीं है, क्योंकि यह शत प्रतिशत स्टिरॉइड रहित गर्भनिरोधक गोली है।

मौखिक गर्भनिरोधक गोलियाँ

सभी देशों में इन गोलियों का प्रचुर मात्रा में उपयोग किया जा रहा है। इसका प्रभाव अंडग्रंथि से अंड के बाहर आने पर होती है। बेलगाम फैक्टरी में मौखिक गर्भनिरोधक गोलियों का विनिर्माण होता है। ये गोलियाँ स्टिरॉइडल और नॉन-स्टिरॉइडल होती हैं। सहेली एक नॉन- स्टिरॉइडल गोली है। इसको वमन, उल्टी, सिर दर्द इत्यादि साइड इफक्ट्स नहीं है। अर्पण, डीसोजेस्ट, नोजेस्ट्रॉल, माला-डी, माला-एन इत्यादि स्टिरॉइडल गोलियाँ हैं। सहेली के अंतर सेंटक्रोमान है। यह भी हफ्ते में एक बार खाना है। यूणीपिल एक आपातकालीन गर्भनिरोधक गोली है। इस में लवनोर्जेस्ट्राल केमिकल है। असुरक्षित सेक्स के 72 हफ्ते के अंतर ही इसे लेनी चाहिए।

ड्यूबल रिंग

अंड को नसबंदी से गर्भाशय तक पहूँचने से रोकता है। यह जन्म नियंत्रण की स्थाई विधि है। प्रत्येक ट्यूबल अंगूठी फैलोपियन ड्यूब को ब्लॉक करने के लिए प्रयोग किया जाता है। यह सिलिकोण रबड से निर्मित है।

गर्भावस्था के पता लगाने का किट

गर्भावस्था ठीक वक्त में समझने से जन्म को नियंत्रित करने में मदद मिलता है। गर्भावस्था जानने के लिए रक्त जाँच और मूत्र जाँच है। नमूने में ह्यूमन रवोरियोजिक गोणोट्रोपिन हॉर्मोन की उपस्थिति का पता मिलता है। यह हॉर्मोन गर्भवती महिला में होगा। मूत्र में एच सी जी हॉर्मोन की उपस्थिति होगी।

अनुसंधान और विकास गतिविधियाँ

कंपनी के कॉर्पोरेट अनुसंधान एवं विकास केंद्र कंपनी और विविध राष्ट्रीय संस्थाएँ जैसे आई आई टी, कानपूर, आई आई टी, मुंबई, एस टी आई एम एस टी, आर सी सी के सहयोग से अनुसंधान एवं विकास परियोजनाएँ कार्यान्वित कर रहा है। एचएलएल अनुसंधान एवं विकास केंद्र को कोटड कोप्पर-टी के बायो डीग्रेडबिल पोलिमर कोटिंग परियोजना के लिए बिल और मिलिंदा गेट्स फाउण्डेशन से यू एस डोलर 1,00,000 प्राप्त हुआ है। इस साल आक्कुलम में सबसे विकसित अनुसंधान एवं विकास केंद्र की स्थापना हुई। नूतन अभिकल्पना के साथ नए कंडोम विकसित किया गया है (कोफी, बट्टरस्कोच आदि नई खुश्बू वाले)।

कंडोम की दूकान

एचएलएल ने पुलिमूड जंगशन में मूड्स प्लानेट नामक कंडोम की दूकान शुरू की है। इधर एचएलएल के सभी गर्भनिरोधक उपलब्ध है। इसके अलावा टेक्नोपार्क, तिरुवनंतपुरम में कंडोम की दूकान स्थापित की गयी और अन्य आई टी पार्क में कंडोम वेंडिंग मशीन और दूकान खोलने की योजना है।

सैकिल बीड्स

स्त्रीयों के मासिक चक्र के बीच के सुरक्षित काल के आधार पर विकसित किए गए गर्भनिरोधक उपाय सैकिल बीड्स का उत्पादन और विपणन प्रारंभ किया गया। अमरीका के जोर्ज टाउन विश्वविद्यालय के पुनरुत्पादक स्वास्थ्य संस्थान द्वारा विकसित किया गया यह गर्भनिरोधक उपाय गर्भधारण रोकने के सबसे अच्छी तरीका है। मासिक चक्र 26 से 32 दिनों तक के स्त्रियों के लिए यह उपयोगी होगी। ये माल चक्र ऋतुमाला आदी नामों पर बाज़ार में आते हैं। इस सैकिल बीड्स में विशेष रंग की मोतियों के एक माला और एक रबड वलय है। मासिक चक्र के पहले दिन में यह रबड वलय मोतियों के ऊपर से आगे हटाएगा। मोतियों की रंग देखकर किसी विशेष दिनों में लैंगिक संबंध में लगे रहे तो गर्भधारण की संभावना नहीं होगी। एचएलएल लाइफकेयर लिमिटेड और अमरीका के सैकिल तकनॉलजीस के साथ हुए समझौते के आधार पर भारत में इसका उत्पादन और विपणन कार्य एचएलएल संभालता है। सैकिल बीड्स का उद्घाटन सम्माननीय केंद्र स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री श्री गुलाम नबी आज़ाद ने किया।

आत्मविश्वास पैदा करनेवाला अभियान

हाल के सर्वेक्षण के अनुसार भारत के एक तिहायी लोग फार्मसी और अन्य दूकानों से कंडोम खरीदने के लिए अब भी शर्माते हैं। इसके प्रति जागरूकता प्रदान करने के लिए एचएलएल ने 11 जुलाई, विश्व जन संख्या दिवस पर 'मैं शर्मीली नहीं हूँ' - गर्भनिरोधक खरीदने के लिए आत्म विश्वास पैदा करानेवाला अभियान - कार्यक्रम लॉच किया है। एचएलएल सामाजिक नेटवर्किंग वेबसाइट और 'www.iam not shy.com' वेबसाइट के ज़रिए अभियान का प्रोन्नमन करेगा। अभियान के हिस्से के रूप में एचएलएल के स्वयंसेवक रेलवे स्टेशन और बस स्टैंट जैसे सार्वजनिक स्थानों में भी जाएँगे और जागरूकता स्तर को बढ़ाने के लिए ब्राउषर के साथ निशुल्क कंडोम और गर्भनिरोधक उपाधियों का वितरण करेगा।

जागरूकता कार्यक्रम

कंडोम के उपयोग से एड्स जैसी महामारी से हम बच सकते हैं। इस रोग के प्रति लोगों को सही तरह से जागरूकता प्रदान करना अत्यंत ज़रूरी है। इसकी ओर एड्स रैली भी आयोजित की गयी।

एचएलएलएफपीपीटी ने रेड्ड रिब्बन क्लब शुरु किया। आरआरसी का लक्ष्य है एचआई वी/एड्स निवारण,सुरक्षा सहायता और चिकित्सा की सही जानकारी से नवयुवकों को अवगत करके उनकी क्षमता को काम में लाना। पिछले दो सालों से 1700 विद्यार्थी स्वयंसेवकों को प्रशिक्षित किया गया। विद्यार्थियों को अधिक शामिल कराने के लिए नाटक, खेल, अभिनय, चर्चा जैसी प्रशिक्षण प्रणाली भी सम्मिलित की गई।

आरआरसी ने एचआई वी/एड्स के प्रति लोगों को जागरूकता प्रदान करने के लिए इंजीनियरिंग, आर्ट्स और सायन्स कॉलेजों से 52 अध्यापकों को मुख्य संसाधन व्यक्तियों के रूप में भी प्रशिक्षित किया है और इनके द्वारा अनेक प्रशिक्षण कार्यक्रम भी आयोजित कर रहा है। यह जनसंख्या वृद्धि को रोकने के लिए जागरूकता प्रदान करने में बहुत सहायक है। पहले लोग अशिक्षित होने के कारण गर्भनिरोधक उपाधियों का उपयोग नहीं करते थे। इस कारण से जनसंख्या पर कोई काबू नहीं था। अब कंडोम के उपयोग से एक हद तक जनसंख्या वृद्धि पर रोक लगाने में हमें सफलता मिला है। कंडोम का उपयोग बिना किसी झिझक के साथ करना चाहिए। जो शादी से पहले किसी के साथ संबंध में रहते हैं उनके लिए तथा जो तत्काल बच्चे नहीं चाहते उनके लिए भी यह अत्यंत उपयोगी है।

कॉर्पोरेट सामाजिक जिम्मेदारी

कंपनी अपने कॉर्पोरेट जिम्मेदारी कार्यक्रम के अधीन अनेक कार्यकलाप कर रही है। गर्भनिरोधकों के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए नाको के साथ मिलकर सामाजिक विपणन करती हैं। एचएलएलएफपीपीटी ऐसा एक लाभ रहित स्वास्थ्य सेवा संगठन है।

जो उत्तर प्रदेश में गर्भनिरोधकों के सामाजिक विपणन को विस्तार और मज़बूत करने केलिए नाको के साथ कार्य करता है। छह राज्यों में कंडोम को सस्ती दर में सुलभ बनाने के लिए करीब 7000 कंडोम वेंडिंग मशीन को संस्थापित किया गया है।

पश्चिम बंगाल और आंध्राप्रदेश में सामुदायिक कार्यक्रमों और संचार सामग्रियों के माध्यम से महिला कंडोम का उपयोग भी फैलाया। राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण योजना और वार्षिक कार्य योजना कार्यान्वित करने के लिए एसएसीएस को तकनीकी सहायता भी प्रदान की है। एचएलएल के कॉर्पोरेट सामाजिक जिम्मेदारी नीति है दीर्घकालीन विकास के तीन स्तंभ - सामाजिक, पर्यावरणिक एवं आर्थिक क्षेत्र - में विश्वास के साथ एक सामाजिक कॉर्पोरेट बनना।

एचएलएल की संस्कृति

कंपनी के सभी फैक्टरी सेवाओं और उत्पादन में एचएलएल की एक संस्कृति दिखाई पड़ती है। एचएलएल अपनी गतिविधियों में सुरक्षा को महत्व देता है और जोखिम विश्लेषण से यह सुनिश्चित करता है कि ग्राहक कंपनी के सभी उत्पादों के उपयोग से सुरक्षित हैं। साथ ही यह भी सुनिश्चित करें कि एचएलएल के सभी हितधारक भी इससे सुरक्षित एवं संतुष्ट हैं। पर्यावरण की सुरक्षा हरेक मानव का सामाजिक उत्तरदायित्व है। इस पर अधिक ध्यान देकर एचएलएल विविध कार्यक्रम आयोजित करता है। पर्यावरण महीने में पर्यावरण को सुरक्षित रखते हैं। विश्व पर्यावरण दिवस 5 जून को आयोजित समारोह में सुरक्षा एवं पर्यावरण विषय पर एक भाषण और कंपनी के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को वृक्ष के साप्लिंग्स वितरित किये गये।

एचएलएल ऊर्जा संरक्षण पर अधिक ध्यान देता है। इस दृष्टि से बृहत् उद्योगों के ऊर्जा संरक्षण के क्षेत्र में केरल सरकार का ऊर्जा संरक्षण पुरस्कार कंपनी को मिला। हरेक कंपनी की प्रगति उत्पादन क्षमता पर आधारित है। अतः कर्मचारियों को इसकी सही जानकारी प्रदान करना अत्यंत आवश्यक है। उत्पादकता का प्रभाव ग्राहकों पर पडता है,क्योंकि उत्पादन की लागत कम हो जाती है तो उच्च गुणवत्तावाले उत्पाद कम कीमत पर ग्राहकों को उपलब्ध हो जाएगा। एचएलएल के सभी उत्पादों में उच्च गुणवत्ता होती है। इसलिए सर्वोत्कृष्ट रूप से गुणवत्ता का अनुरक्षण करनेवाले संस्थानों के लिए लगाए गए गोल्डन पीकोक राष्ट्रीय गुणवत्ता पुरस्कार एचएलएल को मिला है।

कंपनी ने एस ए पी के प्रारंभ के साथ सभी प्रक्रियाएँ मानकीकृत की हैं। एस ए पी द्वारा प्रदत्त अधिकांश उत्तम पद्धतियाँ अपनाई है। इससे उच्च प्रबंधन दल ठीक वक्त पर सही निर्णय ले सकते हैं। इससे उपभोक्ता को ही फायदा मिलती है। एचएलएल के सभी उत्पादन केन्द्रों को आई एस ओ एच एस ए एस और एन ए बी एल अक्रेडिटेशन भी प्राप्त हुआ है।

सभी उत्पादन केंद्र हमेशा अपने उत्पादों में नवाचार लाने का श्रम करते हैं। कोपर - टी पर बायोडीग्रेडबिल और बायोकोम्पाटबिल पोलिमेर का लेपन है,जिससे इसके उपयोग करने वालों में रक्तस्राव के समय की पीडा भी नहीं होगी। इस नवाचार आविष्कार के लिए बिल और मिलिन्दा गेट्स फाउण्डेशन से 1,00,000 डोलर का उपदान मिला। महिलाओं के गर्भनिरोधक उपायों में दूसरा स्थान कोपर-टी को है। यह अधिक सुरक्षित, सफल एवं लंबी अवधि तक उपयोग करने लायक है। यह परियोजना हमारे नवाचार अनुसंधान का उत्तम दृष्टांत है और यह समाज की भलाई और विश्व स्वास्थ्यरक्षा कार्यक्रम के लिए बहुत अधिक उपयोगी होगी।

पर्यावरण की सुरक्षा हरेक मानव का सामाजिक उत्तरदायित्व है। इस पर अधिक ध्यान देकर एचएलएल विविध कार्यक्रम आयोजित करता है। पर्यावरण महीने में पर्यावरण को सुरक्षित रखते हैं।

सामरिक व्यापार इकाई

कंपनी के व्यवसाय के विस्तार और विविधीकरण के कारण प्रबंधन को विविध चुनौतियों का सामना करना पडा। इन चुनौतियों का सामना करने के लिए कंपनी के व्यावसायिक प्रचालनों में स्वतंत्र सामरिक व्यापार इकाई बनाई गयी। तीन एस बी यु हैं - गर्भनिरोधक, फार्मस्यूटिक्ल्स अस्पताल उत्पाद और सेवाएँ। गर्भनिरोधक और फार्मस्यूटिक्ल्स में पुरुष कण्डोम, महिला कंडोम, अंतर्गर्भाशय उपकरण, मौखिक गर्भनिरोधक गोलियाँ, ट्यूबल रिंग्स, इंजक्टिबिल्स प्रग्नन्सी टेस्ट किट इत्यादि आते हैं।

अस्पताल उत्पादों में आते हैं सर्जिकल और परीक्षण दस्ताने, नाजुक अस्पताल उत्पादें, रक्त आदान सेवाएँ, रक्त आदान सेट, टिश्यू एक्स्पैंडेर्स, हाइड्रोसेफालस षण्ट, रक्त बैंकिंग उपकरण, सर्जिकल स्यूचेर्स, रक्त संचयन बैग,अग्रवर्ती मरीजरक्षा सेवाएँ आदि। मेडिकल अवसंरचना विकास, नैदानिक केंद्र, हिंदलैब्स, लाइफ़केयर केंद्र और प्रापण परामर्श केंद्र आदि एचएलएल के सेवा केंद्र हैं।

विपणन

सभी उत्पादों का विपणन चार प्रभागों के द्वारा करते हैं, जैसे गर्भनिरोधक उपाधियों का विपणन अंतर्राष्ट्रीय व्यवसाय प्रभाग, महिला स्वास्थ्य रक्षा प्रभाग और उपभोक्ता व्यवसाय प्रभाग से करते हैं। अंतर्राष्ट्रीय व्यवसाय प्रभाग विश्व भर में सौ से अधिक देशों में उत्पादों का वितरण करता है। मिडिल ईस्ट, केनिया, माउरीशियस, बोट्सवाना, कोलमबिया आदि देशों में मूड्स का विपणन चलता है। मूड्स को 6.1 % मार्किट शेयर है। एचएलएल के अंतर्राष्ट्रीय ग्राहकों में विविध सरकारी प्रापण संगठनों के अलावा यू एन एफ पी ए, आई डी ए, क्राउन एजेंट, आईएमआरईएस, मिशन फार्मा इत्यादि भी हैं। कंपनी को एआईआरआईए से निर्यात पुरस्कार और कैपेक्सिल से विशेष निर्यात पुरस्कार भी मिला है।

एचएलएल की गतिविधियाँ

आदर्श वाक्य - स्वस्थ पीढियों के लिए नवान्वेषण, दृष्टिकोण - सस्ती और गुणवत्तावाले स्वास्थ्य रक्षा समाधान प्रदान करना,दौत्य - कॉर्पोरेट दृष्टिकोण पूरा करना, गुणवत्ता उत्पाद और सेवाएँ प्रदान करना, निरंतर उपभोक्ता को खुशी देना, मानव संसाधन विकास और एक सामाजिक रूप से प्रतिबद्ध कॉर्पोरेट बनना। एचएलएल दृष्टिकोण और दौत्य अपने उद्देश्य से सफल करेंगे। उत्पादन केंद्रों में उत्पादन करने के लिए गुणवत्ता नीति है। हरेक कार्रवाई सुरक्षा,स्वास्थ्य एवं पर्यावरण नीति के अनुसार करते हैं। प्रयोगशाला में परीक्षण और निरीक्षण के लिए प्रयोगशाला गुणवत्ता नीति होती है।

एचएलएल का मूल्य घोषणा पत्र

एचएलएल में विश्वास, पारदर्शिता और टीम कार्य पर आधारित एक मूल्य घोषणा पत्र है। अपने आप एवं अपने सभी पणधारियों के बीच में विश्वास बनाये रखेंगे, हम उचित समय पर सही कार्य करेंगे। अपने सभी कार्यकलापों में ईमानदारी और उत्तरदायित्व रखेंगे। हम विश्वास करते हैं कि उत्तम परिणाम टीम कार्य से ही होता है। हम कंपनी के लक्ष्य के लिए वचनबद्ध टीम बनाएंगे। हमारे मूल्य अपनी शक्ति है और हमारे उद्देश्य प्रेरक शक्ति है।

विशन - 2020

हमारा विशन है एचएलएल को वर्ष 2020 तक रुपया 10,000 करोड़ की विश्व स्तरीय स्वास्थ्य सेवा संगठन बनाना। उपभोक्ता को गुणवत्ता और किफायती स्वास्थ्यरक्षा उत्पाद एवं सेवायें प्रदान करना। अपने उत्पादों और सेवाओं में निरंतर नवाचार लाना। उपभोक्ता को उनकी माँग के अनुसार सेवायें देना। उपभोक्ता पर प्रतिबद्धता रखना और उन्हें खुशी प्रदान करना।

प्रापण प्रबंधन पर अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण

एचएलएल के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक डॉ. एम. अय्यप्पन और श्री पूर्णलिंगम,पूर्व सचिव,भारत सरकार संयुक्त रूप से 'प्रापण प्रबंधन पर अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम' का उद्घाटन करते हैं ।

एचएलएल अकादमी, एचएलएल लाइफ़केयर लिमिटेड का अकादमिक विंग, ने संघ स्वास्थ्य मंत्रालय और विश्व बैंक के सहयोग से स्वास्थ्यरक्षा क्षेत्र में प्रापण प्रबंधन पर अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम 27 नवंबर से 1 दिसंबर, 2013 तक आयोजित किया । 27 नवंबर, 2013, 9.30 बजे को एस्ट्यूरी आइलैंड रिसोर्ट, पूवार, तिरुवनंतपुरम में एचएलएल के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, डॉ. एम.अय्यप्पन और श्री पूर्णलिंगम,पूर्व सचिव,भारत सरकार दोनों ने संयुक्त रूप से दीप जलाकर इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन किया । उन्होंने अपने भाषण में प्रशिक्षण कार्यक्रम की आवश्यकता और कंपनी के मूल्यों पर नज़र डाली। स्वास्थ्यरक्षा प्रापण आधुनिक स्वास्थ्यरक्षा का अधिक जटिल क्षेत्र विकसित और विकासशील राष्ट्रों के साथ मिलकर प्रतिदिन विकसित हो रहा है । एचएलएल की मेडिकल उपकरण और उपायों के प्रापण के क्षेत्र में दो दशकों से अधिक अनुभव है । प्रतीक्षा की जाती है कि यह कार्यक्रम आधुनिक स्वास्थ्यरक्षा प्रापणों की पहुँच, प्रासंगिकता, संभावना और नवाचार पर प्रतिभागियों को प्रबुद्ध करने में सहायक होगा ।

देश और विदेश के विभिन्न स्वास्थ्यरक्षा क्षेत्रों के चिकित्सक और हितधारक स्वास्थ्यरक्षा प्रापण से संबंधी अधिक जानकारी प्राप्त करने के लिए इस कार्यक्रम में भाग लेता है । इस कार्यक्रम से हमारा मुख्य उद्देश्य है- अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर ख्याति प्राप्त स्वास्थ्य प्रापण प्रथाओं और निविदा जटिलताओं के बारे में अंतर्दृष्टि एवं जागरूकता प्रदान करना । यह प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रतिभागियों को वर्तमान निविदा प्रबंधन प्रथाओं का अद्यतन विवरण, गुणवत्ता मानक और प्रापण आटोमेशन सहित नवाचार उपकरणों के प्रति पर्याप्त जानकारी प्रदान करने में सहायक रहा ।

प्रापण स्वास्थ्यरक्षा क्षेत्र के नियामक पहलुएँ, स्वास्थ्यरक्षा क्षेत्र में प्रापण सिद्धांत और नीतियाँ, स्वास्थ्यरक्षा क्षेत्र में प्रापण किये उत्पादों/सेवाओं की पहचान और माँग पूर्वानुमान आदि विषयों पर विश्व बैंक, विश्व स्वास्थ्य संगठन, भारत सरकार और एचएलएल के सक्षम और अनुभवी संकाय सदस्यों ने क्लास संभाला ।

आगे, एचएलएल अकादमी, एचएलएल लाइफ़केयर लिमिटेड के एक स्वतंत्र प्रशिक्षण, अनुसंधान और परामर्श प्रभाग है, जो प्रापण प्रबंधन, क्लिनिकल इंजीनियरिंग और प्रबंधन, बिक्री प्रबंधन और सामाजिक विपणन पर पाठ्यक्रम चलाता है ।

मानव संसाधन मीट

एचएलएल के अनुसंधान एवं विकास केंद्र, आक्कुलम में 4-5 अक्तूबर, 2013 कर मानव संसाधन मीट आयोजित किया गया। इसका प्रमुख उद्देश्य था - सभी यूनिटों के मानव संसाधन विभागों के विभिन्न समस्याओं पर चर्चा करना और सभी शर्तों पर एकरूपता लाना। सभी यूनिटों के मानव संसाधन विभाग के कार्यपालक स्तर के अधिकारी ने इसमें भाग लेकर अपनी समस्याओं को प्रस्तुत किया था। इस दो दिवसीय मीट का उद्घाटन एचएलएल के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक डॉ.एम.अय्यप्पन ने किया। निदेशक (विपणन) श्री के.के.सुरेष कुमार, निदेशक (तकनीकी एवं प्रचालन) डॉ.के.आर.एस. कृष्णन, वरिष्ठ उपाध्यक्ष (मानव संसाधन) डॉ.बाबु तोमस, और अन्य वरिष्ठ अधिकारीगण ने इस मीट में भाग लिए थे। 4 अक्तूबर को डॉ.मोहन, परामर्शदाता, ऑंगलोस्केप, वषुतक्काड़, तिरुवनंतपुरम द्वारा "शिष्टाचार और संस्कृति के निर्माण" तथा 5 अक्तूबर को श्रीमती मरियम मात्यू, परामर्शदाता, बैंगलूर द्वारा " मानव संसाधन में नवाचार अभ्यास" विषयों पर प्रशिक्षण भी आयोजित किया गया। इस मीट से विविध यूनिटों के कर्मचारियों को अवकाश नीति, मेडिक्लेम पॉलिसी जैसी बातों के बारे में जानकारी प्राप्त करने का मौका मिला।

एचएलएल का उत्कृष्ट निष्पादन- प्रदत्त लाभांश रु. 387 लाख

एचएलएल लाइफ़केयर लिमिटेड अपने उत्कृष्ट निष्पादन के पथप्रदर्शन से वित्तीय वर्ष 2012-13 के दौरान भारत सरकार को रु.387 लाख का लाभांश दिया । डॉ.एम.अय्यप्पन, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, एचएलएल ने 6 सितंबर, 2013 को आयोजित समारोह के अवसर पर केंद्र स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री श्री गुलाम नबी आज़ाद को यह लाभांश चैक प्रदान किया ।

एचएलएल ने गत वित्तीय वर्ष से 36 प्रतिशत अधिक व्यापारावर्त्त रजिस्टर करके वित्तीय वर्ष 2012-13 की अवधि में रु.1376.00 करोड़ का रिकोर्ड व्यवसाय रेखांकित किया । एकल उत्पाद कंपनी से प्रारंभित एचएलएल पूर्ण गर्भनिरोधक कंपनी में स्थानांतरित करके अब स्वास्थ्यरक्षा वितरण कंपनी बन गयी है । कारण है, अब एचएलएल नवाचार पद्धतियों एवं परियोजनाओं पर प्रमुखता देता है । नव वर्ष-2013 के आगमन की वेला में आक्कुलम, तिरुवनंतपुरम में 60000 स्क्वयर फीट की अत्याधुनिक सुविधा वाले एचएलएल कॉर्पोरेट अनुसंधान एवं विकास केंद्र का उदय हुआ । इस अनुसंधान केंद्र का मुख्य फोकस क्षेत्र पुनरुत्पादक स्वास्थ्य है । एचएलएल की प्रतिष्ठित समनुषंगी कंपनी, एचएलएल बायोटेक (एच बी एल), रु.594 करोड़ का इंटग्रेटड वैक्सीन कॉम्प्लेक्स का विनिर्माण कार्य चेन्नै के पास चेंकलपेट्टु में चल रहा है । कंडोम के गत वर्ष के कुल वार्षिक उत्पादन क्षमता 1640 दशलक्ष भी एचएलएल के निष्पादन को सार्वजनिक उद्यम विभाग (डी पी ई) द्वारा 'उत्कृष्ट' का रेटिंग मिला ।

आज एचएलएल समाज का कल्याण पूरा करने को लक्ष्यकर एक संपूर्ण स्वास्थ्यरक्षा प्रदायक के रूप में स्थित है । जिसके हाथ में गर्भनिरोधक, अस्पताल उत्पाद, फार्मस्यूटिकल्स, आयुर्वेदिक, वैक्सीन, वैयक्तिक स्वच्छता उत्पाद और डायग्नोस्टिक किट्स सहित विविध उत्पाद सुरक्षित हैं ।

अखिल भारतीय वित्त मीट

सभी यूनिटों के वित्त विभाग के सहायक प्रबंधक या ऊपर के स्तर के अधिकारियों ने भाग लेकर विविध मामलों पर चर्चा की ।

एचएलएल के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, डॉ.एम.अय्यप्पन ने दीप जलाकर इस मीट का उद्घाटन किया । उन्होंने अपने भाषण में व्यक्त किया कि वित्त विभाग निवेशकों को कंपनी की आवाज़ है । वित्त विभाग को अपने जोखिमों का प्रबंधन करने के लिए कॉर्पोरेट को सक्रिय करने के लिए एक मुख्य भूमिका है । वित्त विभाग को अपने कार्यों के वित्तीय निहितार्थ और निवेश पर वापसी की अवधारणा (आ ओ आई) की ओर गैर वित्त कर्मचारियों को अवगत कराने के लिए जिम्मेदार होना चाहिए । अतः वित्त कार्यपालक संस्था के वित्त विभाग के उचित प्रचालन के जिम्मेदार होंगे । उन्होंने जोडा कि हमारी धारणा है 'हमारी मूल्यों पर जीना' और हमारी नीति है 'विश्वास, पारदर्शिता और टीमवर्क', अतः हमें अपने सभी कार्यों का अनुसरण करने की कामना चाहिए ।

निदेशक (विपणन) श्री के.के.सुरेश कुमार और निदेशक (वित्त) श्री आर.पी.खण्डेलवाल और निदेशक (तकनीकी एवं प्रचालन) डॉ.के.आर.एस. कृष्णन और वरिष्ठ उपाध्यक्ष (एच आर : आई बी डी) डॉ.बाबु तोमस ने अपने आशीर्वाद भाषण में उत्तम प्रबंधन और निधि के सदुपयोग की आवश्यकता, संस्था के विविध पहलुओं पर वित्त की भूमिका, हमारे मूल्यों पर जीना, तनाव प्रबंधन आदि बातों पर ज़ोर दी ।

इस मीट में -' निधि प्रबंधन और लिक्विडिटी का मिलावट, वित्त में संस्कृति, वजट एवं लागत प्रबंधन- एस ए पी का इस्तेमाल, विधिवत् आंतरिक नियंत्रण, जनशक्ति की युक्तिकरण'- आदि विषयों पर चर्चा हुई । इस मीट का मुख्य उद्देश्य था - विभिन्न यूनिटों के वित्तीय समस्याओं को पहचान कर समान नीति अपनाना और वित्त के विविध कार्यों के प्रति सभी को जागरूकता प्रदान करना ।

अफ्रिका में एचएलएल का स्वास्थ्यरक्षा परिवर्तन

एचएलएल, गुणवत्ता की एक विस्तृत श्रृंखला के साथ किफायती उत्पाद और सेवाएँ, अफ्रीका के लोगों को स्वास्थ्यरक्षा का बेहतर स्तर प्रदान करने की उम्मीद करता है।

विश्व का कोख, विविधता और संस्कृति का फलता-फूलता जगह, जहाँ इतिहास आपके रीढ़ में बनाता, मानव की उत्पत्ति, विश्व का विश्वास है यह स्थान जहाँ से सबका उदय हुआ - अफ्रीका, " आशा का महादीप' । दस साल पहले एचएलएल ने इस महाद्वीप में अपनी पहली मौजूदगी संस्थापित की। इस साल में एचएलएल अपनी अफ्रिकन सफारी की गति तेज़ करता है। कंपनी ने इस क्षेत्र के लोगों केलिए गुणवत्ता स्वास्थ्यरक्षा सेवाओं की बढ़ती माँग को पूरा करने के लक्ष्य के साथ अफ्रीका में अपनी मौजूदगी विस्तार करने का निश्चय किया है।

एचएलएल को पहले ही, केनिया, बोखाना और घाना में मज़बूत मौजूदगी है वहाँ अपने मज़बूत वितरण नेटवर्क के जरिए मूड्स कंडोम, ब्लड बैग और सर्जिकल स्यूचेर्स जैसे उत्पादों की आपूर्ति की जाती है। एचएलएल, इस साल में अपना वितरण नेटवर्क विस्तार करने केलिए दक्षिण अफ्रीका, तानज़ानिया, ईजिप्त, सांबिया , सुडान, उगांडा, बेनिन, आईवरी कोस्ट, नैजीरिया और सेशेल्स भी कवर करने की योजना तैयार करता है।

एचएलएल को फार्मनोवा लिमिटेड घाना, अफ्रीका, एक विश्वस्तर फार्मस्यूटिकल कंपनी, जिसको गैस स्टेशन, फार्मसियाँ, ग्रेसरी स्टोर सूपरमार्किटों की अच्छी आपूर्ति शृंखला है, के साथ भागीदारी है। फार्मनोवा के माध्यम से एचएलएल के प्रीमियर कंडोम ब्रांड मूड्स कुल आउटलेटों की 60 प्रतिशतता से अधिक कवर किया गया है।

हाल में, दूसरा बडा महाद्वीप और साथ ही दूसरा बडा आबादीवाले महाद्वीप, अफ्रीका, संस्कृति और भाषा से जलवायु एवं प्राकृतिक दृश्य तक, सभी पहलुओं पर विविधता दर्शाता है। प्राकृतिक संसाधनों के बाबजूद भी, अफ्रीका अब भी विश्व के सबसे गरीब और अविकसित महाद्वीप रहा है। इस महाद्वीप की जनसंख्य के बडे भाग कुपोषण, गरीबी, निरक्षरता, अपर्याप्त जल आपूर्ति और स्वच्छता तथा दयनीय स्वास्थ्य का प्रभाव पड़ता है।

अफ्रीका की आबादी विश्व की आबादी का 15 % है और इस आबादी के आधे से अधिक लोग गरीबी रेखा के नीचे रहते हैं। अफ्रीका के चालू कुल प्रजनन दर (टीएफआर) 6 % है, जब कि विश्वटीएफआर 2 % है, हाल ही का समाचार में, अफ्रीकन सरकार इस को बहुत सावधानी से ध्यान दे रहा है। रवान्डा, पूर्वी अफ्रीका में 2012 में 10-18 वर्ष के लडकियों के बीच 500 अनचाहे गर्भधारण रिकार्ड किये गये हैं, इसलिए इसके बारे में देश में जागरूकता बढ़ाने केलिए एक सप्ताह के सार्वजनिक अभियान लॉच किया गया। परिणाम में यह भी देखा गया है कि देश में सभी गर्भधारण के 47% अर्थात लगभग आधा अनचाहे थे; इस की प्रतिक्रिया के रूप में स्वास्थ्य मंत्रालय ने एक परिवार नियोजन परियोजना प्रारंभ की। समाचार पत्र गर्भनिरोधक की जागरूकता को बढ़ावा देते रहते हैं और महिलाओं को गर्भनिरोधक विकल्प का बढावा दिया। तंजानिया, परिवार नियोजन में आगे बढ़ने की उम्मीद कर रहा है, राष्ट्रपति जकाया किकवत्ते ने लंदन परिवार नियोजन शीर्ष सम्मेलन में भाग लिया और सीपीआर (गर्भनिरोधक व्याप्तता दर) वर्षांत 3% से अधिक दर से बढाने का फैसला किया इसलिए देश 2015 तक सीपीआर 60% पहूंचता है। जैसे भी हो, नाइजीरिया में, वर्षांत में गर्भावस्था की जटिलताओं से लगभग 60,000 महिलाओं की मृत्यु होने के कारण उनके देश में, परिवार नियोजन को बढावा देने के लिए संघर्ष कर रहा है, और इन में अधिक से गर्भधारण अनचाहे हैं।

सभी अफ्रीकन देशों पर गर्भ निरोधकों और परिवार नियोजन की जरूरत केलिए जाग रहे हैं। एचएलएल, गुणवत्ता की एक विस्तृत श्रृंखला के साथ किफायती उत्पाद और सेवाएँ, अफ्रीका के लोगों को स्वास्थ्यरक्षा का बेहतर स्तर प्रदान करने की उम्मीद करता है।

महिला फोरम-पिंक सक्रिय पथ पर

स्त्री शक्ति है, शक्ति का संग, वह है- पिंक, एचएलएल के निगमित मुख्यालय की महिलाओं का संग, से हमारा लक्ष्य है -मुख्यालय के सभी महिला कर्मचारियों को एक ही कतार में लाना, उनके झिझक एवं डर को दूर करके सभी कार्यकलापों में अपनी प्रतिभा दर्शाने का उचित मौका प्रदान करना । 'हम भी सभी कार्य करने में सक्षम है, हम किसी से कम नहीं,' पिंक से हम प्रत्येक के मन में यह भाव जगाने की कोशिश करते हैं ।

निगमित मुख्यालय के 'पिंक' सक्रिय रूप से कार्य कर रहा है । इसके नेतृत्व में प्रचलित वर्ष में विविध प्रकार के कार्यक्रम चलाये गये । इस में प्रमुख है- ओणम की वेला में आयोजित नृत्तशिल्प और तट्टुकड़ा । रिक्रियेशन क्लब के कार्यक्रमों में भी पिंक क्रियात्मक रूप से भाग लेता है ।

विजय दिवस

एचएलएल लाइफ़केयर लिमिटेड में हर महीने के दसवीं तारीख विजय दिवस के रूप में मनाया जा रहा है । किसी विभाग द्वारा प्रत्येक माह में किये गये उत्कृष्ट कार्य की ओर जुडी अधिकारियों को विजय दिवस के अवसर पर प्रमाण-पत्र और मोमेंटो से सम्मानित किया जाता है । इस प्रकार मनाने का हमारा उद्देश्य है- अपने कर्मचारियों को अधिक ओजस्वी एवं क्षमतापूर्वक तरीके से कार्य करने के लिए प्रोत्साहित करना । प्रोत्साहन से मात्र ही कर्मचारियों को अधिक प्रभावपूर्ण ढंग से काम करने की स्फूर्ति मिलेगी । इस बात को ध्यान में रखकर हम समय-समय पर कर्मचारियों को प्रोत्साहित करने में अधिक प्रमुखता देते हैं । विद्यमान वर्ष में विविध उत्कृष्ट कार्यों के मुताबिक हमारे यूनिट के अधिकारीगण विजय दिवस के अवसर पर सम्मानित किये गये । विजय दिवस मुख्यालय तथा कंपनी के सभी यूनिटों में मनाया जाता है ।

हार्दिक बधाइयाँ

एचएलएल के उद्यम संसाधन (ई आर पी) के सदस्यों के काम 'एस ए पी में कस्टम विक्रेता मूल्यांकन' को एस ए पी स्थानीकरण इंडिया फोरम 2013 सम्मेलन में भारतीय परिदृश्यों के लिए समाधान प्रदान करने का एक प्लैटफोर्म, में आयोजित 'उत्तम रिवाज़ समाधान प्रतियोगिता' में तीसरे पुरस्कार के लिए हकदार बन गये । यह एस ए पी इंडिया और एस ए पी लैब्स द्वारा फरवरी, 2013 को कर्नाट का के बंगलुरू में ई आर पी के भी निरीष.पी.एच (प्रबंधक), श्री बिनेष कुमार (सहायक प्रबंधक), श्री तंगराज पोलराज(सहायक प्रबंधक) ने भी नवनीत मिश्रा, उपाध्यक्ष, ग्लोबलैसेषन सर्वीसस, एस ए पी लैब्स इंडिया से यह पुरस्कार हासिल किया ।

एस ए पी के छठवीं वार्षिक समारोह के अवसर पर आयोजित एस ए पी तकनीकी सहयोग प्रतियोगिता में श्री निरीष.पी.एच (प्रबंधक), श्री तंगराज पोलराज (सहायक प्रबंधक) और श्री यु.नागराजन (उप प्रबंधक) को उनके द्वारा एस ए पी तकनीकी फोरम के योगदानों के सिलसिले में पुरस्कार एवं प्रशंसापत्र मिला ।

केरल राज्य उत्पादकता परिषद् द्वारा आयोजित राज्यस्तरीय वक्तृता प्रतियोगिता-2013 में श्रीमती पी.इंदिराम्मा, अफसर, पेरूरकड़ा फैक्टरी को द्वितीय पुरस्कार मिला । 14 अक्तूबर, 2013 को उत्पादकता परिषद्, कलमश्शेरी में आयोजित समारोह में केरल के लोक निर्माण कार्य मंत्री श्री इब्राहिम कुंञ ने यह पुरस्कार प्रदान किया । केरल के सभी व्यावसायिक संस्थाओं में आयोजित भाषण प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त अधिकारी/कर्मचारी इस राज्यस्तरीय भाषण प्रतियोगिता में भाग लेते हैं । इस वर्ष के भाषण प्रतियोगिता का विषय था -'आधुनिकीकरण के माध्यम से उत्पादन क्षमता' ।

राष्ट्रीय संरक्षा परिषद् केरल चैप्टर द्वारा राष्ट्रीय संरक्षा दिवस समारोह-2013 के सिलसिले में कॉलेज विद्यार्थियों के लिए आयोजित निबंध लेखन में कुमारी रश्मी.यु.एन, श्रीमती उषाकुमारी.एस, अधिकारी, वित्त विभाग, पेरूरकड़ा फैक्टरी की सुपुत्री को प्रथम स्थान मिला ।

एचएलएल के ई-लेर्निंग वेब पोर्टल

हरेक कंपनी की प्रगति वहाँ के कर्मचारियों के कार्य निष्पादन पर आधारित है। अतः अपने कर्मचारियों को कार्य कुशल बनाने को लक्ष्य कर हम कंपनी में विविध लेर्निंग कार्यक्रम आयोजित कर रहे हैं। इस क्षेत्र में एक कदम आगे बढकर हमने व्यक्तिगत और संस्थागत लेर्निंग आवश्यकताओं का पता लगाने के लिए तथा अद्यतन और कर्मचारी निष्पादन के बीच के संबंध को मज़बूत करने को लक्ष्यकर एक वेब पोर्टल को रूपायित किया है। केरल के मून्नार में आयोजित वार्षिक योजना कार्यशाला-2013 के अवसर पर एचएलएल के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक डॉ.एम.अय्यप्पन ने एचएलएल ई-लेर्निंग वेब पोर्टल को लॉच किया।

मानव संसाधन विभाग द्वारा संचालित यह ई-लेर्निंग पोर्टल एचएलएल के कर्मचारी युसेर नेइम और पासवेर्ड का उपयोग करते हुए एचएलएल के कॉर्पोरेट वेबसाइट के ज्ञान केंद्र में क्लिक करके या उप डोमेन VRL knowledge at hll.lifecarehll.com के द्वारा देखा जा सकता है।

वेबसाइट - एचएलएल अकादमी

एचएलएल के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक डॉ.एम.अय्यप्पन ने 19 अप्रैल, 2013 को निगमित मुख्यालय में आयोजित समारोह में एचएलएल अकादमी के इंटरैक्टीव वेबसाइट का उद्घाटन किया। इस वेबसाइट से एचएलएल अकादमी के नए कोर्स, एचएलएल के अकादमिक पहल के विवरण मिलेंगे। यह वेबसाइट प्रवेश प्रक्रियाओं और अकादमिक अपेक्षाओं की सूचना देती है। इस नए वेबसाइट में ऑनलाइन आवेदन प्रस्तुतीकरण सुविधा भी है।

वेबसाइट - हाईकेयर स्यूचेर्स

बंगलुरू में 6 अप्रैल, 2013 को आयोजित वार्षिक विपणन सम्मेलन के दौरान एचएलएल के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक डॉ.एम.अय्यप्पन ने एचएलएल के गुणवत्ता उत्पाद हाईकेयर स्यूचर्स का नया वेबसाइट – www.sutures.in लॉच किया। इस वेबसाइट से हमारा लक्ष्य है – चिकित्सा भाईचारा के बीच में हाईकेयर प्रभाग के घाव रक्षा उत्पादों का प्रोन्नमन करना और अंतर्राष्ट्रीय एवं देशीय बाज़ारों में उत्पाद पहूँच को विस्तार करने के लिए एक नया परिदृश्य खोलना।

हमारे संस्था एवं उत्पादों के बारे में आगंतुकों को आसानी से पता लगाने के उद्देश्य से यह वेबसाइट विशेष रूप से तैयार किया गया है। हाईकेयर स्यूचेर्स के वेबसाइट का डिज़ाइन, लेआउट और इंटरैक्टीव सुविधाएँ समान उत्पादों के अन्य वेबसाइटों की तुलना में अधिक बेहतर एवं सरल है। इसमें ऑनलाइन आदेश प्रणाली, ज्ञान केंद्र और ग्राहक रक्षा सेल आदि विशेष घटक हैं, जो घाव रक्षा श्रेणी के वैश्विक नेताओं के साथ स्यूचेर्सों का बेंचमार्किंग सुनिश्चित करता है।

एचएलएल का रिक्रियेशन क्लब हॉल -'सर्गम'

एचएलएल के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक डॉ.एम.अय्यप्पन, नवनिर्मित रिक्रियेशन क्लब हॉल 'सर्गम ' का उद्घाटन करते हैं ।

डॉ.एम.अय्यप्पन, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, एचएलएल लाइफ़केयर लिमिटेड (एचएलएल) ने 25 अगस्त 2013 को एचएलएल पेरूरकड़ा फैक्टरी के नए नवनिर्मित रिक्रियेशन क्लब हॉल का उद्घाटन किया । सर्गम अर्थ है, 'सामजस्य'।

यह सर्गसंगम, केरल में औद्योगिक कामगारों के कलात्मक प्रतिभा लाने के लिए कंपनी के प्रतिष्ठित सांस्कृतिक पहल है, के लिए एक उपहार के रूप में 'सर्गम' जैसे उपयुक्त रूप से नाम दिया गया।

धन सृजन के दायरे से परे, समझा जाता है कि औद्योगिक घरों में सांस्कृतिक परिवेश में व्यापक परिहार है- एचएलएल हमेशा औद्योगिक कामगारों के सांस्कृतिक कार्यकलापों को बढ़ावा देने के लिए सबसे आगे है।

सर्गसंगम के अलावा, विविध यूनिटों और प्रभागों में स्थित एचएलएल कर्मचारी रिक्रियेशन क्लब सांस्कृतिक कार्यक्रम और घटनाएँ नियमित रूप से आयोजित करते हैं । एचएलएल के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, डॉ.एम.अय्यप्पन ने कहा 'इसके पीछे का सरल लक्ष्य है, कार्यस्थल पर आनंद । आनंद सर्जनशीलता बढ़ाती है।' कर्मचारियों और नए कार्य संस्कृति के बीच में सामाजिक फोग बॉन्ड को प्यार और आपसी सम्मान के मूल्यों द्वारा बनाकर बढ़ावा दिए जाते हैं।'

एचएलएल के मातृ संयंत्र, पेरूरकड़ा फैक्टरी के रिक्रियेशन क्लब हॉल ने हमेशा सर्गसंगम के स्थान होते हैं और एचएलएल कर्मचारी रिक्रियेशन क्लब घटनाओं, शासकीय कार्यों और एकत्रित हो जाने का गृह है। पेरूरकड़ा फैक्टरी के पास स्थित हॉल मौलिक रूप से सितंबर 15, 1993 को बनाया था और उस समय के केरल के वित्त मंत्री, श्री उम्मन चांडी द्वारा उद्घाटन किया गया।

एचएलएल के अवसंरचना विकास टीम द्वारा नवीकरण लिया गया। संपूर्ण रूप से पुनः सुसज्जित सर्गम हॉल 350 लोगों को इकट्ठा कर सकते हैं; इसको केन्द्रीय वातानुकूलित, अच्छी तरह से डिजॉइन किए सुसज्जित मंच, नवीनतम लाइट एवं साउण्ड सिस्टम और लकडी के साथ फर्श है।

राष्ट्रीय समारोह

एचएलएल रिक्रियेशन क्लब

एचएलएल लाइफ़केयर लिमिटेड, स्वास्थ्य रक्षा पर निर्भर केंद्र सार्वजनिक कंपनी, विविध प्रकार के उत्पादों एवं सेवाओं के विनिर्माण और वितरण पर केंद्रित होने के साथ-साथ अपने कर्मचारियों के शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य पर भी अतीव प्रमुखता देती हैं। क्योंकि अधिक उत्पादकता के लिए स्वस्थ शरीर और मन की अतीव आवश्यकता है। इसके अतिरिक्त कंपनी के कर्मचारियों और उनके बच्चों को अपने कलात्मक क्षमताओं को अभिव्यक्त करने का उचित मौका देना। इस बात को ध्यान में रखकर कंपनी में कला एवं खेलकूद प्रतियोगिताएँ, मेडिकल कैंप, मेडिकल सेमिनार, स्वास्थ्य संबंधी भाषण, योगा आदि विविध कार्यक्रम आयोजित कर रहा है। प्रत्येक महीने में कम से कम एक कार्यक्रम सुनिश्चित करता है। कंपनी के सभी यूनिटों में रिक्रियेशन क्लब है और ये सक्रिय रूप से रंगारंग कार्यक्रम आयोजित कर रहे हैं। इन क्लबों के नेतृत्व में वर्ष में एक बार पिक्निक का भी आयोजन किया जाता है। इसमें कर्मचारी सपरिवार भाग लेते हैं।

कला प्रतियोगिता

दुर्गापूजा

दीपावली

ओणम

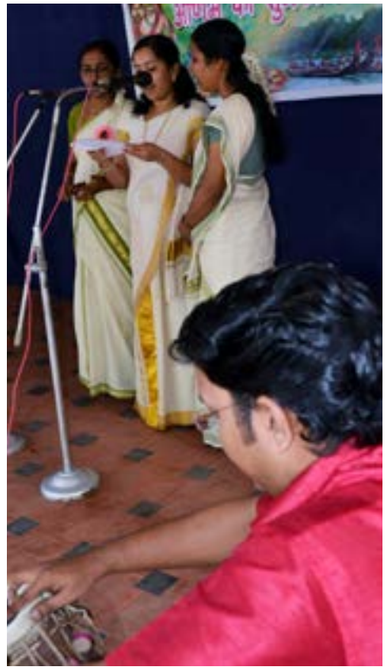

अखबारों में एक नज़र

Governor Nikhil Kumar asks employees to promote Hindi

Thiruvananthapuram: Hindi can only achieve wider acceptability in non-Hindi speaking regions if the simple and flexible version of it was used for communication instead of complex words and rigid sentences, Kerala Governor Nikhil Kumar said on Tuesday.

Speaking at the inauguration of the Hindi Fortnight Celebrations at HLL Lifecare Limited today, he said compelling people to use a language they are not familiar with will only be counterproductive in the longer term.

"Hindi was adopted as the official language of the constituent assembly on September 14, 1949. Sixty-four years on, we are still promoting it," Kumar pointed out.

"This slow pace is not because of lack of effort there has been plenty of that but exposing non-speakers to the charm of everyday Hindi without forcing it upon them is the only way to accelerate its adoption as envisioned in the government policy."

He said mixing English, Urdu, and vernacular words in Hindi was a good practice because it enriches the language and makes it more accessible and appealing to people who do not speak it as a first language. Kumar said he was impressed by HLLs credentials as a company working to bring affordable healthcare to the public and earn valuable foreign exchange through exports.

The Governor gave away prizes to winners of various competitions that were held as part of the Hindi Diwas celebrations at the company.

Messages from Union Home Minister Sushil Kumar Shinde and Union Minister for Health and Family Affairs Ghulam Nabi Azad were read out at the function.

HLL Chairman and Managing Director M Ayyappan, who presided over the function today briefed about the company's various initiatives and projects.

PTI
First Published: Tuesday, October 08, 2013, 21:57

METRO VAARTHA

ലളിതപദങ്ങളുപയോഗിച്ചുള്ള ആശയവിനിമയം ഹിന്ദിക്ക് കൂടുതൽ സ്വീകാര്യത നൽകും: ഗവർണർ

"മലയാളികളുടെ ഹിന്ദി ഉച്ചാരണം വളരെ മികച്ചത്"

[illegible]

DEEPIKA

ലളിതപദങ്ങളുപയോഗിച്ചുള്ള ആശയവിനിമയം ഹിന്ദിക്ക് കൂടുതൽ സ്വീകാര്യത നൽകും: ഗവർണർ

[illegible]

THE NEW INDIAN EXPRESS

HLL Lifecare Bags Indira Gandhi Rajbhasha Shield

[illegible]

MALAYALA MANORAMA

ലളിത പദങ്ങൾ ഉപയോഗിച്ചാൽ ഹിന്ദിക്കു കൂടുതൽ സ്വീകാര്യത ലഭിക്കും: ഗവർണർ

[illegible]

[illegible]

JANAYUGOM

ഹിന്ദി സംസാരിക്കാത്തവരിലും ഹിന്ദിക്ക് സ്വീകാര്യത ലഭിക്കുമെന്ന് ഗവർണർ

[illegible]

THE TIMES OF INDIA

HLL bags award for promoting Hindi

[illegible]

THE NEW INDIAN EXPRESS(CITY EXPRESS)

Call to Promote Use of Simple Hindi

[illegible]

KERALAKAUMUDI (CITY KAUMUDI)

ലളിതപദങ്ങളുപയോഗിച്ചുള്ള ആശയവിനിമയം ഹിന്ദിക്ക് കൂടുതൽ സ്വീകാര്യത നൽകും: ഗവർണർ

[illegible]

THE TIMES OF INDIA

Hindi fortnight celebrations

Thiruvananthapuram: HLL Life Care Ltd organized Hindi fortnight celebrations on its office premises on Tuesday. Governor Nikhil Kumar inaugurated the event chaired by HLL chairman and managing director M Ayyappan. The governor also gave away prizes to winners of various competitions that were conducted as part of the Hindi Diwas celebrations at the company. K Sreelatha, professor, Department of Hindi at Sree Sankara University of Sanskrit was felicitated during the event. TNN

MATHRUBHUMI

എച്ച്.എൽ.എൽ. ലൈഫ് കെയറിന് ഇന്ദിരാഗാന്ധി രാജ്ഭാഷാ പുരസ്കാരം

[illegible]

पुरस्कार वितरण पर एक झलक

केरल के सम्माननीय राज्यपाल श्री निखिल कुमार से प्रशस्ति पत्र स्वीकार करती है श्रीमती शैलजा.के.एस, कनिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी,एचएलएल-पीएफटी।

सम्माननीय राज्यपाल श्री निखिल कुमार से अग्रणी अनुभाग पुरस्कार(प्रथम स्थान) हासिल करती है श्रीमती एस.वी.बानु,वरिष्ठ प्रबंधक, एचएलएल-पीएफटी।

सम्माननीय राज्यपाल श्री निखिल कुमार एचएलएल-पीएफटी के उप महा प्रबंधक श्री पी.विजय कुमार को अग्रणी अनुभाग पुरस्कार(दूसरा स्थान) प्रदान करते हैं।

सम्माननीय राज्यपाल श्री निखिल कुमार से उत्तम लेख पुरस्कार स्वीकार करती है श्रीमती गीतादेवी, एचएलएल -एएफटी।

हिंदी प्रचार सभा में आयोजित हिंदी प्रतियोगिताओं के विजेता -श्रीमती शैलजा.के.एस, श्रीमती उषाकुमारी, श्रीमती पी.इंदिराम्मा, श्रीमती कविता.वाई.आर, श्रीमती जयमणी, श्री नंदकुमार.एन ।

हिंदी कार्यशाला की झाँकियाँ

एल एम एस हाईस्कूल, वट्टप्पारा

एचएलएल - काक्कनाड फैक्टरी

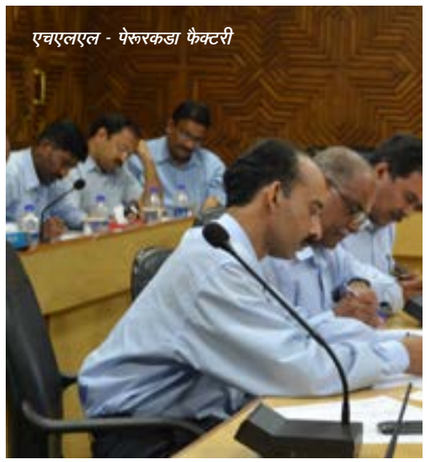

एचएलएल - पेरूरकडा फैक्टरी

एचएलएल - पेरूरकडा फैक्टरी

हरेक बच्चे की वैक्सीन सुरक्षा हमारे हाथों में

एचएलएल बायोटेक लिमिटेड किफायती मूल्य पर सुरक्षित एवं प्रभावी वैक्सीन प्रदान करके भारत की वैक्सीन सुरक्षा का वादा करता है। राष्ट्रीय टीकाकरण कार्यक्रम के लिए वैक्सीनों का उत्पादन करने और अन्य नयी पीढी के वैक्सीनों के लिए प्रीमियम सुविधा संस्थापित करने को एचबीएल स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के साथ सहयोग कर रहा है। चेन्नै के पास चेंकलपेट में १०० एकडों में फैले हुए एचबीएल भारत के सार्वभौमिक टीकाकरण कार्यक्रम (युआईपी) के लिए वैक्सीनों की निर्बाध आपूर्ति भी सुनिश्चित करता है।

HBL
Protecting lives

टैसिल बायोपार्क कैंपस (मोड्यूल # 013-015), सीएसआईआर रोड , तारामणि, चेन्नै - 600 133
टेलिः अ 91 44-22 55 423/33 पूछताछ @hllbiotech.com visit: www.hllbiotech.com

molecule/ccd 2013